RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

# हमारा महानगर

नवरात्रि के दूसरे दिन
मां ब्रह्मचारिणी की पूजा » पेज-8

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 34 ■ अंक 232 ■ मुंबई, शुक्रवार 20 मार्च 2026 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

## Short News एक नजर

### युद्ध से शेयर बाजार में भारी तबाही, 12 लाख करोड़ साफ

**नई दिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार में पैसे लगाने वालों के लिए गुरुवार का दिन बेहद खराब साबित हुआ। मार्केट में लार्जकैप से लेकर स्मॉलकैप तक हर सेक्टर लाल रंग में रंगा नजर आया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के तेल युद्ध में तब्दील होने से मार्केट का सेंटिमेंट ऐसा बिगड़ा कि बीएसई का सेंसेक्स करीब 2500 अंक की गिरावट लेकर बंद हुआ, तो एनएसई का निफ्टी 775 अंक फिसल गया। बाजार में आई इस तबाही के चलते निवेशकों के करीब 12 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। शेयर मार्केट क्रैश होने के पीछे के बड़े कारणों को देखें, तो एक नहीं कई नजर आ रहे हैं। शेयर मार्केट में करीब 1900 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ ओपनिंग करने वाला बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स मार्केट क्लोज होने पर 2496 अंक या 3 .26% फिसलकर 74,207 पर बंद हुआ।

### भाजपा ने 4 राज्यों के उपचनावों के लिए की उम्मीदवारों की घोषणा

**नई दिल्ली।** भाजपा ने गुरुवार को गोवा, कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को होने वाले उपचुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने गोवा की पोंडा सीट से रितेश रवि नाइक, नगालैंड की कोरिडांग सीट से दाओचिर आई इम्चेन और त्रिपुरा की धर्मनगर सीट से जे. चक्रवर्ती को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं भाजपा द्वारा जारी सूची के मुताबिक वीरभद्रय्या चरंतिमठ बागलकोट सीट से चुनाव लड़ेंगे और श्रीनिवास टी दासकारियप्पा कर्नाटक की दावणगेरे दक्षिण सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे।

# भीषण जंग : आर्थिक तबाही का संकट

## » गैस संकट गहराने का खतरा बढ़ा

**कतर।** मध्य पूर्व में तनाव अब पूरी तरह बेकाबू हो चुकी है। आत्मघाती ड्रोन हमलों ने इराक में अमेरिकी सैन्य अड्डे को निशाना बनाया है। इसके साथ ही कतर के गैस हब पर मिसाइलों की बारिश हो गई है। कतर की सरकारी ऊर्जा कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि गुरुवार को उसके कई लिक्विफाइड नेचुरल गैस यानी एलएनजी सुविधाओं पर मिसाइल हमले हुए। इन हमलों से भयानक आग लग गई और पहले वाले नुकसान में और भी भारी इजाफा हो गया। कंपनी ने साफ कहा कि यह हमले पिछले वाले हमले के बाद हुए हैं। बुधवार को रास लफान इंडस्ट्रियल सिटी पर जो हमला हुआ था, उसमें गैस-टू-लिक्विड्स सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा था। ईरान की सरकारी टीवी ने भी इस हमले की पुष्टि की। उसने बताया कि कतर का मुख्य गैस प्लांट रास लफान रिफाइनरी फिर से मिसाइल से टकरा गया। हमले के बाद वहां आग लग गई और धुआं उठ रहा है। ईरान की स्टेट टीवी ने टेलीग्राम पर पोस्ट भी किया कि रास लफान रिफाइनरी जल रही है। इससे साफ है कि हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे। कतर ने पहले वाले हमले में भी भारी नुकसान की बात कही थी और अब नई मिसाइलों ने स्थिति और बिगाड़ दी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों पर हमलों से दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। सऊदी अरब इस दबाव में नहीं झुकेगा और अगर जरूरी हुआ तो सैन्य कार्रवाई का पूरा अधिकार रखता है। रियाद में क्षेत्रीय विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद प्रिंस फैसल ने कहा कि यह दबाव उल्टा पड़ने वाला है।

**हमले के बाद लगी भयानक आग**

### अभी बदला पूरा नहीं हुआ : ईरान

ईरान ने कहा कि हमारे गैस फील्ड पर जो हमला हुआ है उसका बदला अभी पूरा नहीं हुआ है। ईरान के रुख से साफ संदेश मिल रहा है कि खाड़ी देशों में एनर्जी केंद्रों पर आने वाले दिनों में भी हमले जारी रह सकते हैं। ईरान के सशस्त्र बलों की संयुक्त कमान के प्रवक्ता ने कहा है कि ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हुए इजरायली हमले का जवाब अभी खत्म नहीं हुआ है।

सशस्त्र बलों की संयुक्त कमान के प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि इस तरह के हमलों की अगर रिपीट किया गया तो ईरान कहीं अधिक जोरदार जवाबी कार्रवाई को अंजाम देगा।

### उड़ा देंगे सबसे बड़ी ऑयल फील्ड : ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी देते हुए कहा है कि अगर वह कतर में गैस फील्ड पर लगातार हमला करता रहा तो

अमेरिका भी दुनिया की सबसे बड़ी गैस फील्ड को उड़ा सकता है। इजरायल ने साउथ पार्स फील्ड पर जो कार्रवाई की है, उसके बारे में ट्रंप का कहना है कि उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं थी। खाड़ी देशों ने भी अब ईरान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी है। सऊदी अरब ने साफ कहा है कि वह ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का हर अधिकार रखता है। दूसरी तरफ कतर ने ईरान के सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को देश से निष्कासित कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप भी अमेरिका में अपनी नीति को लेकर घिरते नजर आ रहे हैं।

### सऊदी, पाकिस्तान समेत 12 बड़े देशों ने दी चेतावनी

ईरान के घातक बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से बौखलाए अरब देशों ने तेहरान को हमले रोकने की चेतावनी दी है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक प्रमुख अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों ने रियाद में ईरानी हमलों के संबंध में एक बैठक का आयोजन किया था। बयान में कहा गया है कि बुधवार को हुई बैठक में बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, अजरबैजान, सीरिया, तुर्किये और UAE के विदेश मंत्रियों ने हिस्सा लिया था। इस बैठक के बाद 12 इस्लामिक देशों की तरफ से ईरान को तत्काल हमले बंद करने को कहा गया है। बयान के अनुसार 12 मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान को सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 (2026) का पालन करना चाहिए। इस प्रस्ताव में सभी हमलों को तत्काल बंद करने, पड़ोसी देशों के खिलाफ किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई या धमकियों को बिना किसी शर्त के बंद करने और अरब देशों में अपने मिलिशिया को समर्थन, फंडिंग और हथियार देना बंद करने की मांग की गई है। इस बयान में कहा कि ईरान ऐसा अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए और इन देशों के हितों के खिलाफ कर रहा है। अरब देशों की तरफ से जारी बयान में होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतर्राष्ट्रीय नौवहन को बंद करने या उसमें बाधा डालने के मकसद से किए जाने वाले किसी भी उपाय या धमकी से दूर रहना या बाब अल-मंदाब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने से बचने के लिए ईरान को कहा गया है।

### संकट कम करने में जुटे पीएम मोदी

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। इसके तहत उन्होंने फ्रांस, मलयेशिया और ओमान के शीर्ष नेताओं से बातचीत की। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय संकट, शांति बहाली और संवाद के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया गया। वहीं इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी थी। साथ ही कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद भी किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और तनाव कम करने (डी-एस्केलेशन) के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत पर बल दिया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी करीबी समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हरि राया ऐदिलफित्री के अवसर पर मलेशिया की जनता को अग्रिम शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति पर चर्चा करते हुए तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता जताई। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भाई कहकर संबोधित करते हुए ओमान की जनता को ईद की अग्रिम बधाई दी। इस वार्ता में भी दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के जरिए तनाव कम करने और शांति बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

कौशल्यम् बलम्

सत्यमेव जयते
महाराष्ट्र शासन

RATAN TATA MAHARASHTRA STATE SKILLS UNIVERSITY

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय
का प्रथम दीक्षांत समारोह एवं
उत्कृष्ट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पुरस्कार

शनिवार, २१ मार्च २०२६ | दोपहर २:०० बजे | लोकभवन, मुंबई

मुख्य अतिथि
सी. पी. राधाकृष्णन
उपराष्ट्रपति

अध्यक्ष
जिष्णु देव वर्मा
राज्यपाल और
कुलाधिपति - रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल्य विश्वविद्यालय

विशिष्ट उपस्थिती
देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री

सुनेत्रा अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

मंगल प्रभात लोढ़ा
मंत्री, कौशल्य, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार

राजेश अग्रवाल भा. प्र. से.
मुख्य सचिव

मनीषा वर्मा भा. प्र. से.
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार

केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आपके हाथों में कौशल होना आवश्यकता है। कौशल ही आपकी वास्तविक शक्ति है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

की उपस्थिति में

अमित सैनी
आयुक्त, कौशल विकास

सतीश सुर्यवंशी
प्र. संचालक, व्यवसाय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संचालनालय

डॉ अपूर्वा पालकर
संस्थापक कुलपति
रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय

कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग, महाराष्ट्र सरकार

देवेंद्र फडणवीस
मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे
उपमुख्यमंत्री

सुनेत्रा अजित पवार
उपमुख्यमंत्री

मंगल प्रभात लोढ़ा
मंत्री, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार

DGIPR/2025-26/D6690

# उत्साह और जल्लोष के साथ मनाया गया गुढी पाडवा

## जगह -जगह निकाली गई शोभायात्रा, मुख्यमंत्री फडणवीस भी हुए शामिल

**मुंबई।** गुरुवार को हिंदू नववर्ष के शुभ अवसर पर पूरे राज्य में गुढा पाडवा का पर्व पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। राज्यभर में जगह-जगह पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गुड़ी स्थापित की गई,वहीं लोगों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। नागपुर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने निवास पर विधि-विधान से गुड़ी पड़वा मनाया। उन्होंने गुढी स्थापित कर राज्य की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद नागपुर में सिद्धिविनायक सेवा ट्रस्ट द्वारा

आयोजित में मुख्यमंत्री फडणवीस शामिल होने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करता रहे और देश की "गुड़ी" ऊंचाइयों को छूती रहे। फडणवीस ने कहा कि गुढी पडवा हर हिंदू और मराठी व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। यह नए संकल्पों की शुरुआत का पर्व है, जो हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है.शोभायात्रा की शुरुआत तात्या टोपे नगर स्थित श्री गणेश मंदिर से हुई, जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सई ताम्हणकर, ट्रस्ट के अध्यक्ष और विधायक संदीप जोशी सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

श्री नागरदास भूता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री नागरदास धारसी भूता हाईस्कूल में गुढी पाडवा के पावन अवसर पर पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक एवं माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों द्वारा "गुढी पाडवा महोत्सव शोभा यात्रा" थीम पर एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह समारोह अत्यंत उत्साह, गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के ट्रस्टी एवं मार्गदर्शक कमलेशभाई भूताजी तथा देवांगीबेन भूताजी की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही ट्रस्टी शुभेंदुजी भूता, ट्रस्टी तेजश्री भूता बेबी टियाना, विद्यालय के शिक्षण निदेशक उमाकांत राऊत, विद्यालय के प्रभारी, शिक्षकवृंद एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## हर घर में समृद्धि की गुढी लहराए : शिंदे

गुढी पाडवा के अवसर पर ठाणे शहर में परंपरा, संस्कृति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। भव्य नववर्ष स्वागत शोभायात्रा में हजारों नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के विकास और जनकल्याण का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि राज्य के हर घर में खुशहाली और प्रगति की गुढी लहरानी चाहिए। किसान, मजदूर, युवा और महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाना सरकार की प्राथमिकता है। आम नागरिक के सपनों को मजबूती देने के लिए लगातार काम किया जाएगा। कोपिनेश्वर मंदिर नववर्ष स्वागत समिति की ओर से निकाली गई शोभायात्रा शहर की सांस्कृतिक पहचान बनकर उभरी। ढोल-ताशों की गूंज, भगवा पताकाएं और पारंपरिक वेशभूषा में सजे नागरिकों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। सड़कों पर सजी गुढियां, फूलों की खुशबू और चारों ओर उमंग का माहौल देखने को मिला।

## गुढी पाडवा पर निकली भव्य हिंदू नववर्ष स्वागत यात्रा

**कल्याण।** गुढी पाडवा के अवसर पर कल्याण में हिंदू सांस्कृतिक मंच की ओर से भव्य हिंदू नववर्ष स्वागत यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर में परंपरा, संस्कृति और उत्साह का रंग देखने को मिला। यात्रा की शुरुआत विट्ठल मंदिर चौक, खड़ेगोलवली से हुई, जो श्रीराम चौक, अपर्णा डेयरी और कैलाश नगर होते हुए निकाली गई। यात्रा में पारंपरिक ज्ञान, कला,खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक देखने को मिली, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। हिंदू सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष मनोज माली और उनकी टीम ने इस आयोजन को भव्य और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान कमलादेवी कॉलेज के अध्यक्ष सदानंद (बाबा) तिवारी, कोषाध्यक्ष व समाजसेविका स्वेता पांडे, सचिन चौधरी और निलेश मिश्रा को सम्मानित किया गया। इस धार्मिक यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे मार्ग पर उत्साह का माहौल बना रहा।

## डोंबिवली में गुढी पाडवा का भव्य उत्सव

### 150 फीट ऊंची 'महागुढी' बनी आकर्षण का केंद्र

गुढी पाडवा के पावन अवसर पर डोंबिवली शहर में आयोजित नववर्ष स्वागत यात्रा इस बार भव्यता और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आई। इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण रहा नेहरू मैदान में स्थापित की गई 150 फीट ऊंची विशाल 'महागुढी', जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। भाजपा महाराष्ट्र प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने

इस भव्य गुढी को "विशाल हिंदुत्व और समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक" बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम है, बल्कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास भी है। डोंबिवली में नववर्ष स्वागत यात्रा का यह 28वां वर्ष था। इस सांस्कृतिक पहल की शुरुआत श्री गणेश मंदिर संस्थान के माध्यम से की गई थी, जिसका उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना था।

# दुर्घटना में आईआईटी बॉम्बे के तीन छात्रों की मौत

**महानगर संवाददाता**

**मुंबई**

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे के तीन छात्रों की गुरुवार सुबह लोनावला के पास मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। तीनों छात्र सूर्योदय देखने के बाद खंडाला से मुंबई वापस लौट रहे थे। मृतकों की पहचान नासिक निवासी ओमकुमार बोरसे (23), नागपुर निवासी ले (20) और जयपुर निवासी श्रेयांश शर्मा (22) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों छात्र सुबह लगभग पांच बजे पवई स्थित आईआईटी बॉम्बे परिसर से अपने दो अन्य मित्रों के साथ निकले थे जो एक अलग वाहन में यात्रा कर रहे थे। वे सूर्योदय देखने के लिए खंडाला गए थे और मुंबई लौटते समय यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर कोई प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नहीं था इसलिए दुर्घटना के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच फिलहाल तकनीकी एवं फोरेंसिक साक्ष्यों पर आधारित है। इस दुर्घटना के पीछे के घटनाक्रम का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

# मुंबई पासपोर्ट कार्यालय में बम की धमकी

### बीकेसी में मची अफरा-तफरी

**मुंबई।** मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित पासपोर्ट कार्यालय में ईमेल से मिली बम की धमकी से सुरक्षा व्यवस्था में हड़कंप मच गया और इसके बाद तुरंत ईमारत खाली कराकर सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

अधिकारियों के अनुसार ईमेल में दावा किया गया था कि पासपोर्ट कार्यालय परिसर और शौचालयों के भीतर 'साइनाइड' से भरे 19 बम रखे गये हैं। साथ ही दोपहर करीब 13:30 बजे विस्फोट होने की चेतावनी भी दी गयी थी। धमकी से कर्मचारियों और आगंतुकों के बीच खौफ पैदा हो गया, जिसके चलते पूरे इलाके को फौरन खाली करा लिया गया। सूचना मिलते ही मुंबई

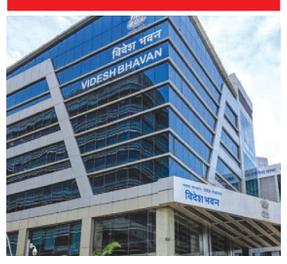


पुलिस, बम निरोधक एवं निस्तारण दस्ते (बीडीडीएस) के साथ मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों, आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) के कर्मियों और यूनिट 8 की टीमों ने इमारत और आसपास के क्षेत्रों की गहन जांच की।

रिपोर्टों के मुताबिक यह धमकी भरे ईमेल तीन ईमेल पतों पर भेजे गए थे, जिनमें पासपोर्ट कार्यालय के आधिकारिक खाते भी शामिल थे। सुरक्षा एजेंसियों ने लॉबी, प्रवेश और निकास द्वार, पास की झाड़ियों और सभी सुलभ क्षेत्रों को कवर करते हुए विस्तृत तलाशी अभियान चलाया। गहन जांच में कोई भी संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे अधिकारियों और जनता ने राहत की सांस ली।

मुंबई पुलिस ने अब ईमेल भेजने वाले का पता लगाना शुरू कर दिया है। वह मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना तुरंत अधिकारियों को देने की अपील की गयी है। घटना की विस्तृत जांच फिलहाल जारी है।

# सिद्धिविनायक मंदिर में बप्पा के सोने-चांदी के जेवरों की नीलामी

**मुंबई।** मुंबई में हिंदू नववर्ष गुढी पडवा के मौके पर आस्था और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में गणपति बप्पा को चढ़ाए गए आभूषणों की नीलामी आयोजित की गई,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। गुढी पडवा के शुभ मौके पर मुंबई में आस्था का ऐसा मेला सजा कि 'जहां नजर जाए,वहां बप्पा ही बप्पा' नजर आए। सिद्धिविनायक मंदिर में वो नजारा देखने को मिला, जहां भक्ति थी,भावना थी और नीलामी की बोली भी थी।

### नीलामी में रखे गए 234 प्रकार के जेवर

पडवा के शुभ अवसर पर मुंबई के

सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल की तरह इस बार भी चढ़ावे में आए आभूषणों की नीलामी की गई। 234 प्रकार के सोने और चांदी के आभूषण नीलामी में रखे हैं, जिनकी कुल कीमत करीबन 2 करोड़ है। इस नीलामी में सोने-चांदी के सिक्के, चेन, लॉकेट, ब्रेसलेट, गणपति बप्पा की पादुकाएं और मूषक के विशेष आभूषण शामिल किए गए।

# भूमिपुत्रों का तहसीलदार दफ्तर पर हल्लाबोल

**महानगर संवाददाता**

**वसई**

राजस्व विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली और सरकारी दफ्तरों में व्याप्त लालफीताशाही के खिलाफ गुरुवार को वसई-विरार के सैकड़ों स्थानीय भूमिपुत्रों का गुस्सा फूट पड़ा। तहसीलदार कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए नागरिकों ने प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी कि यदि कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ, तो अगला कदम कार्यालय की 'तालाबंदी' होगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आम जनता को अपने जायज काम के लिए भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते किसानों को 7/12 उतारा और फेरफार जैसे बुनियादी दस्तावेजों के लिए महीनों इंतजार करना पड़ रहा है। विरासत से जुड़े मामलों को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। दफ्तरों में आम आदमी की सुनवाई नहीं होती, जबकि बिचौलियों का बोलबाला बढ़ा हुआ है।

### सोए हुए तलाठी जाग जाएं..."

आंदोलन के दौरान सबसे ज्यादा नाराजगी निचले स्तर के अधिकारियों (तलाठियों) के प्रति देखी गई। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि तहसीलदार कार्यालय अब भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है। एक प्रदर्शनकारी ने कड़े लहजे में कहा: "जनता के सब्र का बांध अब टूट चुका है। हमारे 'सोए हुए' तलाठी और अधिकारी यह जान लें कि अगर फाइलों का निपटारा तुरंत नहीं हुआ, तो हम लोकतांत्रिक तरीके से दफ्तर को ताला जड़ने से पीछे नहीं हटेंगे।" भूमिपुत्रों ने केवल विरोध ही नहीं जताया, बल्कि प्रशासन के सामने सुधार के लिए 'छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व समाधान शिविर' आयोजित करने का प्रस्ताव भी रखा है।सभी लंबित फाइलों का निपटारा एक तय समय के भीतर हो। एक ही छत के नीचे सभी राजस्व सेवाएं देने के लिए शिविर लगाए जाएं। काम में देरी करने वाले और भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए।

# नगरसेवक का फोन नहीं उठा रहे मनपा अधिकारी

**मुंबई।** पिछले चार साल से प्रशासक के रूप में काम करने वाले मनपा अधिकारी अभी भी उस मोड से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बीएमसी चुनाव होकर दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद नगरसेवक पूरी तरह अपने अपने पद पर मौजूद हो चुके हैं। नगरसेवकों का कहना है कि मनपा के वार्ड अधिकारी अभी तक प्रशासक के मोड से बाहर नहीं आ पाए हैं। वार्ड के सहायक आयुक्त का फोन 11 बजे तक बंद रहता है और फोन करने पर उनका फोन वाइस मोड़ पर जाता है। इस तरह का आरोप मनपा में भाजपा नेता गणेश खनकर ने स्थाई समिति में लगाया। भाजपा नेता गणेश खनकर ने स्थाई समिति में आरोप लगाया कि बीएमसी के सहायक आयुक्त और अन्य अधिकारी फोन कॉल उठाने के बजाय वॉइसमेल पर छोड़ देते हैं,जिससे जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभागृह नेता गणेश खणकर ने अधिकारियों के रवैये पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कई अधिकारी खुद को नगरसेवकों से बड़ा समझने लगे हैं,उन्होंने कहा कि विभागीय सहायक आयुक्तों को फोन करने पर कॉल सीधे वॉइस मेल पर चला जाता है। नगरसेवक निजी बातचीत के लिए नहीं, बल्कि जनता के लंबित कामों के लिए संपर्क करते हैं, लेकिन अधिकारी फोन नहीं उठाते और न ही वापस जवाब देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सुबह कार्यालय जाने पर 11 बजे तक कई जगह अधिकारी मौजूद नहीं रहते।

# डॉ. मंजू लोढ़ा को साहित्यिक योगदान के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

**महानगर संवाददाता**

**मुंबई**

आज के समय में जहां लोगों का ध्यान तेजी से बदलता है और सामग्री क्षण भर में आगे बढ़ जाती है,वहीं कविता आज भी अपनी शांत और गहरी प्रभावशीलता बनाए हुए है। इसी कड़ी में एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में डॉ. मंजू लोढ़ा ने 500 कविताएं लिखकर एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया है,जो समकालीन साहित्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं, बल्कि वर्षों की साधना, अनुशासन और भाषा के प्रति गहरे जुड़ाव

का परिणाम है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को मान्यता देते हुए ACE बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने डॉ. मंजू लोढ़ा को राष्ट्रीय रिकॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान केवल उनकी रचनाओं की संख्या का नहीं, बल्कि उनके निरंतर प्रयास, समर्पण और सृजनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। ACE बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, जो कला, शिक्षा, खेल और सामाजिक क्षेत्रों में अनूठी उपलब्धियों को दर्ज करने के लिए जाना जाता है,ऐसे प्रेरणादायक कार्यों को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह संस्था उन व्यक्तियों को पहचान देती है, जो अपने क्षेत्र में सीमाओं को पार करते हुए नई मिसाल कायम करते हैं। इस सम्मान की खास बात यह है कि यह वास्तविक मानवीय कहानियों को महत्व देता है — संघर्ष, निरंतरता और जुनून की कहानियां। डॉ. लोढ़ा की यह यात्रा भी शब्दों के माध्यम से एक अद्भुत साहित्यिक मुकाम तक पहुंचने की कहानी है।

# मैनेजर पर तलवार से हमला CCTV में कैद हुई वारदात

**नवी मुंबई।** कामोठे इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक होटल मैनेजर पर तलवार से हमला किया गया। पूरी वारदात CCTV में कैद हो गई है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

रात करीब 8:15 बजे सेक्टर-6 स्थित एक होटल में अचानक एक युवक तलवार लेकर घुस गया। उस समय होटल में काफी भीड़ थी और लोग आराम से खाना खा रहे थे। इसी बीच आरोपी ने हंगामा शुरू कर दिया। आरोपी ने होटल मैनेजर उमेश शेट्टी पर ताबड़तोड़ वार किए।उनकी छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। इसके बाद आरोपी ने कैश काउंटर पर भी तोड़फोड़ की।प्राथमिक जानकारी के अनुसार, एक दिन पहले

खाने के बिल को लेकर मैनेजर और ग्राहक के बीच विवाद हुआ था। उसी का बदला लेने के लिए आरोपी ने अगले दिन यह हमला किया। अचानक हमले से होटल में भगदड़ मच गई। ग्राहक जान बचाकर भागने लगे।कामोठे पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश जारी है। साथ ही, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हमले के पीछे सिर्फ बिल विवाद ही कारण था या कोई और वजह भी है।

# दहेज के लिए विवाहिता को किया प्रताड़ित

### पति समेत चार पर केस

**भिवंडी।** भिवंडी के शांति नगर पुलिस थाना क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है,हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, 26 वर्षीय पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई

है कि शादी के बाद से ही उसके पति जलालुद्दीन गुलाम हुसैन शेख, सास मैहनीसा मोहम्मद शेख, ससुर गुलाम हुसैन मोहम्मद शेख और जेठ यासुद्दीन शेख द्वारा उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। शिकायत में आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग पीड़िता के मायके वालों से चार पहिया वाहन की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर आरोपी उसे ताने देते थे, गाली-गलौज करते थे और मारपीट कर मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करते थे। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रताड़ना से परेशान होकर उसने ससुराल से अपने मायके भिवंडी आ गई, तो उसे और अधिक परेशान किया गया। इस मामले में शांति नगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

## महापुरुषों की जयंती मनाते हैं, लेकिन उनके विचारों पर नहीं चलते : राज ठाकरे

**मुंबई।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के 20 वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को शिवाजी पार्क में आयोजित रैली में राज ठाकरे ने जनता को सोशल मीडिया,खासकर इंस्टाग्राम से दूर रहने के लिए और राज्य के मुद्दों पर ध्यान देने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र का अस्तित्व धीरे-धीरे मिटाया जा रहा है,मनसे प्रमुख ने कहा कि महाराष्ट्र के उत्थान और विकास में छत्रपति शिवाजी महाराज,शाहू महाराज,प्रबोधनकार ठाकरे से लेकर बालासाहेब ठाकरे और शरद पवार का योगदान है,उन्होंने कहा कि हम इन महान लोगों की जयंती तो मनाते हैं, लेकिन उनके विचारों को नहीं अपनाते। राज ठाकरे ने कहा कि एक समय पूरा देश महाराष्ट्र की ओर नए विचारों के लिए देखता था, लेकिन आज राज्य अपनी दिशा को लेकर भ्रमित है। इस अवसर पर उन्होंने महाराष्ट्र नेक्स्ट नाम से एक नई वेबसाइट शुरू करने की घोषणा भी की। इस प्लेटफॉर्म पर कृषि, स्वास्थ्य,परिवहन सहित कुल 27 विषयों को शामिल किया गया है, जहां लोग अपने सुझाव और विचार साझा कर सकेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नए महाराष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। वही ईरान -इजराइल के बीच शुरू युद्ध पर देश में शुरू घरेलु गैस की संकट पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने बड़ा बयान दिया है। ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ईरान का समर्थन देना चाहिए था।

# घोड़बंदर रोड पर टायर पंचर वालों का अतिक्रमण

### ट्रैफिक जाम बना बड़ी मुसीबत

**ठाणे।** ठाणे शहर के व्यस्त घोड़बंदर रोड पर बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या के पीछे एक चौंकाने वाला और लंबे समय से अनदेखा कारण सामने आया है। सड़क किनारे टायर पंचर का काम करने वाले लोगों का अतिक्रमण अब यातायात के लिए बड़ी बाधा बन गया है। इससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

घटनास्थल पर जाकर देखने पर स्थिति गंभीर नजर आती है। सड़क के किनारे कई जगह पंचर बनाने वाले अपने औजार, टायर, ट्यूब और अन्य सामान फैलाकर बैठे रहते हैं। कुछ स्थानों पर यह अतिक्रमण 10 से 12 फीट तक अंदर तक फैल चुका है। कई लोग बांस या लकड़ी के सहारे ट्यूब टांगकर रखते हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई और कम हो जाती

है। पहले से ही भारी वाहनों के दबाव वाले इस मार्ग पर यह अतिक्रमण ट्रैफिक को और धीमा कर रहा है। वाहन चालकों को रास्ता निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कई बार अचानक वाहन मोड़ने की नौबत आती है, जिससे हादसों का खतरा भी बढ़ जाता है। सुबह और शाम के पीक ऑवर में स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने इस समस्या को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि रोजाना इस मार्ग से गुजरना अब तनावपूर्ण हो गया है। प्रशासन को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने ठाणे महानगरपालिका और ठाणे पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही सड़क किनारे इस तरह के अनियंत्रित व्यवसाय पर सख्ती से रोक लगाई जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या को कितनी जल्दी हल करता है और घोड़बंदर रोड को जाम से राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।


**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना,**
**जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)**

**ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

**(द्वितीय आमंत्रण)**

सिस्टम निविदा क्र. 187304/निविदा सूचना क्र. 08/व.ले.लि./2025-26 दि. 19.03.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक **06.04.2026 17:30** तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

**कार्य का नाम - महानदी परियोजना अंतर्गत लवन शाखा नहर के वितरक शाखा क्र. 1 का तुलसी माईनर का रिमॉडलिंग, सी.सी. लाईनिंग एवं जीर्णोद्धार/ पुर्ननिर्माण कार्य।**

**अनुमानित लागत रू. 326.97 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)**
**(एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 08.08.2025))**

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **27.03.2026** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है। इस निविदा में जल संसाधन विभाग द्वारा जारी निविदा पूर्व अर्हता प्रमाण पत्र जिसकी वैधता दिनांक 30.09.2026 तक है, वह लागू होगी।

हस्ता/-
कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग क्र. 2. बलौदाबाजार
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

G-252607297/4


# ट्रेन में खाने की शुद्धता की गारंटी!

### अब वेंडरों के पास होगा QR कोड, अवैध फेरीवालों पर रेलवे कसेगा शिकंजा

**मुंबई।** रेलवे प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों में अवैध रूप से बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थों और वेंडरों को रोकने के लिए मंत्रालय नए कदम उठाने जा रहा है। अब रेलवे में अधिकृत वेंडरों को क्यूआर कोड पर आधारित पहचान पत्र दिए जाएंगे। इसके अलावा डिजिटल रूप से ट्रेस करने योग्य खाद्य पैकेटों का उपयोग किया जाएगा।

### यात्रियों का स्वास्थ्य व सुरक्षा खतरे में

भारतीय रेलवे के कार्यक्षेत्र में अनाधिकृत रूप से सामान बेचना और फेरी लगाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म से लेकर ट्रेनों तक अवैध विक्रेताओं की भरमार हो गई है। इससे रेल यात्रियों का स्वास्थ्य एवं उनकी सुरक्षा खतरे में है। इस गंभीर मुद्दे पर लोकसभा में चर्चा के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ट्रेनों में अधिकृत विक्रेताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए, ट्रेन में खानपान सेवाओं के प्रबंधन हेतु तैनात प्रत्येक विक्रेता/सहायक/ कर्मचारी के नाम पर क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह क्यूआर कोड विक्रेता का नाम, आधार नंबर, मेडिकल फिटनेस, पुलिस सत्यापन विवरण आदि प्रदर्शित कर कर्मचारी की प्रामाणिकता को प्रमाणित करता है।

### खाद्य पैकेटों पर भी क्यूआर कोड

अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाने के अन्य उपायों में खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड

लगाना शामिल है, जिसमें रसोई का नाम और निर्माण तिथि आदि प्रदर्शित होती है। ट्रेनों में फेरीवालों के प्रवेश को रोकने के लिए नामित अधिकारियों और रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा नियमित निरीक्षण किए जाने का निर्देश भी है। रेलवे परिसर में अनाधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे और IRCTC के अधिकारियों द्वारा विशेष अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

### थर्ड पार्टी ऑडिट की व्यवस्था

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए कई उपाय किए गए हैं। इनमें आधुनिक रसोई, अनिवार्य FSSAI प्रमाणन, सीसीटीवी निगरानी, अचानक निरीक्षण और थर्ड पार्टी ऑडिट शामिल है। यात्रियों को स्वच्छ और उच्च गुणवत्ता वाले भोजन उपलब्ध कराने निर्धारित बेस किचन से भोजन की आपूर्ति।चिन्हित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की स्थापना।

# अज्ञात महिला बीमार हालत में मिली

**भायंदर।** भायंदर पश्चिम स्थित पंडित भीमसेन जोशी सरकारी अस्पताल में एक अज्ञात महिला का इलाज चल रहा है, जो अपनी पहचान बताने में असमर्थ है। जानकारी के अनुसार, यह महिला भायंदर पश्चिम स्थित शिवसेना गली में बीमार अवस्था में मिली थी। स्थानीय लोगों ने महिला की हालत देख तुरंत नगरसेवक एडवोकेट रवि व्यास एवं पंकज पांडेय (दरोगा) से संपर्क किया। सूचना मिलते ही दोनों जनप्रतिनिधियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अस्पताल प्रशासन और पुलिस से समन्वय कर महिला को पंडित भीमसेन जोशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि अस्पताल में भर्ती के समय महिला की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन चिकित्सकों के प्रयास से अब उसकी तबीयत में सुधार हो रहा है।

# मुंबई में पानी की समस्या नहीं

## तालाबों में शेष है 44.54 प्रतिशत पानी

महानगर संवाददाता
मुंबई

बढ़ी गर्मी के बीच पिछले दिनों मुंबई के नागरिकों को पानी की तकलीफों का सामना करना पड़ा था। इस बीच मुंबई को जलापूर्ति करने वाले सात तालाबों में अभी 44.54 प्रतिशत पानी शेष बचा हुआ है। बीएमसी का मानना है कि इस साल मानसून आने तक मुंबई में पानी की कोई समस्या नहीं पैदा होगी। मनपा अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने कहा कि इसके बावजूद हर साल मुंबई के लिए रखा जाने वाले रिजर्व कोटे का पानी लेने के लिए हम राज्य सरकार को पत्र लिखेंगे,जिससे आगे भी पानी का संकट न पैदा हो। मनपा अतिरिक्त आयुक्त बांगर ने कहा मुंबई में इस साल गर्मियों के दौरान पानी कटौती की जरूरत नहीं पड़ेगी। शहर को पानी सप्लाई करने वाले सात तालाबों में पर्याप्त जल भंडार होने के कारण यह फैसला लिया गया है। वर्तमान

में इन तालाबों में 6.44 लाख मिलियन लीटर यानी लगभग 44.54 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने कहा कि फिलहाल पानी कटौती की कोई आवश्यकता नहीं है। सात तालाबों के मौजूदा भंडार के अलावा राज्य सरकार द्वारा हर साल उपलब्ध कराए जाने वाले आरक्षित जल भंडार का भी उपयोग जरूरत पड़ने पर किया जा सकता है। इस आरक्षित भंडार में भातसा झील से 1.4 लाख मिलियन लीटर और अपर वैतरणा झील से 93,500 मिलियन लीटर पानी शामिल है, जिसे आवश्यकता अनुसार लिया जा सकता है। इस वर्ष जल स्तर पिछले दो वर्षों की तुलना में अधिक है। इसी अवधि में पिछले साल तालाबों में 5.84 लाख मिलियन लीटर (40.40 प्रतिशत) पानी था,जबकि 2024 में यह 5.07 लाख मिलियन लीटर था। पिछले वर्षों में कम बारिश और जल भंडार घटने के कारण बीएमसी को गर्मियों में 5 से 10 प्रतिशत तक पानी कटौती लागू करनी पड़ी थी। वर्ष 2024 में 5 जून से 29 जुलाई तक 10 प्रतिशत पानी कटौती लागू की गई थी। मुंबई को रोजाना पानी की जरूरत लगभग 4,200 मिलियन लीटर (एमएलडी) है। वर्तमान में बीएमसी करीब 4,000 एमएलडी पानी सप्लाई कर रही है। थोड़ी कमी जरूर है लेकिन इतनी नहीं कि तुरंत पानी कटौती करनी पड़े। अधिकारियों ने बताया कि मानसून पूर्व अवधि में जल स्तर और गिर सकता है। इसलिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जाएगी।

## भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

**भिवंडी।** भिवंडी के ठाणे रोड स्थित कशेली खाड़ी के पास चामुंडा कॉम्प्लेक्स के फर्निचर मार्केट में गुरुवार सुबह भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में 15 दुकानें इसकी चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। जानकारी के अनुसार,आग सुबह करीब 11 बजे नीचे स्थित एक दुकान से शुरू हुई और तेजी से फैलते हुए आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी भयंकर थीं कि पास से गुजर रही मेट्रो लाइन के पिलर भी काले पड़ गए। इस घटना में नीचे की 9 और ऊपर सड़क किनारे बनी 6 दुकानों समेत कुल 15 दुकानें पूरी तरह जल गईं। सूचना मिलते ही भिवंडी फायर ब्रिगेड की 2 और ठाणे फायर ब्रिगेड की 1 गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि पूरी तरह आग बुझाने में लगभग 5 घंटे का समय लगा।

# बिक ही गई भगोड़े डॉन दाऊद इब्राहिम की जमीन

## नीलाम किए गए खेत

**मुंबई।** रत्नागिरी से एक बड़ी खबर सामने आई है। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी पुश्तैनी जमीनों की नीलामी आखिरकार सफल हो गई है। पांच मार्च को केंद्र सरकार की ओर से कराई गई इस नीलामी में मुंबई के दो बोलीदाता ने सभी चार कृषि भूमि पार्सल खरीद लिए। यह जमीनें रत्नागिरी के खेड तालुका के मुम्बके गांव में स्थित हैं, जो दाऊद इब्राहिम का पैतृक गांव माना जाता है। खास बात यह है कि इनमें से कई संपत्तियां उसकी मां अमीना बी के नाम पर दर्ज थीं।

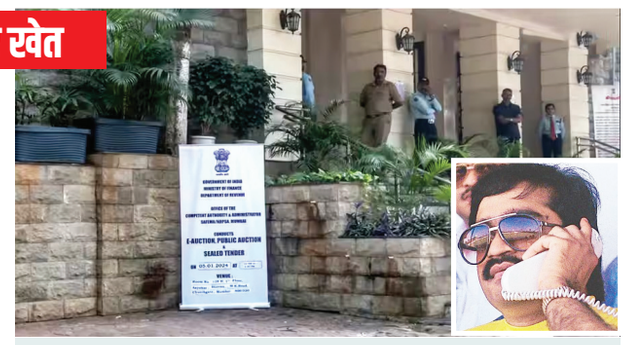


### SAFEMA कानून के तहत हुई नीलामी

यह नीलामी तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेरकर्ता अधिनियम यानी SAFEMA के तहत की गई। इस कानून के जरिए सरकार उन लोगों की संपत्तियां जब्त करती है, जो तस्करी या अवैध गतिविधियों में शामिल रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम कासकर परिवार से जुड़ी संपत्तियों के निपटान की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हालांकि, अभी खरीदार की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

### भुगतान और मंजूरी की प्रक्रिया बाकी

नीलामी जीतने वाले बोलीदाता को अप्रैल 2026 की शुरुआत तक पूरी रकम जमा करनी होगी। इसके बाद सक्षम प्राधिकारी की अंतिम मंजूरी मिलेगी और फिर संपत्तियों का ट्रांसफर पूरा किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में कानूनी जांच और कागजी कार्रवाई भी अहम भूमिका निभाएगी, ताकि आगे किसी तरह का विवाद न हो। यह पहली बार नहीं है जब इन जमीनों की नीलामी की गई हो। इससे पहले 2017, 2020, 2024 और 2025 में भी कई बार कोशिशें की गईं, लेकिन हर बार या तो बोलीदाता नहीं आए या नीलामी पूरी नहीं हो सकी। यहां तक कि नवंबर 2025 में रिजर्व प्राइस करीब 30 प्रतिशत तक घटाने के बावजूद भी कोई खरीदार सामने नहीं आया था।

### कम दिलचस्पी की बड़ी वजहें

अधिकारियों के मुताबिक, इन संपत्तियों में लोगों की कम दिलचस्पी के पीछे कई कारण रहे हैं। सबसे बड़ी वजह दाऊद इब्राहिम से जुड़ा 'कलंक' माना जाता है। इसके अलावा जमीनों का ग्रामीण इलाके में होना, कृषि उपयोग की सीमाएं और कानूनी-सामाजिक संवेदनशीलता भी बड़े कारण हैं। यही वजह है कि लंबे समय तक ये संपत्तियां बिक नहीं पाईं। इस बार की नीलामी में सर्वे नंबर 442 (हिस्सा नंबर 13-B) की जमीन, जिसकी रिजर्व कीमत 9 .41 लाख रुपए थी, 10 लाख रुपए से ज्यादा में बिकी। इस पर दो बोलीदाता शामिल हुए थे। वहीं बाकी तीन जमीनों सर्वे नंबर 533, 453 और 617 पर सिर्फ एक ही बोलीदाता ने हिस्सा लिया और उसने ही सभी संपत्तियां खरीद लीं।

# बोरवेल ड्रिलिंग पड़ी भारी

## मेट्रो टनल को नुकसान, कंपनी मालिक पर FIR

**मुंबई।** मुंबई में लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां बोरवेल ड्रिलिंग के दौरान मेट्रो टनल को नुकसान पहुंचा दिया गया. इस घटना के बाद पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए कंपनी मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, मेट्रो जंक्शन के पास बिना अनुमति बोरवेल की ड्रिलिंग कराई जा रही थी। इसी दौरान ड्रिलिंग मशीन टनल के काफी करीब पहुंच गई और मेट्रो टनल के बाईं तरफ एक छोटा सा छेद हो गया। केस 13 मार्च को आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने रामबाबू राय के खिलाफ केस दर्ज किया है, जो चंद्रमा वॉटर सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड के मालिक बताए जा रहे हैं. उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 125, 324(5), 326(b) और मेट्रो एक्ट की धारा 78 के तहत कार्रवाई की गई है।

गुढी पाडवा जो मराठी नव वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है, मुंबई के सबसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जीवंत इलाकों में से एक गिरगांव में अपार उत्साह और पारंपरिक जोश के साथ मनाया गया। सदियों पुराने रीति-रिवाजों को संरक्षित करने के लिए जाना जाने वाला गिरगांव एक बार फिर रंग, संगीत और उत्सव के केंद्र में बदल गया । स्थानीय समूहों द्वारा लेज़िम प्रदर्शन सहित लोक नृत्य प्रदर्शित किए गए, जिसमें महाराष्ट्र की समृद्ध विरासत पर प्रकाश डाला गया। फोटो - कुणाल कासार

# अवैध नर्सिंग होम बन रहे मुसीबत

## बर्थ सर्टिफिकेट मिलना हो रहा मुश्किल

महानगर संवाददाता
मुंबई

झोपड़पट्टियों में अवैध नर्सिंग होम धड़ल्ले से चल रहे हैं। बीएमसी नियमों के तहत जगह उपलब्ध नहीं होने से अवैध नर्सिंग होम की बाढ़ सी आ गई है । अब इसका खामियाजा आम नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है। अवैध नर्सिंग होम में पैदा होने वाले बच्चों को बर्थ सर्टिफिकेट नहीं देने का निर्णय मनपा प्रशासन ने लिया है,जिससे लोगों के सामने एक अलग मुसीबत आ गई है। लोगों को बच्चों का बर्थ सर्टिफिकेट नहीं मिलने से उन्हें स्कूल में प्रवेश से लेकर उनकी नागरिकता पर सवाल खड़ा होने लगा है।

मनपा स्थाई समिति में राष्ट्रवादी कांग्रेस की नगरसेविका डॉ. सईदा खान ने आरोप लगाया कि बीएमसी ने एक सर्कलूर निकाला है,जिसमें कहा गया है कि अवैध नर्सिंग होम में पैदा होने वाले बच्चों को बर्थ सर्टिफिकेट नहीं दिया जाए। बीएमसी ने यह निर्णय दिए जा रहे बोगस जन्म प्रमाण पत्र पर अकुंश लगाने के लिए कदम उठाया। बीएमसी का यह निर्णय आम नागरिकों के गले की फांस बन गया है। आम नागरिकों को यह नहीं पता होता कि उनके इलाके में चल रहा नर्सिंग होम वैद्य है अथवा अवैध है। मनपा एक ओर मुंबई में चल रहे अवैध नर्सिंग होम पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही।

दूसरी तरफ नर्सिंग होम में पैदा होने वाले बच्चों को बर्थ सर्टिफिकेट न देने का निर्णय लेकर और मुसीबत खड़ा कर दिया है। बीएमसी ने अवैध नर्सिंग होम में पैदा होने वाले बच्चों को बर्थ सर्टिफिकेट न देने का तब निर्णय लिया जब पिछले दिनों गोवंडी में अवैध बर्थ सर्टिफिकेट देने का मामला प्रकाश में आया। मुंबई की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत से अधिक लोग झोपड़ पट्टियों में रहते हैं। जहां उनके इलाके में चलने वाला नर्सिंग होम ही आखिरी समय में इलाज का सहारा बनता है। गरीब नागरिक बड़े अस्पताल में इलाज के लिए जा नहीं सकते और मनपा अस्पतालों में होने वाली भीड़ से समय पर इलाज मिलना मुश्किल होता है। बीएमसी ने नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन नहीं होने पर बर्थ सर्टिफिकेट नहीं देने का निर्णय लिया है।

# अब संपत्ति कर के जुर्माने से मिलेगी 100% मुक्ति

**वसई।** शहर के संपत्ति धारकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। वसई-विरार शहर महानगरपालिका ने बकाया संपत्ति कर जमा करने वालों के लिए 'अभय योजना' की घोषणा की है। इस योजना के तहत,अपना बकाया टैक्स भरने वाले नागरिकों को जुर्माने की राशि पर 100% की भारी छूट दी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह योजना केवल सीमित समय के लिए है। बकायेदारों के पास अपना पुराना हिसाब साफ करने के लिए केवल 15 दिन का समय है। 10 मार्च 2026 से शुरू। 25 मार्च 2026 तक।

**मनपा ने शुरू की 'अभय योजना'**

छूट का लाभ उठाने के लिए पूरी बकाया राशि एकमुश्त जमा करनी होगी। महानगरपालिका के पास वर्तमान में लगभग 10.08 लाख संपत्तियां दर्ज हैं। इस वित्त वर्ष के लिए प्रशासन ने 860 करोड़ रुपये के कर संग्रह का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा था, लेकिन अब तक केवल 326.78 करोड़ रुपये ही सरकारी खजाने में आए हैं। इसी अंतर को कम करने के लिए आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय जनता को प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया है।

## गेटवे ऑफ इंडिया पर पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिलेगी

**मुंबई।** राज्य के मत्स्य एवं बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने कहा कि गेटवे ऑफ इंडिया पर प्रतिदिन देश और विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते है। भविष्य में इन पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल सके इसके लिएयहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और आधुनिक जेट्टी विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। बुधवार को विधानसभा में सदस्य अशोक पाटील के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी,चर्चा में वरुण सरदेसाई और प्रकाश सुर्वे ने भी भाग लिया। मंत्री राणे ने कहा कि राज्य सरकार मुंबई को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन और समुद्री केंद्र बनाने के लिए व्यापक योजना पर काम कर रही है। इसके तहत जेट्टी प्रबंधन, आधुनिक नौकाएं, मरीना और यात्री सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

# महामुंबई मेट्रो ने Uber ऐप पर उपलब्ध कराए टिकट

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई मेट्रो में डिजिटल यात्रा सुविधा बढ़ाने के साथ अंतिम-मील कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महा मुंबई मेट्रो ने अब मुंबई मेट्रो लाइन 2A और 7 के टिकट ONDC के माध्यम से सीधे Uber ऐप पर उपलब्ध कराए हैं। ONDC के Uber से मुंबईकरों के लिए सहज और डिजिटल यात्रा का नया जरिया उपलब्ध होगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। अब मुंबईकर Uber ऐप पर सीधे QR-कोड आधारित मेट्रो टिकट बुक कर सकते हैं।

### 10 रुपए तक की छूट

इस ऐप का उपयोग करने वाले यात्री 50% तक (अधिकतम 10) की त्वरित छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह सुविधा तेज़, स्मार्ट और पूरी तरह पेपरलेस है। मेट्रो स्टेशनों पर कतार से राहत मिलेगी। एमएमआरडीए के कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी के अनुसार इस समय 70 से 72 प्रतिशत मेट्रो यात्री डिजिटल टिकट का उपयोग कर रहे हैं।

### देश का पहला कॉमन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म

वैसे मुंबई पहले ही एकीकृत डिजिटल मोबिलिटी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुंबई वन ऐप देश का पहला और एकमात्र कॉमन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म है,जो उपनगरीय रेलवे, मेट्रो, बस और मोनोरेल सेवाओं को एक ही इंटरफेस पर उपलब्ध कराता है। इसके साथ ही WhatsApp आधारित टिकटिंग और मुंबई वन कार्ड (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड – NCMC) के माध्यम से यात्रियों को विभिन्न परिवहन साधनों में सहज और कैशलेस यात्रा की सुविधा मिलती है।

### मेट्रो 2B और 9 पर भी होगा शुरू

वर्तमान में मेट्रो लाइन 2A और 7 पर प्रतिदिन 3 .5 लाख से अधिक यात्री यात्रा कर रहे हैं। निकट भविष्य में लाइन 2B और 9 के भी शुरू होने की उम्मीद है। यह पहल मुंबई महानगर क्षेत्र में शहरी परिवहन को और अधिक सुगम, तेज़ और सुलभ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## 16 वर्षीय किशोरी का अपहरण

**भिवंडी।** भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण का मामला सामने आया है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता 60 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक हैं, जो नालापार क्षेत्र में रहते हैं।

## 750 रुपए में महीने भर लें नेचर ट्रेल का मजा

**मुंबई।** मलबार हिल स्थित देश के पहले एलिवेटेड नेचर ट्रेल के लिए मासिक पास योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत उपयोगकर्ताओं से प्रति माह 750 रुपए शुल्क लिया जाएगा, जिससे आसपास रहने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। 30 मार्च 2025 को उद्घाटन के बाद इस नेचर ट्रेल पर भारी भीड़ देखी गई थी और पर्यटक बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे थे। सप्ताहांत के स्लॉट एक हफ्ते पहले ही फुल हो जाते थे, जिससे लोगों को सप्ताह के दिनों में आना पड़ता था। हालांकि हाल के दिनों में इसकी लोकप्रियता में कमी आई है और अब सप्ताहांत के स्लॉट भी खाली रहने लगे हैं। इसी को देखते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने यह मासिक पास योजना शुरू की है, ताकि मलबार हिल और आसपास के क्षेत्रों के निवासी नियमित रूप से सुबह और शाम यहां टहलने के लिए आ सकें।


**पश्चिम रेलवे**
**विभिन्न कार्य**

सीनि. डीईई/टीआरडी/एनएस/बीसीटी, **ई-निविदा सूचना क्र. ईएल-टीआरडी-डब्ल्यू-2x25-ईपीसी-पीएसआई-आर, दिनांक 13.03.2026** आमंत्रित करते हैं. **कार्य का नाम:** "3000 एमटी तक भार बढ़ाने" के कार्य के संबंध में पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल के उधना-जलगांव खंड के बीच 2x25 केवी एटी फीडिंग सिस्टम के लिए 220/132/55 केवी स्कॉट कनेक्टेड ट्रैक्शन सबस्टेशन और स्विचिंग पोस्ट की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग. **विज्ञापित मूल्य:** ₹ 187,67,00,000/-. **ईएमडी:** ₹ 95,33,500/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 10.07.2026, 11:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 10.07.2026 को 11:00 बजे. विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें. मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा. 1232

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly



**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**

**अनु.क्र. 1. निविदा सूचना क्रमांक.: सीनी. डीईई-जी-आर-ओटीपी-25-26-45**
**दिनांक: 13.03.2026**
**कार्य** :-DRM कॉम्प्लेक्स सर्कुलेटिंग एरिया, WRS और BMY के रेलवे कॉलोनी चौक की रोशनी में सुधार के लिए सोलर मास्ट टावर/हाई मास्ट टावर का प्रावधान।
**निविदा मूल्य** - 49,94,720.00/- **बयाना राशि**- 99,900.00/- **निविदा प्रस्तुत करना** : 17.04.2026, 11.30 बजे तक
निविदा दस्तावेज की अधिक जानकारी/खरीद, पात्रता मानदंड और उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया सीनियर डीईई/जी/आर के कार्यालय से संपर्क करें या वेबसाईट पर **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें/डाउनलोड करें। इन निविदाओं के विरूध्द मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त सभी मैनुअल ऑफर को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
PR/R/Sr.DEE (RS&G)/AAA/367 — **सीनि.डी.ई.ई. (आरएस एंड जी) द.पू.मध्य रेलवे, रायपूर**
South East Central Railway @secrail



**उत्तर मध्य रेलवे**

**क्रमांकः- झाँसी/डब्ल्यू/टी/टेण्डर जनरल/53** — **दिनांकः 18.03.2026**
**ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

| | |
|---|---|
| **ई-निविदा सूचना संख्याः** झाँसी-इन्जी.-ई-2026-53, **कार्य का नामः** झाँसी डिवीज़नः- प्रोवीजन ऑफ यात्री शेड, वेटिंग हॉल, रिटायरिंग रूम, टिकट चेकिंग रूम एंड आरपीएफ रूम एट दरियागंज (डीएबायजी) स्टेशन। | |
| **अनुमानित लागत** : ₹ 1,85,88,491.00 | **अमानत राशिः** ₹ 3,71,800.00 |
| **निविदा बन्द होने की तिथिः** 13.04.2026 at 15:00 hrs. | |
| **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि** : 12 माह। | |

• निविदा दिनांक **13.04.2026** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखे। **615/26 (MG)**
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in



**उत्तर मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना संख्या CEN05GWL0126**
**ई-निविदा सूचना**

**उप मुख्य अभियंता (निर्माण) उत्तर मध्य रेलवे, ग्वालियर** भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु, ऑन लानइ **(E-Tendering)** के माध्यम से **(Single Packet)** खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदायें दिनांक **10.04.2026** को **15.00** बजे तक **website http://www.ireps.gov.in** पर ऑन लाइन जमा की जा सकती है। निविदा के विवरण निम्नानुसार है-

| |
|---|
| **क्र.सं.1. निविदा संख्या:** E-Tender Notice No. CEN05GWL0126 |
| **कार्य का नाम:** एडीईन ग्वालियर के अंतर्गत सबलगढ़ से बीरपूर खंड के मध्य ट्रैक (नई जी सी लाईन) का रखरखाव का कार्य। |
| **अनुमानित लागतः** ₹ **45,51,631.20, कार्य पूर्ण होने की अवधिः** 12 माह, **निविदा बंद होने का दिनांकः 10.04.2026, वैधता अवधिः** 60 दिन। |
| पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेबसाइट Website **http://www.ireps.gov.in** को देखें। **610/26 FA** |

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in



**उत्तर मध्य रेलवे**

**पत्र सं. No. JHS/Commercial/e-Auction/25/173** — **दिनांक: 19.03.2026**
**ई-नीलामी सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), झाँसी** द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती हैः-

**E-AUCTION FOR CONTRACT UNDER**

| | |
|---|---|
| **श्रेणी:** प्रचार | **केटलॉग संख्या:** JHS-FOOD VAN-49 |

**एसेट्स डिटेल्स:** **1.** Creation, operation and maintenance of FOOD VAN serving (24x7) in Ghosipura, Ghosipura-Motijheel Section, Milavali Railway Station & Betwa Club Tiraha Jhansi.

| | |
|---|---|
| **ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः 01.04.2026** at **11.00** hrs. | |
| **ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : 01.04.2026** at **12.00** hrs. | |
| **श्रेणी:** प्रचार | **केटलॉग संख्या:** JHS-NFR-MIX-50 |

**एसेट्स डिटेल्स:** **1.** Advertisement right through non-digital media under RDN policy on the rooftop of the running room (rest house) situated behind the yatri shed at Virangana Lakshmibai Jhansi railway station. **2.** Provision for installation of drinks vending machines at Talbahat railway station. **3.** Creation, operation and maintenance of food van (serving customers 24x7) at Maharaja Chhatrasal station Chhatarpur. **4.** Operate and maintain of battery-operated vehicles (bov) with advertisement at Banda Jn. **5.** Contract for setting up gaming zone cum passenger/public entertainment centre at Gole Ka Mandir, Gwalior. **6.** E-auction for to install and operate salon service Kiosk at Morar Gwalior. **7.** Contract for multi-functional activity in railway land in circulating area of Maharaja Chhatrasal station Chhatarpur.

| | |
|---|---|
| **ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः 06.04.2026** at **11.00** hrs. | |
| **ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समय : 06.04.2026** at **12.30** hrs. | |

**नोटः** उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के e-Auction module के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। **618/26 FA**
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in



**पश्चिम रेलवे**
**भंडार विभाग**
**पी-वे तथा अन्य विविध स्क्रैप हेतु अप्रैल 2026 के दौरान ई-नीलामी बिक्री**
**विशेष ध्यानार्थ : सभी स्टील क्रेता एवं रि-रोलर्स**

पी.वे स्क्रैप, रेल स्क्रैप तथा अन्य विविध स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार **अप्रैल 2026** में सार्वजनिक ई-नीलामी आयोजित की जायेगी :-

| 1ला राउंड | 2रा राउंड | डिपो/मंडल | प्रभारी अधिकारी | संपर्क क्र. |
|---|---|---|---|---|
| 06/04/2026 | 16/04/2026 | रतलाम | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक-आरटीएम | 07412230080 09752492750 |
| 06/04/2026 | 24/04/2026 | दाहोद | उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – डीएचडी | 02673241295 9724090455 |
| 07/04/2026 | 17/04/2026 | वडोदरा | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक-बीआरसी | 02652641592 09724091750 |
| 08/04/2026 | 23/04/2026 | अहमदाबाद | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – एडीआई | 07922205888 9724093750 |
| 09/04/2026 | 21/04/2026 | मुंबई सेंट्रल | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – एमएमसीटी | 022-23094142 004499006 |
| 09/04/2026 | 22/04/2026 | प्रतापनगर | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – बीआरसी | 02652641592 09724091750 |
| 10/04/2026 | 23/04/2026 | साबरमती | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – एसबीआई | 02812476943 9724094770 |
| 10/04/2026 | 24/04/2026 | राजकोट | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – आरजेटी | 02812476943 9724094770 |
| 16/04/2026 | 28/04/2026 | महालक्ष्मी | उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – एमएक्स | 022-24929571 09004495750 |
| 16/04/2026 | 28/04/2026 | पारडी | उप मुख्य सामग्री प्रबंधक – एमएक्स | 022-24929571 09004495750 |
| 17/04/2026 | 29/04/2026 | भावनगर | वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक – बीवीपी | 02782444360 09724097750 |

विस्तृत जानकारी हेतु कृपया संबंधित डिपो /मंडल अधिकारियों से संपर्क करें.
**टिप्पणी : 1)** रेलवे के पास ई-नीलामी से किसी भी लॉट को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित है. **2)** ई-नीलामी निर्धारित समय के अनुसार आरंभ होगी. **3)** ई-नीलामी पुस्तिका साइट www.ireps.gov.in ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध है. **4)** ई-नीलामी, डिजीटल हस्ताक्षर, पंजीकरण प्रक्रिया तथा सहभागिता के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिये कृपया उपरोक्त निर्दिष्ट डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें. **5)** सभी भुगतान लेनदेन ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के जरिये ही होने चाहिये.
**(क्र. एस/एसIII/नीलामी कार्यक्रम – 1/अप्रैल2026, दिनांक : 09.03.2026)** 1234
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly



**पश्चिम रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनों के फेरों का विस्तार**

| ट्रेन क्र. | से | तक | चलने के दिन | तक विस्तारित |
|---|---|---|---|---|
| 09207 | बांद्रा टर्मिनस | भावनगर टी. | शुक्रवार | 31.07.2026 |
| 09208 | भावनगर टी. | बांद्रा टर्मिनस | गुरुवार | 30.07.2026 |
| 09415 | बांद्रा टर्मिनस | गांधीधाम | गुरुवार | 30.07.2026 |
| 09416 | गांधीधाम | बांद्रा टर्मिनस | गुरुवार | 30.07.2026 |
| 09055 | बांद्रा टर्मिनस | उधना | सोम, मंगल, बुध, गुरु और रवि | 29.07.2026 |
| 09056 | उधना | बांद्रा टर्मिनस | सोम, मंगल, बुध, शनि और रवि | 29.07.2026 |
| 09035 | बांद्रा टर्मिनस | उधना | शुक्र, शनि | 31.07.2026 |
| 09036 | उधना | बांद्रा टर्मिनस | गुरु, शुक्र | 30.07.2026 |
| 09037 | बांद्रा टर्मिनस | भुज | गुरु, शनि | 30.07.2026 |
| 09038 | भुज | बांद्रा टर्मिनस | शुक्र, रवि | 31.07.2026 |
| 09009 | बांद्रा टर्मिनस | भुज | रविवार | 26.07.2026 |
| 09010 | भुज | बांद्रा टर्मिनस | सोमवार | 27.07.2026 |
| 09011 | बांद्रा टर्मिनस | भुज | मंगलवार | 28.07.2026 |
| 09012 | भुज | बांद्रा टर्मिनस | बुधवार | 29.07.2026 |
| 09017 | बांद्रा टर्मिनस | वेरावल | रविवार | 26.07.2026 |
| 09018 | वेरावल | बांद्रा टर्मिनस | सोमवार | 27.07.2026 |

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** देखें.

उपरोक्त सभी ट्रेनों के विस्तारित फेरों की बुकिंग **20.03.2026** से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगी. उपरोक्त ट्रेनें विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी.

**पश्चिम रेलवे**
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक और फॉलो करें
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

सभी आरक्षित टिकटों के लिए वैध पहचान पत्र साथ रखें.

## भारत को होर्मुज डॉक्ट्रिन की जरूरत!

जलडमरूमध्य वह संकीर्ण समुद्री मार्ग होता है जो दो बड़े समुद्रों या महासागरों को जोड़ता है और दो भूभागों महाद्वीप या द्वीपों के बीच स्थित होता है। यह समुद्री जहाजों के आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्राकृतिक मार्ग होता है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल चोकपॉइंट है जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यह उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान तथा यूएई के बीच स्थित है। यहाँ से वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 25 प्रतिशत और एलएनजी का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है जो इसे ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत सामरिक बनाता है। यह लगभग 104 मील लंबा है और अपने सबसे संकरे स्थान पर केवल लगभग 21–33 मील चौड़ा है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर और ईरान जैसे देशों से तेल और गैस इसी मार्ग से दुनिया भर में जाती है। इसलिए यह मार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था की चाबी माना जाता है। भारत अपनी गैस और तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत आज भी अपने आयातित कच्चे तेल का लगभग 35 से 50 प्रतिशत इसी रास्ते से आयात करता है, जबकि गैस के मामले में यह प्रतिशत 50 प्रतिशत से भी ऊपर चला जाता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि हमारा तेल और गैस का कुल आयात 85 प्रतिशत से भी अधिक है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि आज ऊर्जा के बिना कोई भी देश लगभग पंगु हो सकता है, क्योंकि उद्योगों से लेकर परिवहन तक अधिकांश गतिविधियाँ तेल और गैस पर निर्भर हैं। कल-कारखानों से लेकर लगभग सभी तरह के वाहन तेल से चलते हैं। भारत के अधिकांश घरों और रेस्टोरेंट में खाना गैस से बनता है। हवाई जहाज से लेकर समुद्री जहाज और कारें सब तेल पर निर्भर हैं। तेल के बिना देश के विकास की कल्पना करना कठिन है। ऐसे में यदि इतना महत्वपूर्ण संसाधन देश में उपलब्ध नहीं है और हम बाहरी स्रोतों पर निर्भर हैं तो अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियाँ कभी भी हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं। यदि किसी भी संसाधन या आपूर्ति पर हमारी निर्भरता 50 प्रतिशत से अधिक हो जाती है, तो वह हमारे लिए अत्यंत क्रिटिकल हो जाती है। ऐसे मामलों में उसकी विस्तृत जोखिम प्रोफाइलिंग की जाती है और उसे उच्चतम जोखिम श्रेणी में रखा जाता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि दूसरे देशों पर हमारा सीधा नियंत्रण नहीं होता। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि क्या भारत ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि हमारे लगभग 40 प्रतिशत तेल और 50 प्रतिशत से अधिक गैस की आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य से आती है अपने विदेश मंत्रालय, आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय में "होर्मुज डिप्लोमेसी" जैसा कोई रणनीतिक अध्याय बनाया है या नहीं। यदि हमारी निर्भरता इतनी अधिक है कि दो महीने तक यह मार्ग बाधित होने पर देश की अर्थव्यवस्था धीमी पड़ सकती है और तीन महीने तक रुकने पर आर्थिक गतिविधियाँ गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती हैं, तो क्या हमने "होर्मुज डॉक्ट्रिन" जैसा कोई रणनीतिक ढांचा तैयार किया है? यदि ऐसा कोई ढांचा पहले से मौजूद है, तो देश को इससे अवगत कराया जाना चाहिए, ताकि अनावश्यक चिंता या अफरातफरी न फैले। और यदि ऐसा कोई ढांचा नहीं है, तो इस विषय को संसद और देश के सामने लाकर अब कम से कम ऐसी नीति तैयार की जानी चाहिए। तेल और गैस के मामले में होर्मुज पर हमारी निर्भरता और रक्षा क्षेत्र में इज़राइल पर हमारी निर्भरता दोनों ने भारत को एक जटिल रणनीतिक स्थिति में ला खड़ा किया है। ऊर्जा और रक्षा दोनों ही भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं और इनके बीच संतुलन बनाए रखना हमारे लिए आवश्यक है। भारत के सामने आज एक प्रकार का धर्मसंकट है। एक ओर ईरान है, जिसके साथ भारत के संबंध प्राचीन सभ्यताओं के दौर से जुड़े रहे हैं। जब हमारी भूमि सिंधु घाटी सभ्यता के नाम से जानी जाती थी और वहाँ मेसोपोटामिया सभ्यता थी, तब से दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। आज भी ईरान भारत के लिए ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। कई मामलों में उसने हमें तेल के भुगतान में लचीलापन, परिवहन और बीमा में रियायतें भी दीं। कश्मीर जैसे मुद्दों पर भी कई बार उसका रुख भारत के लिए लाभकारी रहा है। इसके अतिरिक्त चाबहार पोर्ट परियोजना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जो हमें पश्चिम एशिया, मध्य एशिया और क्षेत्रीय भू-राजनीति में एक मजबूत स्थिति देता है। दूसरी ओर इज़राइल भी भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। रक्षा और तकनीकी सहयोग के मामले में इज़राइल ने कई अवसरों पर भारत का साथ दिया है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों से लेकर कई अन्य सुरक्षा परिस्थितियों में इज़राइल भारत के साथ खड़ा रहा है। समस्या यह है कि हमारे दोनों महत्वपूर्ण साझेदार आज आपस में टकराव की स्थिति में हैं जबकि भारत के हित दोनों से जुड़े हुए हैं। हम इज़राइल से संबंध खराब नहीं कर सकते, क्योंकि उससे हमारी रक्षा क्षमताएँ प्रभावित हो सकती हैं। वहीं ईरान से दूरी हमारी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों को नुकसान पहुँचा सकती है। हालाँकि इस पूरी परिस्थिति में एक बिंदु भी दिखाई देती है। युद्ध शुरू होने से कुछ समय पहले भारत के प्रधानमंत्री की इज़राइल यात्रा की योजना बनी। जिसने भी इस यात्रा की रणनीतिक योजना बनाई, उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि बदलते भू-राजनीतिक हालात में भारत की तटस्थता प्रभावित न हो। ऐसे कदमों का अंतरराष्ट्रीय संदेश भी महत्वपूर्ण होता है। इसके बावजूद मेरा मानना है कि इस जटिल परिस्थिति में भारत ने जो संतुलित रुख अपनाया है, वह उपलब्ध विकल्पों में एक व्यावहारिक और विवेकपूर्ण निर्णय है। ऐसे समय में भारत को तटस्थ रहते हुए दोनों पक्षों से शांति की अपील करनी चाहिए। हम वही संदेश दोहरा सकते हैं जो यूक्रेन संकट के दौरान दिया गया था कि यह युद्ध का नहीं, बल्कि बुद्ध के संदेशों का समय है। साथ ही, पर्दे के पीछे कूटनीतिक प्रयासों और मानवीय सहायता के माध्यम से संघर्ष को रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय, आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और वित्त मंत्रालय को मिलकर "होर्मुज डॉक्ट्रिन" जैसे एक स्पष्ट रणनीतिक ढांचे का निर्माण करना चाहिए।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

*इफ्तारी भी गजब है, ढूंढ़े पग-पग चांस*
*गंगा जी में खाइके,फेंकें हड्डी-मांस*
*फेंकें हड्डी-मांस, धर्म ही है शैतानी*
*ऐसा तो श्रीमान, न करते हिंदुस्तानी*
*कह सुरेश कविराय नाशिनी पाप हमारी*
*गंगा मैली किए, सुअर करके इफ्तारी*

# अमेरिका-ईरान युद्ध से तेल-गैस संकट गहराया

> ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए नाटो से सहयोग मांगा क्योंकि ईरान ने इसे अमेरिका-इज़राइल संघर्ष के बीच बंद कर दिया, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% हिस्सा प्रभावित हो गया। इसका मुख्य कारण यह है कि अमेरिका को इस रास्ते से केवल 1% तेल मिलता है, जबकि चीन (90%), भारत (85%) यूरोप और अन्य देश इसी रास्ते पर भारी रूप से निर्भर हैं। उन्होंने सात देशों से बात की, लेकिन सहयोग न मिलने पर नाटो को चेतावनी दी कि मदद न करने पर गठबंधन का भविष्य "बहुत बुरा" होगा।

पश्चिमी एशिया के लिए अभिशाप साबित हो रहे ईरान-इजरायल युद्ध, कोई साधारण युद्ध नहीं बल्कि एक प्रकार का सभ्यता-संस्कृति संघर्ष है, जिसके बीज इतिहास में ही जमे हुए हैं। एक ओर जहां यह युद्ध इजरायल के लिए उसके अस्तित्व के रक्षा की लड़ाई है, वहीं दूसरी ओर यह युद्ध ईरान के लिए ईसाई मुल्कों के कथित लोकतांत्रिक-आर्थिक दांवपेंचों से ईरान को महफूज रखकर अरब-खाड़ी देशों में एक मजबूत इस्लामिक साम्राज्य स्थापित करने की मनःसंकल्पित सोच-समझ और ईरान से वैश्विक इस्लामिक साम्राज्यवाद का दबदबा बढ़ाने के लक्ष्य को केंद्र में रखकर लड़ी जा रही है, जो आगे भी बदस्तूर जारी रह सकती, क्योंकि ईरानी धार्मिक शासन व संगठन का एकमात्र ध्येय यही है। वहीं, पश्चिम एशिया और मध्य-पूर्व के अकूत तेल व गैस भंडार पर जिस तरह से अमेरिकी-यूरोपीय गठबंधन वर्चस्व कायम है, और अपने अपने हितों को लेकर उनके बीच भी अंतर्विरोध उपज चुका है, वह अप्रत्याशित है। जबकि मध्यपूर्व में अमेरिकी वर्चस्व तोड़ने के लिए रूसी-चीनी नेतृत्व भी आमादा प्रतीत हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत चल रहे दांवपेंचों से इस्लामिक मुल्क लगभग दो या चार फाड़ हो चुके हैं। सच कहूं तो शिया-सुन्नी इस्लामिक विभाजन इसकी जड़ में है, लेकिन सुन्नी बहुल सऊदी अरब, शिया बहुल ईरान, हिन्दू विरोधी पाकिस्तान और मुसलमानों का खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्किये के आपसी दांवपेंच किसी से छिपे हुए नहीं हैं। इसके बावजूद, 56 इस्लामिक देशों को मिलाकर गठित ओआईसी और उसके इस्लामिक नाटो बनाने का वैश्विक लक्ष्य, यहूदियों के एकमात्र छोटे से मुल्क इजराइल को समाप्त करने पर तुले हुए ईरान की सनक से गहराते फिलिस्तीन-गाजा विवाद और भारतीय हिंदुओं के खिलाफ पाकिस्तान परस्त ओआईसी के अंतर्राष्ट्रीय दांवपेंचों ने जब हिंसक और आतंकवाद परस्त इस्लामिक दुनिया को मौजूदा क्रूर संघर्ष के मुकाम तक पहुंचा दिया तो जिधर देखें उधर तबाही और बर्बाद होने के अलावा अन्य कोई दूसरा रास्ता नजर नहीं आता। वैचारिक सवाल है कि जब हर हिंसक सोच का त्रासदीपूर्ण अंत होना नैसर्गिक प्रक्रिया के मुताबिक तय है तो फिर ईरान और अमेरिका इसी रक्तिम राह पर अग्रसर क्यों हैं? और यदि वो ऐसे ही हैं तो इससे शेष दुनिया आश्चर्यचकित क्यों है? शायद इसलिए कि उनके तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हो चुकी है, और अबतक सारा शांतिपूर्वक तमाशा देखने वाला खेल लगभग बिगड़ चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ के वैश्विक दायित्व पर सवालिया निशान तो बहुत पहले ही लग चुके हैं, लेकिन पीस बोर्ड ऑफ गाजा क्या कर रहा है? उधर, अमेरिकी-यूरोपीय देशों को बैलेंस रखने वाले रूस-चीन-उत्तरकोरिया गठजोड़ और अमेरिका को छोड़कर वीटो शक्ति प्राप्त अन्य चार देश क्या कर रहे हैं? दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का पाठ पढ़ाने वाला भारत और उसका ग्लोबल साउथ चुप्पी क्यों साधे बैठें हैं? कथित ओआईसी ईरान को मरता-पिछड़ता देखकर बेचैन क्यों नहीं हो रहा है? अब्राहम परिवार के भागीदार देशों के मुंह पर पट्टी क्यों बंधी हुई है? यदि कुछ देशों को परमाणु बम रखने और लंबी दूरी वाली मिसाइल बनाने का हक है तो फिर वही हक ईरान को देने में किसको परेशानी हुई है? सुलगता सवाल है कि क्या ईरान को परमाणु बम बनाने का हक नहीं है, जबकि सिर्फ पाकिस्तान को यही हक अमेरिकी अगुवाई में प्राप्त है? क्या ईरान को लंबी दूरी की मिसाइल बनाने का हक नहीं है, और सिर्फ पाकिस्तान को अमेरिकी-चीनी सरपरस्ती में प्राप्त है? आखिर ऐसी ओछी दलीलों के पीछे अमेरिकी खलनीति तो साफ नजर आती है, क्योंकि इन्हीं सतही वजहों के सहारे ईरान पर हमले किए गए। न केवल ईरानी सुप्रीम लीडर और उनके चहेतों को मार गिराया गया, बल्कि उच्च पदस्थ लोगों के खात्मे का सिलसिलेवार अभियान इजरायल द्वारा जारी है! फिर भी ईरान ने जो अपनी रणनीतिक ताकत दिखाई, संगठनात्मक क्षमता प्रदर्शित किया, उससे ईरान विरोधी देश दंग हैं और यूरोपीय नाटो देश भयभीत! शायद इसलिए भी अब वो अमेरिका के साथ पूरी तरह से खड़े दिखाई देना नहीं चाहते हैं। ईरान अपने ही सहोदर अरब-खाड़ी व मध्यपूर्व के देशों की जो कुटाई कर रहा है, उसकी कल्पना भी कभी ओआईसी ने नहीं की होगी! इन तमाम रक्तिम रंजिशों के पीछे समझदारी की भावना है या ईर्ष्या का भाव, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन उससे पहले ईरान क्या करेगा? अमेरिका इजरायल परस्त अपने पड़ोसियों को कितना बर्बाद कर पाएगा, यह वक्त बताएगा। सवाल यह भी है कि जब इस्लामिक नाटो बनाने के सपने संजोए जा रहे हैं, पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भारत विरोध के नाम पर इजरायल विरोध तक पर तुले हुए हैं, उसके दृष्टिगत इजरायल का आक्रामक होना लाजिमी है। इस लंबे खिंचते जा रहे युद्ध से बचने के लिए दुनिया के थानेदार अमेरिका ने पूरी कोशिश की, लेकिन जिस तरह से पश्चिमी एशिया में ईरान अपनी मनमानी पर तुला हुआ है, उसे रूस-चीन-उत्तरकोरिया और कुछ हदतक भारत का समर्थन हासिल है, उसके दृष्टिगत इजरायल की रक्षा करने का कर्तव्य अमेरिका का तो बनता ही है, क्योंकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ यहूदी कौम ही है। वो भी तब जबकि पश्चिमी एशिया के सुन्नी मुस्लिम देश भी शिया मुस्लिम मुल्क ईरान को कमजोर रखने को लालायित हों। यही वजह है कि अमेरिकी आक्रामकता, इजरायली वीरता, भारतीय तटस्थता और रूस-चीन की किंकर्तव्यविमूढ़ता जहां ईरान की फजीहत करवा रही हैं, वहीं शेष दुनिया में तेल-गैस के लाले पड़े हुए हैं। इससे इनके दाम आसमान छू रहे हैं। इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा पर अमेरिकी प्रस्ताव से इतर नाटो में उभरे मतभेद अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच रणनीतिक दृष्टिकोण के गहरे अंतर को दर्शाने को काफी हैं। इससे तेल-गैस के संकट गहराने और महंगाई बढ़ने के आसार प्रबल हैं। इस स्थिति से बचने हेतु अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सदस्यों से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए युद्धपोत भेजने की मांग की है, लेकिन यूके और जर्मनी जैसे देशों ने इसे नाटो का मामला मानने से इनकार कर दिया। इस मतभेद के कई कारण हैं। उल्लेखनीय है कि ईरान-अमेरिका-इज़राइल संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% हिस्सा ले जाता है। इससे विफरते हुए ट्रंप ने चेतावनी दी कि सहयोगी मदद न करने पर नाटो का भविष्य 'बहुत बुरा' होगा।

■ कमलेश पांडेय

# कांग्रेस से मोह भंग और भाजपा से यारी

भारत के उत्तर-पूर्व में अपने विशाल चाय बागानों, काजीरंगा अभ्यारण्य, ब्रह्मपुत्र नदी, बिहू नृत्य और कामाख्या मंदिर के लिए देश और दुनियां में चर्चित असम में विधानसभा चुनावों की तारीख का ऐलान हो गया है। देश के इस पूर्वोत्तर प्रदेश की 126 विधानसभा सीटों पर एक चरण में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे। विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आते ही राज्य में तेज हुई सियासी हलचल के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नगांव से दूसरी बार सांसद प्रद्युत बोरदोलोई और असम प्रदेश कमेटी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे को लेकर नवज्योति तालुकदार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में पार्टी की कार्यप्रणाली से लंबे समय से चली आ रही असंतुष्टि और अपनी बार-बार शिकायतों के बाद भी कोई समाधान नहीं मिलने का हवाला दिया है। जबकि नवज्योति से एक कदम आगे जाते हुए नौगांव से सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने भाजपा का दामन थाम लिया है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी के कामकाज को लेकर विपक्षी दलों के साथ-साथ कांग्रेसी नेताओं ने भी सवाल उठाए हैं। इससे पहले भी कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता गांधी परिवार के पार्टी पर कथित "कब्जा" जमाने और उनको साइड लाइन किए जाने की बात कहते हुए पार्टी छोड़कर जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर के कददावर कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के कई दशकों पहले शुरू हुए कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला आज भी जारी है। कांग्रेस में अपनी बात नहीं कह पाने तथा राहुल गांधी के कुछ चाहते नेताओं द्वारा कामकाज में दखल देने के आरोप लगाते हुए असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन बोरा हाल ही में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। इससे पूर्व असम के ही बड़े नेता हिमंता विश्व शर्मा भी कांग्रेस छोड़कर न केवल भाजपा में शामिल हो गए थे, बल्कि आज भाजपा के लोकप्रिय मुख्यमंत्री में शुमार हैं। इसके अलावा भी पिछले सालों में कांग्रेस के कई बड़े नेता पार्टी छोड़ कर दूसरे दलों का दामन थाम चुके हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले सभी नेताओं ने पार्टी नेतृत्व पर सवाल खडे.किए हैं। इन सवालों की जड़ में कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी से लेकर उनके खास करीब एक दर्जन चाटुकार कांग्रेस नेता भी शामिल है। बीते करीब दस साल में नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद कई कांग्रेसी नेताओं ने "हाथ का साथ" छोड़ कर कोई भाजपा में शामिल हुआ तो किसी ने अपनी ही पार्टी बना ली है। इनमें महाराष्ट्र में कांग्रेस का एक बड़ा नाम मिलिंद देवड़ा भी शामिल है। देवड़ा परिवार बीते करीब छह दशक से कांग्रेस के साथ रहा। यही नहीं, मिलिंद देवडा मनमोहन सरकार में केंद्र के मंत्री भी रह चुके हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सीएम आजाद ने साल 2022 में पार्टी से इस्तीफा दिया था और जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी बना ली थी। गुजरात के युवा नेता हार्दिक पटेल ने भी वर्ष 2022 में इस्तीफा दिया तथा फिर भाजपा में शामिल हो गए। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार ने फरवरी 2022 में कांग्रेस से इस्तीफा दिया था। कुमार भी कांग्रेस की सरकार में कानून मंत्री रहे थे। पंजाब कांग्रेस के चीफ रहे सुनील जाखड भी मई 2022 में भाजपा में शामिल हुए और जुलाई में उन्हें बीजेपी पंजाब इकाई के प्रमुख बन गए। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में सबसे ज्यादा चर्चा ज्योतिरादित्य सिंधिया की हुई। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी की युवा टीम का अहम हिस्सा माने जाने वाले सिंधिया करीब छह साल पहले वर्ष 2020 में कांग्रेस से बगावत कर भाजपा में शामिल हुए थे। सिंधिया की बगावत के बाद मध्यप्रदेश में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार गिर गई थी। भाजपा में बतौर इनाम पाने वाले सिंधिया अब केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री हैं। इसके साथ ही आने वाले समय में मध्यप्रदेश की राजनीति में उनकी अहम भूमिका मानी जा रही है। राहुल कैबिनेट के एक और युवा चेहरे जितिन प्रसाद भी मनमोहन सरकार में केंद्रीय मंत्री रहे। वे भी वर्ष 2021 में कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। गुजरात के कांग्रेस नेता अल्पेश ठाकोर ने वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़ी थी। कांग्रेस पार्टी में रहते हुए अल्पेश ने राज्यसभा में क्रोस वोटिंग की तथा फिर भाजपा में शामिल हुए। अभी अल्पेश गांधीनगर दक्षिण से जीत विधायक हैं। डेढ़ सौ साल पुरानी पार्टी कांग्रेस को छोड़ने वाले नेताओं में एक चर्चित नाम पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का भी है। पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह ने वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़ी। फिर अपनी पार्टी बनाई और एक साल के भीतर भाजपा में शामिल हो गए। महाराष्ट्र की तेज तर्रार कांगेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने पार्टी की प्रवक्ता रहते हुए वर्ष 2019 में कांग्रेस छोड़ी। अब शिवसेना से राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही हरियाणा के काद्यावर नेता और कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य रहे कुलदीप बिश्नोई ने साल 2022 में कांग्रेस का साथ छोड़ा और भाजपा में चले गए। इसके साथ ही महाराष्ट्र के सीएम रहे नारायण राणे सहित दर्जनों कांग्रेसी नेता बीते एक दशक में कांग्रेस पार्टी से अपना नाता तोड़ चुके हैं। इससे पहले जयवीर शेरगिल, शहजाद पूनावाला, रीता बहुगुणा जोशी, गौरव वल्लभ एवं राधिका खेड़ा जैसे कई और नाम भी है, जो कांग्रेस का दामन छोड़कर अब दूसरे दलों में प्रमुखता से अपनी पार्टी ओर राष्ट्रहित के मुद्दे उठा रहे हैं।

■ प्रदीप कुमार वर्मा

## आस्था का संगमःभद्रकाली मेला

राजस्थान अपनी समृद्ध स्थापत्य कला, ऐतिहासिक धरोहरों और रंग-बिरंगी लोक संस्कृति के लिए पूरे देश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां के किले, मंदिर, हवेलियां और लोक परंपराएं जितनी प्रसिद्ध हैं, उतना ही महत्व यहां लगने वाले मेलों का भी है। राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वर्ष भर अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक मेले आयोजित होते हैं जो केवल आस्था के केंद्र ही नहीं बल्कि सामाजिक जीवन और लोक संस्कृति के जीवंत उत्सव भी होते हैं। इन्हीं मेलों में हनुमानगढ़ जिले में लगने वाला भद्रकाली मेला विशेष महत्व रखता है। हनुमानगढ़ जिले में मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर क्षेत्र की लोक आस्था का केंद्र है। नवरात्रों में यहां लगने वाला मेला सवा सौ साल से अधिक पुरानी परंपरा का जीवंत प्रतीक है जिसमें हर वर्ष हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। हनुमानगढ़ टाउन से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित मां भद्रकाली का ऐतिहासिक मंदिर इस मेले का मुख्य केंद्र है। यहां नवरात्रों के दौरान मेला भरता है। वैसे तो नवरात्रा स्थापना के साथ ही मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन आरंभ हो जाता है लेकिन चैत्र सुदी अष्टमी और नवमी को दो दिनों के विशाल मेला में तो हजारों लोग उमड़ते हैं । लोकशक्ति की प्रतीक मां भद्रकाली के दर्शन के लिए वैसे तो पूरे वर्ष श्रद्धालु यहां आते रहते हैं लेकिन इन विशेष तिथियों पर श्रद्धालुओं की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। आसपास के गांवों और कस्बों के अलावा पड़ोसी राज्यों पंजाब और हरियाणा से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले के दौरान आम दिनों में शांत और वीरान रहने वाला यह क्षेत्र चहल-पहल से भर उठता है। बड़ी संख्या में सजी दुकानों, खिलौनों और घरेलू वस्तुओं की बिक्री करने वाले फेरीवालों, बच्चों के झूलों और रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोगों की भीड़ इस स्थान को एक बड़े उत्सव स्थल में बदल देती है। हर ओर 'मां भद्रकाली की जय' और 'काली माता की जय' के जयकारे गूंजते रहते हैं। लंबी कतारों में जुटे श्रद्धालु घंटों खड़े रहकर मंदिर तक पहुंचते हैं, जहां वह अपनी मनोकामनाएं लेकर माता के चरणों में माथा टेकते हैं। लोक मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी गई मुराद अवश्य पूरी होती है। भद्रकाली का यह मेला सवा सौ वर्ष से भी अधिक समय से लगातार आयोजित होता आ रहा है। समय के साथ इसकी लोकप्रियता और श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही है। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि क्षेत्र की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। मेले में आने वाले लोगों के लिए यह आस्था के साथ-साथ मेलजोल और आनंद का अवसर भी होता है। मंदिर की स्थापना को लेकर भी कई जन श्रुतियां प्रचलित हैं। माना जाता है कि यह मंदिर मुगल सम्राट अकबर के समय का है और इसकी स्थापना बीकानेर रियासत के छठे महाराजा राम सिंह ने करवाई थी। मंदिर की स्थापत्य शैली भी इसे विशिष्ट बनाती है। इसकी बनावट अन्य काली मंदिरों से अलग दिखाई देती है। मंदिर का गुंबद मस्जिद की शैली में बना हुआ है, जो इसे एक अनोखा स्थापत्य स्वरूप प्रदान करता है और उस दौर की सांस्कृतिक विविधता की झलक भी दिखाता है। मंदिर की स्थापना से जुड़ी एक रोचक जनश्रुति प्रचलित है। कहा जाता है कि एक बार सम्राट अकबर बीकानेर के महाराजा रामसिंह के साथ इस क्षेत्र से गुजर रहे थे। उस समय यहां घना जंगल था।

■ अमरपाल सिंह वर्मा

आज का कार्टून | साभार

विश्व खुशी दिवस विशेष

# सुख की दुकान में 'खुशी' की तलाश

हर साल 20 मार्च को 'विश्व प्रसन्नता दिवस' (International Day of Happiness) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिन कैलेंडर के पन्नों पर एक रस्म बनकर रह गया है लेकिन आज जब हम अपने चारों ओर देखते हैं तो एक यक्ष प्रश्न खड़ा होता है - क्या हम वास्तव में खुश हैं? या हम केवल खुश दिखने का अभिनय कर रहे हैं? ऊँची अट्टालिकाएँ, चमचमाती गाड़ियाँ और हाथ में दुनिया भर की सूचनाओं को समेटे स्मार्टफोन्स! भौतिक विकास के इस शिखर पर खड़े होने के बावजूद इंसान के चेहरे से वह सहज मुस्कान गायब है, जो कभी नीम के पेड़ के नीचे बैठे बुजुर्गों या गलियों में धूल फाँकते बच्चों के पास हुआ करती थी। आज की सबसे बड़ी विडंबना 'डिजिटल खुशी' है। हम अपनी जिंदगी जीने से ज्यादा उसे 'पोस्ट' करने में व्यस्त हैं। रेस्तरां में खाना आने पर हम स्वाद बाद में लेते हैं, पहले उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। विडंबना देखिए, लोग अपनी तस्वीरों को 'फिल्टर' लगाकर सुंदर बना रहे हैं, जबकि असल जिंदगी में तनाव की झुर्रियां गहराती जा रही हैं। हम दूसरों की 'रंगीन' फीड देखकर अपनी 'साधारण' जिंदगी की तुलना करने लगते हैं। यह तुलना ही तनाव की जननी है। हम यह भूल जाते हैं कि स्क्रीन पर दिखने वाली वह 'परफेक्ट' दुनिया महज एक चुनिंदा पल है, पूरी सच्चाई नहीं। दूसरों की नकली खुशी को मानक मानकर हम अपनी असली शांति की बलि चढ़ा रहे हैं। इंसान ने कंक्रीट के जंगल तो बना लिए, लेकिन वह उस माटी की महक भूल गया जहाँ से उसका अस्तित्व शुरू हुआ था। ब्रह्मांड की हर इकाई - चाहे वह चहचहाती चिड़िया हो, बहती नदी हो या खिलता हुआ फूल। हर कोई अपनी प्रकृति में आनंदित है। सूरज बिना थके रोशनी देता है और खुश रहता है, पेड़ फल देकर निहाल रहता है। केवल इंसान ही है जो प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने के बजाय उसे जीतने की कोशिश में खुद को अकेला कर चुका है। जब हम नंगे पैर घास पर चलना छोड़ देते हैं, जब हम उगते सूरज को देखने के बजाय अलार्म की आवाज पर झुंझलाते हैं, तो समझ लीजिए कि हमने खुशी का एक बड़ा द्वार खुद ही बंद कर लिया है। हम एक ऐसी अंधी दौड़ में शामिल हैं जहाँ 'बड़ा' होना ही सफलता का पर्याय बन गया है। हम सोचते हैं कि जब बड़ा घर होगा, बड़ी पदवी होगी या बैंक बैलेंस करोड़ों में होगा, तब हम खुश होंगे। इस 'कल' की तलाश में हम अपना 'आज' मार रहे हैं। खुशी कोई मंजिल नहीं है जिसे आप एक दिन पहुंच कर हासिल कर लेंगे; यह तो रास्ते में मिलने वाले छोटे-छोटे पत्थर हैं जो चमकते हैं। घर की चाय की चुस्की में, बच्चों की तुतलाहट में, किसी पुराने दोस्त के अचानक आए फोन में या बारिश की पहली बूंदों में जो आनंद है, वह किसी बड़े प्रमोशन की फाइल में नहीं मिलेगा। जो छोटी खुशियों को सहेज नहीं सकता, वह बड़ी खुशियों को कभी संभाल नहीं पाएगा। भारतीय दर्शन कहता है कि यह शरीर और यह संसार नश्वर है। जिसे हम अपना कह रहे हैं, वह एक दिन मुट्ठी से रेत की तरह फिसल जाएगा। यदि हम इस सत्य को आत्मसात कर लें कि हमारी जीवन अवधि क्षणिक है तो हम नफरत, ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा के लिए समय ही नहीं निकाल पाएंगे। हर पल को इस तरह जीना चाहिए जैसे वह अंतिम हो। जब आप यह जान लेते हैं कि कल का भरोसा नहीं, तो आप आज को पूरी शिद्दत से खुशियों के नाम कर देते हैं। खुद खुश रहना केवल आपकी जरूरत नहीं, बल्कि समाज के प्रति आपकी जिम्मेदारी है, क्योंकि एक दुखी व्यक्ति केवल दुख ही बांट सकता है। तुलना करना बंद कीजिए। आपके पास जो है, वह दुनिया के लाखों लोगों के लिए एक सपना है। बिना तुलना किए जब हम उस परम सत्ता का आभार व्यक्त करते हैं, तो मन में संतोष का भाव पैदा होता है। 'जो है, वह पर्याप्त है' - यह सोच ही इंसान को मानसिक गुलामी से मुक्त करती है। भौतिक विकास शरीर को सुख दे सकता है, लेकिन आत्मा की तृप्ति केवल 'संतुष्टि' से आती है। खुशी खरीदी नहीं जा सकती, लेकिन यह कमाई जरूर जा सकती है। अपने कार्यस्थल को केवल 'बोझ' न समझें। यदि आप अपने काम को ईश्वर की सेवा मानकर खुशी-खुशी करेंगे, तो थकान भी उत्सव बन जाएगी। उसी तरह, अपने घर-परिवार के रिश्तों में समय का निवेश करें। संवाद की कमी रिश्तों को खोखला कर रही है। अपनों के साथ बैठकर बात करना, उनके दुख-सुख को सुनना ही वह निवेश है जिसका लाभांश 'खुशी' के रूप में मिलता है।

■ उमेश कुमार साहू

दुलारचंद हत्याकांड

# मोकामा विधायक अनंत सिंह को मिली जमानत

महानगर नेटवर्क

**पटना**

बिहार में दुलारचंद हत्याकांड में जेडीयू नेता अनंत कुमार सिंह को पटना हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। वो आज जेल से बाहर आ सकते हैं। इस बार के विधान सभा चुनाव में भी अनंत सिंह को मोकामा से जीत मिली थी। वो फिलहाल, मोकामा से विधायक हैं। बिहार चुनाव के दौरान जन सुराज पार्टी नेता दुलार चंद यादव की हत्या कर दी गई थी। अनंत सिंह को 2025 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले दुलारचंद यादव (प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के एक समर्थक) की हत्या के आरोप में जेल भेजा गया था। पटना सिविल कोर्ट में MP-MLA कोर्ट ने विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्याकांड के मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने जमानत की अपील खारिज करने की वजह को आरोपों की गंभीरता बताया था।

### चुनावी राजनीति से लिया सन्यास

जमानत के पहले मोकामा के बाहुबली अनंत सिंह ने 16 मार्च को चुनावी राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब उनके बेटों के चुनाव लड़ने का समय आ गया है। राज्यसभा चुनाव के लिए उन्होंने अपना वोट डाला था। अनंत सिंह बेउर मॉडल जेल से वोट डालने के लिए विधानसभा पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि चूंकि नीतीश कुमार अब बिहार में नहीं रहेंगे, इसलिए मैं भी चुनाव लड़ने से दूर रहूंगा।

### पद को लेकर नीतीश पर छोड़ी जिम्मेदारी

अनंत सिंह के दो जुड़वां बेटे हैं। इनका नाम अंकित सिंह और अभिषेक सिंह है। यह देखना होगा कि JD(U) नेता उन्हें चुनावी राजनीति में कैसे उतारेंगे। 2025 के चुनावों से पहले, उनकी पत्नी नीलम देवी मोकामा से विधायक चुनी गई थीं। जब उनसे पूछा गया कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, तो सिंह ने जवाब दिया कि नीतीश ही यह तय करेंगे कि उनके पद छोड़ने के बाद यह पद कौन संभालेगा।

**6 बार से विधायक हैं अनंत सिंह**

MP-MLA कोर्ट ने सिंह को राज्यसभा चुनाव में वोट डालने की इजाजत दी थी। अनंत सिंह ने लगातार 6 बार मोकामा सीट से जीत हासिल की है। उन्होंने पहली बार फरवरी 2005 में और उसके बाद उसी साल अक्टूबर में जीत हासिल की थी।

# लालू-राबड़ी को कोर्ट से झटका

### दस्तावेज सौंपे जाने की मांग खारिज

**पटना।** देश के चर्चित लैंड फॉर जॉब घोटाला केस में राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी को अदालत से झटका लगा है। इस केस में लालू यादव और राबड़ी देवी की तरफ से कुछ दस्तावेज सौंपे जाने की मांग की गई थी। लेकिन दिल्ली की एक अदालत ने ना सिर्फ लालू प्रसाद यादव की याचिक को खारिज कर दिया बल्कि यह भी कहा कि यह ट्रायल में देरी करने का बहाना है। दिल्ली की अदालत ने कथित रूप से 'जमीन लेकर नौकरी देने' के मामले के अपनी दलीलें तैयार करने के लिए 1,600 से अधिक 'अनरिलायड' दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध करने वाली पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की याचिकाएं खारिज कर दीं। 'अनरिलायड' दस्तावेज वे सामग्री होती हैं जिन्हें जांच एजेंसियां जब्त तो करती हैं लेकिन अभियोजन पक्ष की शिकायत में उन पर भरोसा नहीं करतीं। इन्हें अविश्वसनीय दस्वाजे की श्रेणी में रखा जाता है। अदालत ने कहा कि इन याचिकाओं का उद्देश्य ''मुकदमे

को शुरुआत में ही पेचीदगियों की भूलभुलैया में धकेलना'' है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि इन दस्तावेजों को एकमुश्त उपलब्ध कराना न केवल ''उलटी गंगा बहाने'' जैसा होगा, बल्कि यह न्यायिक प्रक्रिया को भी ''पूरी तरह अव्यवस्थित'' कर देगा। उन्होंने दो अन्य आरोपियों- लालू प्रसाद के निजी सचिव (पीएस) आर के महाजन और रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक महीप कपूर की याचिकाएं भी खारिज की दीं। महाजन ने एक 'अनरिलायड' दस्तावेज और कपूर ने ऐसे 23 दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने का अनुरोध किया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अनुसार, यह मामला 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद के रेल मंत्री रहने के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में भारतीय रेल के पश्चिम मध्य जोन में चतुर्थ श्रेणी की नियुक्तियों से जुड़ा है।

# मुंगेर को सीएम नीतीश ने दिया 119 करोड़ का गिफ्ट

### 2005 से पहले की सरकार पर बोला हमला

**मुंगेर।** सीएम नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा को लेकर कई जिलों में पहुंच रहे हैं। इस बीच गुरुवार को वे मुंगेर जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने 119 करोड़ के योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। यहां उन्होंने जीविका दीदियों की ओर से लगाए स्टॉल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान लालू-राबड़ी शासनकाल पर हमला भी बोला।

### लालू-राबड़ी शासनकाल पर साधा निशाना

मुंगेर में सीएम नीतीश ने कहा, 2005 से पहले वाली सरकार (लालू-रबड़ी शासनकाल) ने कोई काम नहीं किया। लोग पहले शाम होने के बाद घर से निकलते नहीं थे। लेकिन जब हमारी सरकार आई तो हम लोगों ने सब कुछ बदला। अब बिहार में कानून का राज है। पहले स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क इन सभी व्यवस्थाओं का बुरा हाल था। वो लोग किसी के लिए कुछ नहीं करते थे। लेकिन हम लोगों के आने के बाद तेजी से विकास हुआ।

### एक बार फिर सम्राट चौधरी के कंधे पर रखा हाथ

मुंगेर में यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखा। जनसंवाद कार्यक्रम में सम्राट चौधरी अपना भाषण देने के बाद अपनी सीट पर बैठने लगे। इस दौरान उन्होंने सीएम नीतीश कुमार को नमस्कार किया, जिसके बाद नीतीश कुमार ने उनके कंधे पर हाथ रखा। इन तस्वीरों के सामने आने से कई तरह की चर्चा जोरों पर है।

### सम्राट चौधरी को लेकर जेडीयू नेता ने क्या कहा था?

जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार से समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जनता के सामने उन्हें आने वाले मुख्यमंत्री के तौर पर पेश किए जाने को लेकर सवाल किया गया था। इस पर उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर यह बात देखा जा रहा है कि नीतीश कुमार उन्हें जनता के सामने आशीर्वाद दे रहे हैं तो कहीं ना कहीं उनके प्रति उनका स्नेह दिखाई दे रहा है। लेकिन आगे क्या होगा, मुख्यमंत्री कौन बनेंगे, यह तो बाद में ही पता चल पाएगा।

# नालंदा में रफ्तार का कहर, दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

**नालंदा।** नालंदा में एक कार गड्ढे में गिर गई जिसमें दो इंजीनियरिंग के छात्रों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना चंडी थाना क्षेत्र के सालेहपुर मोड़ और गौढ़ापर के बीच की है। भीषण सड़क हादसे में कार बुरी तरस से डैमेज हो गयी। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। इस दर्दनाक दुर्घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान नालंदा इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र आशीष कुमार और राहुल कुमार के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में घायल छात्रों में धीरज कश्यप, उत्सव सिंह और शशिकांत शामिल हैं, जिन्हें गंभीर अवस्था में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी छात्र एक ही कॉलेज के बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चंडी की ओर से काफी तेज गति में आ रही थी। गौढ़ापर के पास पहुंचते ही चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में पलट गई। हादसा इतना भयावह था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को कार से बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए चंडी रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया।

# प्यार के लिए की बगावत, जेल से प्रेमी को छुड़ा लाई...

**औरंगाबाद।** औरंगाबाद जिले की रहने वाली एक युवती ने आखिरकार एक साल बाद अपने प्रेम का पा लिया। दरअसल, हुआ कुछ ऐसा था कि युवती और पास के ही गांव के रहने वाले एक युवक के बीच प्रेम-प्रसंग चला रहा था। दोनों एक दूसरे से चोरी छिपे मिलते थे और फोन पर बाते करते थे। लेकिन उनके इस रिश्ते पर घरवालों को एतराज था। इस दौरान नाबालिग युवक अपने प्रेमिका को लेकर दिल्ली भाग गया। युवती के परिजनों ने युवक के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद छानबीन शुरू की महज 8 दिन बाद पुलिस ने दोनों को दिल्ली से बरामद कर लिया। इस दौरान

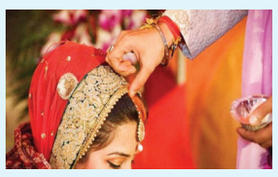

युवक जेल चला गया और युवती वापस अपने घर। लेकिन जब युवती अपने घर पहुंची उसके कुछ दिन बाद उसे मालूम हुआ की वो गर्भवती है तो इस दौरान उसने समाज और समाज के लोगों के तानों की परवाह किए बगैर एक बड़ा फैसला ले लिया वो ये था कि वो कोख में पल रहे बच्चे को जन्म देना चाहती थी और ऐसा उसने किया भी। इसके बाद, उसने अपने प्यार को पाने के लिए कोर्ट में रिहाई की अर्जी दी।

### युवती ने लड़ी लड़ाई

युवती ने एक बेटी को जन्म दिया, लेकिन पिता के नाम के बिना उसे कौन पहचानता पूरे जीवन उसे समाज के ताने सुनने पड़ते। वहीं अब ये सिर्फ एक प्रेम कहानी से जुड़ा मामला नहीं रह गया था, बल्कि के एक मां की लड़ाई बन गया। मां ने ठान लिया कि वो अब अपनी बेटी को उसका हक दिलाकर रहेगी। इसके लिए उसने कोर्ट में मदद की गुहार लगाई।

### कोर्ट ने दी नई ताकत

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि अगर दोनों परिवार शादी के लिए तैयार हैं और लिखित समझौता देते हैं तो लड़के को जमामत दे दी जाएगी। कोर्ट के इस मानवीय रुख से युवती को नई ताकत मिल गई। आखिररार 8 महीने बाद युवक को जेल से रिहा कर दिया गया। दोनों की कोर्ट में ही बने मंदिर में शादी कराई गई।

### नौ महीने की मासूम बनी शादी की गवाह

यह सिर्फ एक शादी नहीं थी, बल्कि संघर्ष, इंतजार और एक मां के हौसले की ऐसी कहानी थी, जिसने हर किसी के दिल को छू लिया। गोद में 9 महीने की मासूम बेटी और आंखों में उम्मीद लिए एक मां को जीत मिली। कभी नाबालिग होने की वजह से समाज और कानून के बीच फंसी इस लड़की की जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसे जानकर हर कोई हैरान है।

# 31 मार्च को बिहार आएंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

### नालंदा यूनिवर्सिटी के कॉन्वोकेशन सेरेमनी में होंगी मुख्य अतिथि

**नालंदा।** भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 मार्च को बिहार के राजगीर दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे नालंदा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति बनने के बाद यह उनका पहला नालंदा दौरा होगा, जिससे इस कार्यक्रम की अहमियत और बढ़ गई है।

### छात्रों को देंगी संदेश, मेधावियों को मिलेगा सम्मान

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति सबसे पहले विश्वविद्यालय परिसर पहुंचेंगी। यहां वे दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करेंगी। अपने भाषण में वे युवाओं को भविष्य के लिए प्रेरित करेंगी। समारोह के दौरान देश-विदेश के मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल और अन्य पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

### भव्य आयोजन की तैयारी, खास इंतजाम

विश्वविद्यालय प्रशासन इस कार्यक्रम को यादगार बनाने में जुटा है। अतिथियों के बैठने, स्वागत और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। देश और विदेश से आने वाले शिक्षाविदों और विशिष्ट मेहमानों के लिए अलग से व्यवस्था की गई है।

# 'नंबर बढ़ाने' के नाम पर साइबर ठगी का जाल

### बिहार बोर्ड का अधिकारी बनकर मांगे पैसे, वायरल हुई रिकॉर्डिंग

**गोपालगंज।** मैट्रिक व इंटर परीक्षा के मूल्यांकन के बीच साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाते हुए शिक्षा तंत्र को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामला फुलवरिया प्रखंड के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंगहा से सामने आया है, जहां खुद को बिहार बोर्ड का अधिकारी बताकर प्रधानाध्यापक से पैसे मांगने का प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित कुमार शर्मा के मोबाइल पर बुधवार शाम चार बजे के करीब एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर खुद को

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति का अधिकारी बताया। कॉल करने वाले ने कहा कि मैट्रिक परीक्षा में शामिल कुछ छात्र-छात्राओं के नंबर बढ़ाने या उन्हें पास कराने के लिए पैसे देने होंगे। प्रधानाध्यापक द्वारा बात को नजरअंदाज करने पर ठग ने दो विषयों में छात्रों को फेल करने की धमकी दी और लगातार दबाव बनाने लगा। करीब 20 मिनट तक चली बातचीत के दौरान उसने चालू कॉल पर ही एक क्यूआर कोड भेजा और 5500 रुपये तुरंत ट्रांसफर करने को कहा। हालांकि, प्रधानाध्यापक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए कोई पैसा नहीं भेजा और पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग कर ली। यह रिकॉर्डिंग अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इधर, प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी छात्र या अभिभावक ऐसे झांसे में न आएं।

# पड़ोसी की बीवी से लव मैरिज में गई जान

**खगड़िया।** खगड़िया में मड़ैया थाना क्षेत्र के मड़ैया गांव के कहरटोली में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक गांव के मकिंदर सिंह का 25 वर्षीय पुत्र बॉबी कुमार था। वह अपने पिता की बरसी में दिल्ली से घर आया था। आरोप लगाया गया है कि उसकी बीवी के पूर्व पति ने हत्या करवाई है। युवक ने अपने पड़ोसी(गोतिया) की बीवी से लव मैरिज कर लिया था। परिजनों के अनुसार बुधवार को बॉबी अपने घर से बाजार जाने के लिए निकला था कि बाइक से आए दो बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। गोली उसके सीने में लगी और उसकी मौत हो गई। गोली की आवाज सुनते ही अफरातफरी मच गई। मृतक की पत्नी फूलकुमारी ने बताया कि उसकी पहली शादी पड़ोसी राजा कुमार से हुई थी। बाद में बॉबी कुमार के साथ उसका प्रेम प्रसंग शुरू हुआ। इधर, राजा ने दूसरी शादी कर ली। इसके बाद उससे तलाक लेकर फूलकुमारी ने बॉबी से शादी कर ली। वे लोग दिल्ली में रहने लगे। चार पांच दिनों पूर्व बॉबी अपने दिवंगत पिता मकेन्दर सिंह की बरसी पर दिल्ली से गांव आया।

# बिहार में SDO है लड़का, फर्जी फोटो-कागज भी भेजा

### शादी का सपना दिखाकर ठग लिए लाखों रुपये

**पटना।** समाज में हर संपन्न परिवार की चाहत होती है कि दामाद कोई सरकारी अफसर मिले। इस चाहत में ठगों के हाथों लाखों रुपए गंवाने के मामले भी सामने आ रहे हैं। लोगों की चाहत का फायदा उठाकर ठग अपने जाल में फंसा रहे हैं। पिछले छह महीने में गोरखपुर में कम से कम ऐसे तीन मामले सामने आए हैं,जिनमें लड़की की शादी के लिए अफसर लड़का खोज रहे तीन परिवारों से ठगी हो गई। एक ताजा मामले में शहर के एक परिवार को बिहार में अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) पद के दामाद

का सपना दिखाकर ठगों ने बड़ी रकम ऐंठ ली।

गोरखपुर शहर के एक पीड़ित परिवार का आरोप है कि एक आदमी ने खुद को एक पदाधिकारी का रिश्तेदार बताकर उनलोगों से संपर्क किया। उसने बताया कि उसका परिचित एक परिवार का एक लड़का बिहार में एसडीएम पद पर कार्यरत है और परिवार अपने बेटे के लिए अच्छे परिवार की एक लड़की की तलाश में है। बातचीत के दौरान उसने कथित अफसर युवक की फोटो, पहचान से जुड़े दस्तावेज और कुछ कथित सरकारी कागजात भी दिखाए, जिससे परिवार को विश्वास हो गया कि ये रिश्ता वास्तविक है। बातचीत आगे बढ़ी और रिश्ता तय करने की बात होने लगी। इसी बीच ठगों ने अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगने शुरू कर दिए। कभी मेडिकल जांच, कभी ट्रांसफर की प्रक्रिया तो कभी शादी की तैयारी के नाम पर रकम मांगी गई।

## व्यापार

# अमृता टी ने अपना पहला ब्रांड अभियान 'लॉन्च किया

**मुंबई।** अमृता टी ने आधिकारिक तौर पर अपना पहला एकीकृत (इंटीग्रेटेड) ब्रांड अभियान लॉन्च किया है, जो ब्रांड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। "आपकी चाय, आपके जैसी" शीर्षक वाला यह अभियान एक सरल लेकिन मजबूत समझ पर आधारित है — हर चाय प्रेमी अलग होता है और हर घर में चाय का स्वाद भी अलग होता है। इस लॉन्च के साथ, ब्रांड का उद्देश्य खुद को एक भरोसेमंद और अपनापन देने वाली रोज़मर्रा की चाय के रूप में स्थापित करना है, जो लोगों की दैनिक दिनचर्या में स्वाभाविक रूप से शामिल हो सके।

यह अभियान मजबूत ब्रांड पहचान (ब्रांड रिकॉल) बनाने, उपभोक्ताओं के साथ भावनात्मक जुड़ाव गहरा करने और विभिन्न उपभोक्ता संपर्क बिंदुओं पर लगातार दृश्यता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। "आपकी चाय, आपके जैसी" अभियान भारत में चाय के अलग-अलग स्वादों और पसंदों का उत्सव मनाता है, और अमृता टी को एक ऐसे ब्रांड के रूप में प्रस्तुत करता है जो विभिन्न स्वादों, क्षेत्रों और जीवनशैली के अनुरूप खुद को ढालता है। केवल प्रमोशन पर ध्यान देने के बजाय, ब्रांड रोज़मर्रा की कहानियों के माध्यम से पहचान और भरोसा मजबूत कर दीर्घकालिक ब्रांड मूल्य बनाने में निवेश कर रहा है।

रणनीतिक रूप से यह अभियान ब्रांड जागरूकता बढ़ाने और उपभोक्ताओं के मन में शीर्ष-स्थानीय (टॉप-ऑफ-माइंड) पहचान बनाने पर केंद्रित है, साथ ही उत्पाद को आज़माने और दोबारा खरीदारी को भी प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ-साथ, कंपनी जैसे-जैसे नए बाज़ारों में विस्तार की तैयारी कर रही है, यह अभियान रिटेल विस्तार और वितरण नेटवर्क को भी समर्थन देगा। स्वाद, खुशबू, रंग और मज़बूती जैसे उत्पाद गुणों को भावनात्मक कहानियों के साथ जोड़कर ब्रांड अपनी विश्वसनीयता को मजबूत करना और उपभोक्ताओं के साथ गहरा संबंध बनाना चाहता है।

### इकोफाई ने ग्रोथ इक्विटी में 380 करोड़ रुपए जुटाए

**मुंबई।** एवरसोर्स कैपिटल के समर्थन वाली एक जानी-मानी ग्रीन एनबीएफसी, इकोफाई ने आज 380.5 करोड़ रुपए (लगभग 42 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के नए इक्विटी कैपिटल के सफल क्लोजर की घोषणा की है। इस फंडिंग राउंड में दो बड़े ग्लोबल डीएफआई– ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई), यूके का डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन और इम्पैक्ट इन्वेस्टर, और फिनफंड डिजिटल एक्सेस इम्पैक्ट फंड I (डीएआईएफ), जिसे फिनफंड, फिनिश डेवलपमेंट फाइनेंस इंस्टीट्यूशन और इम्पैक्ट इन्वेस्टर मैनेज करता है – ने हिस्सा लिया और नए इन्वेस्टर्स के तौर पर शामिल हुए।

# मुंबई में लॉन्च हुआ 'देश का ईंधन'

**मुंबई।** गुड़ी पड़वा के अवसर पर एसएसके भारत द्वारा मुंबई में एक ऐसा इनोवेशन लॉन्च किया गया है, जो शहर में बढ़ती गैस समस्या के बीच एक बड़े समाधान के रूप में सामने आ रहा है। "देश का इंधन" नामक बायोफ्यूल कुकिंग कोल और अत्याधुनिक कुकिंग सिस्टम का मालाड पूर्व में विधिवत शुभारंभ किया गया, जिसे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसे पारंपरिक रसोई गैस का प्रभावी और आधुनिक विकल्प बताया।

पिछले कुछ समय से रसोई गैस की अनियमित उपलब्धता ने आम नागरिकों के साथ-साथ होटल, ढाबे, रेहड़ी-पटरी व्यवसाय और बड़े आयोजनों को भी प्रभावित किया है। शादी-ब्याह जैसे कार्यक्रमों में भी भोजन व्यवस्था को लेकर असमंजस की स्थिति बन रही थी। ऐसे समय में इस नई तकनीक की शुरुआत होना

शहर के लिए राहत की खबर माना जा रहा है।

एसएसके भारत के निदेशक कार्तिक रावल ने बताया कि "देश का इंधन केवल एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि एक मिशन है। हमारा उद्देश्य है कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए। यह एक आधुनिक, सुरक्षित और किफायती समाधान है, जो गैस जैसी पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा। आने वाले समय में यह तकनीक न केवल मुंबई बल्कि पूरे देश में रसोई व्यवस्था को बदलने की क्षमता रखती है।"

### चांदी 13 हजार गिरकर 2.37 लाख पर आई

**मुंबई।** सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 19 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 13 हजार रुपए घटकर 2.37 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी की कीमत भी 47% तक बढ़ गई है। वहीं, गैस की किल्लत के कारण पिछले दो हफ्तों में 1.20 लाख नए PNG कनेक्शन बढ़ें हैं। इसके अलावा, अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर रेडी-टू-ईट मील और पैक्ड फूड की डिमांड में 15% से ज्यादा बढ़ गई है। एशिया की सबसे बड़ी थोक मंडी खारी बावली में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20% से 50% तक का उछाल आया है। व्यापारियों का कहना है कि काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल-ईस्ट से आते हैं, जिनकी सप्लाई अभी ठप है। ईरान से आने वाले पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम के दाम 30-40% बढ़ गए हैं। ईद करीब है और बाजार में खजूर की मांग बढ़ गई है, लेकिन स्टॉक सीमित होने से कीमतें बढ़ रही हैं।

# दिल्ली में ड्राई फ्रूट्स 50% और पैरासिटामोल 47% महंगी

### ईरान-इजराइल युद्ध से सप्लाई ठप

**मुंबई।** अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी की वजह से दिल्ली के बाजारों में डाई फ्रूट्स 50% तक महंगे हो गए हैं। पैरासिटामोल के कच्चे माल की कीमत भी 47% तक बढ़ गई है। वहीं, गैस की किल्लत के कारण पिछले दो हफ्तों में 1.20 लाख नए PNG कनेक्शन बढ़ें हैं। इसके अलावा, अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर रेडी-टू-ईट मील और पैक्ड फूड की डिमांड में 15% से ज्यादा बढ़ गई है। एशिया की सबसे बड़ी थोक मंडी खारी बावली में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20% से 50% तक का उछाल आया है। व्यापारियों का कहना है कि काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल-ईस्ट से आते हैं, जिनकी सप्लाई अभी ठप है। ईरान से आने वाले पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम के दाम 30-40% बढ़ गए हैं। ईद करीब है और बाजार में खजूर की मांग बढ़ गई है, लेकिन स्टॉक सीमित होने से कीमतें बढ़ रही हैं।

### होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन शुरू

**मुंबई/टपूकड़ा (राजस्थान)।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (HMSI), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि 'द पावर ऑफ ड्रीम्स' के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है। टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी।

# आज खुलेगा स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड का आईपीओ

**मुंबई।** स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) शुक्रवार, 20 मार्च यानी आज खोलने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य अपर प्राइस बैंड पर 29.14 करोड़ जुटाने का है और इसके शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। यह इश्यू 20 मार्च यानी आज खुलेगा और 24 मार्च को बंद होगा। स्पेशियलिटी मेडिसिन्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पार्थ गोयानी ने कहा, हमने स्पेशियलिटी

मेडिसिन्स लिमिटेड का निर्माण उच्च मूल्य वाले स्पेशियलिटी फार्मास्युटिकल उत्पादों को महत्वपूर्ण थेरेप्यूटिक क्षेत्रों जैसे ऑन्कोलॉजी, इम्यूनोलॉजी और न्यूरोलॉजी में उपलब्ध कराने के मजबूत फोकस के साथ किया है। वर्षों के दौरान, हमारी वितरण क्षमता, ग्राहक संबंधों और उत्पाद पोर्टफोलियो ने हमें भारत के 20 से अधिक राज्यों और कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद की है। प्रस्तावित आईपीओ हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से एक समर्पित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (R&D) सेंटर की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रोडक्ट रजिस्ट्रेशन को मजबूत करने, हमारी मार्केटिंग और प्रमोशनल पहुंच का विस्तार करने तथा वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

# TECNO भारत में ग्राहकों के लिए लाया 'समर फेस्ट'

**मुंबई।** जैसे-जैसे पूरे भारत में गर्मियों का तापमान बढ़ने लगा है, TECNO अपने देशव्यापी 'समर फेस्ट' के साथ इस मौसम में अतिरिक्त उत्साह जोड़ रहा है। 2 मार्च से 22 मार्च, 2026 तक चलने वाली इस पहल को टेक्नो के ग्राहकों के लिए स्मार्टफोन अपग्रेड को और भी ज्यादा फायदेमंद बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे हर खरीदारी आकर्षक इनाम जीतने का एक मौका बन जाती है। जो लोग इस गर्मी में अपनी टेक को अपग्रेड करना चाहते हैं, उनके लिए इससे बेहतर समय हो ही नहीं सकता। इस फेस्ट के दौरान POVA Curve 2, POVA Slim या Spark Go 3 खरीदने वाले ग्राहक एक बड़े लकी ड्रॉ में हिस्सा ले सकते हैं। टेक्नो टचपॉ इंट्स पर या सोशल मीडिया पर उपलब्ध QR कोड को स्कैन करके ग्राहक टेक्नो व्हाट्सऐप चैनल के जरिए रजिस्टर करके इस कॉन्टेस्ट में शामिल हो सकते हैं। इस लकी ड्रॉ में 25 आकर्षक इनाम शामिल हैं, जिनमें एक नई स्कूटी, 10,000 रुपए के गोल्ड वाउचर और कुछ लेटेस्ट टेक्नो स्मार्टफोन शामिल हैं।

**महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड** के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

# 'राम मंदिर को अंधविश्वास बताने वाले सत्ता बचाने को नोएडा नहीं जाते थे'

## राष्ट्रपति मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

महानगर नेटवर्क

**अयोध्या**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे

किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व-मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है।

सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास का पर्याय था।

### श्रीराम मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का बना प्रतीक

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति जी के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

### 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु आए उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है। वर्तमान पीढ़ी अब दिग्भ्रमित नहीं है, वह सही दिशा में जा रही है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। लोग किसी ऐसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाते, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया।

# रामराज्य के आदर्शों से बनेगा विकसित भारत : राष्ट्रपति मुर्मु

महानगर नेटवर्क

**अयोध्या**

रामनगरी अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देश की प्रगति और सांस्कृतिक मूल्यों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत आज एक समावेशी समाज और विकसित राष्ट्र की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उनका मानना है कि प्रभु श्री राम के आदर्शों और आशीर्वाद से भारत वर्ष 2047 या उससे पहले भी अपने विकास लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज की आधुनिक सोच में विकसित राष्ट्र की जो परिकल्पना की जाती है, उसके मूल तत्व रामराज्य के वर्णन में पहले से ही मौजूद हैं। रामराज्य केवल एक धार्मिक या ऐतिहासिक अवधारणा नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन प्रणाली का प्रतीक है, जिसमें न्याय, समानता और जनकल्याण सर्वोपरि हैं।

उन्होंने कहा कि माता शबरी से प्रभु श्रीराम का भावपूर्ण मिलन, निषादराज से उनका स्नेह संबंध, युद्ध में कोल, भील और वानरों का सहयोग लेना तथा जटायु, जाम्बवन्त और गिलहरी सभी को सम्मान और प्रेरणा प्रदान करना, ऐसे अनेक प्रसंग एक सर्वसमावेशी जीवन दर्शन का आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

### सबके प्रति अपनेपन के भाव के साथ हम राष्ट्र निर्माण करें

उन्होंने कहा कि रामराज्य का मूल उद्देश्य आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ सामाजिक समरसता को स्थापित करना है, जहां हर वर्ग को समान अवसर मिले और किसी के साथ भेदभाव न हो। आज के संदर्भ में सामाजिक समावेश और आर्थिक न्याय के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं की सुरक्षा हेतु भी राष्ट्रीय लक्ष्य तय किए गए हैं और उन्हें कार्यरूप दिया जा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि वे चाहती हैं कि सभी देशवासी घट-घट व्यापी राम के पवित्र भक्तिभाव के साथ एकात्म होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि तुझमें राम, मुझमें राम, सबमें राम समाया की भावना के साथ राम भक्ति के पवित्र बंधन से एकजुट होकर और सबके प्रति अपनेपन के भाव के साथ हम राष्ट्र निर्माण करें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं और एकता, सहयोग तथा नैतिक मूल्यों को अपनाएं, ताकि भारत आर्थिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सके।

## उत्तर प्रदेश विकास की नई परिभाषा गढ़ रहा : रविन्द्र जायसवाल

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल ने गरुवार को कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नयी गाथा गढ़ रहा है। जायसवाल ने काशी के नाटी इमली स्थित भरत मिलाप मैदान में गुरुवार को "नवनिर्माण के 9 वर्ष" विषयक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 19 से 26 मार्च तक चलने वाली इस आठ दिवसीय प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार के नौ वर्षों के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को चित्रों, पोस्टरों और डिजिटल माध्यमों के जरिए प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में 53 चित्रों के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिसमें "योगी की पाती" विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस अवसर पर जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास की नई इबारत लिखी है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश को पिछड़े राज्य के रूप में देखा जाता था, लेकिन अब यह देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि "डबल इंजन सरकार" के प्रयासों से प्रदेश में बुनियादी ढांचा, कानून-व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में व्यापक सुधार हुआ है।

## सहारा शहर में विधानसभा बनने का रास्ता साफ

### कोर्ट से केस हारने के बाद सामान ले जा रहीं 'स्वप्ना रॉय'

महानगर नेटवर्क

**लखनऊ**

सुप्रीम कोर्ट में सहारा हाउसिंग कंपनी की अपील खारिज होने के बाद अब एलडीए में सहारा शहर की जमीन पर विधानसभा बनाने की तैयारी तेज हो गई। विधान सभा के साथ ही यहां पर सीएम सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास बनाए जाने पर मंथन हो रहा है। दूसरी केस हारने के बाद सहारा प्रमुख स्वर्गीय सुब्रत राय सहारा की पत्नी स्वप्ना राय ने सहारा शहर को खाली करना शुरू कर दिया है।

नगर निगम के सम्पत्ति प्रभारी राम प्रसाद ने बताया सुप्रीम कोर्ट में नगर निगम केस जीत चुका है। नगर निगम को सिर्फ जमीन से मतलब है। ऐसे में स्वर्गीय सुब्रत राय सहारा की पत्नी स्वप्ना राय को सामान निकालने की अनुमति दी है। वह अपना

सामान ले जा रही हैं। एक दो दिन में पूरा सामान चला जाएगा। लीज का समय पूरा होने और शर्तों के उल्लंघन पर नगर निगम ने सहारा शहर की लीज को बढ़ाने की बजाय 30 साल का समय पूरा होने पर अक्तूबर के पहले सप्ताह में अपने कब्जे में ले लिया था। उसके बाद परिसर के गेटों को सील कर वहां पर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिए थे। लीज निरस्त करने की कार्रवाई के विरोध में सहारा कंपनी पहले हाईकोर्ट गई। वहां पर जब राहत नहीं मिली तो वह सुप्रीम कोर्ट गई। वहां पर भी उसे राहत नहीं मिली और कोर्ट ने 16 मार्च पहले अपील को खारिज कर दिया था। उसके बाद स्वप्ना रॉय अपना सामान सहारा शहर से ले जा रही हैं। इससे नगर निगम को कोई आपत्ति नहीं है। उनकी जो भी गाड़ियां, पशु, फर्नीचर व अन्य सामान है वह ले जा रही हैं। गायों को पहले गोशाला में रखा गया था यदि वह ले जाएंगी तो वह उनको मिल जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट से नगर निगम के केस जीतने के बाद स्वप्ना रॉय के सहारा शहर खाली करने के साथ ही सहारा शहर की जमीन पर नई विधानसभा बनने का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। अब तक मामला सुप्रीम कोर्ट में होने के कारण अटका हुआ था मगर अब इसमें कोई कानूनी बाधा भी नहीं रही है।

## तीन अप्रैल से आगरा से मथुरा तक आप निकालेगी पदयात्रा: संजय सिंह

**लखनऊ।** आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को तीन अप्रैल से शुरू होने वाली चौथे चरण की 'रोजगार दो-सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है और जब युवा रोजगार की मांग करते हैं तो उन्हें लाठियां और मुकदमे मिलते हैं। संजय सिंह ने बताया कि लगभग 100 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा आगरा के शहीद स्मारक, संजय पैलेस से शुरू होकर हाथरस होते हुए 9 अप्रैल को मथुरा में समाप्त होगी। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ सभाएं और जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। आम आदमी पार्टी इस पदयात्रा के जरिए रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाएगी। गैस संकट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए संजय सिंह ने कहा कि देशभर में लोग गैस सिलेंडर के लिए लंबी लाइनों में खड़े हैं, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गलत नीतियों के कारण गैस और तेल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से ऐसे सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की। विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि गलत फैसलों के चलते देश को महंगा तेल और गैस खरीदना पड़ रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा है।

## सुलतानपुर जेल में 252 बंदियों ने रखा नवरात्र व्रत

**सुलतानपुर।** नवरात्र के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिला कारागार में 252 बंदियों ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की। इनमें एक मुस्लिम बंदी फहीम भी शामिल है, जिसने विधिवत धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। जेल सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि नवरात्रि के पहले दिन कारागार परिसर स्थित मंदिर में कलश स्थापना के साथ पर्व का शुभारंभ किया गया। बंदियों को प्रत्येक बैरक में कलश स्थापना के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। व्रत रखने वाले बंदियों में

14 महिला बंदी भी शामिल हैं। व्रत के दौरान बंदियों को जेल मैनुअल के अनुसार विशेष आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें उबला आलू, दूध, केले एवं चीनी शामिल हैं। मुस्लिम बंदी फहीम बैरक संख्या 4 में निरुद्ध है और वह भी शांतिपूर्ण ढंग से व्रत व पूजा-अर्चना कर रहा है। कारागार प्रशासन के अनुसार धार्मिक गतिविधियां पूर्ण अनुशासन एवं शांति के साथ संपन्न हो रही हैं और इससे सुरक्षा व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। सूत्रों ने बताया कि महिला बंदियों के लिए कारागार में सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण भी संचालित किया जा रहा है, ताकि रिहाई के बाद वे आत्मनिर्भर बन सकें। वर्ष 2025 में 27 महिला बंदियों को प्रशिक्षण देकर रिहा किया गया, जबकि वर्तमान में 35 महिला बंदियों में से सात प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

## प्रदेश के कई जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बृहस्पतिवार को तेज झोंकेदार हवाओं और गरज चमक के साथ बारिश देखने को मिली। दिल्ली से सटे जिलों और पश्चिमी इलाकों में आंधी, गरज-चमक और बारिश ने माहौल ठंडा कर दिया। तेज झोंकों के साथ हुई बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी, वहीं कई जगहों पर मौसम का मिजाज तूफानी बना रहा।

विक्षोभ के असर से मथुरा में सबसे तेज 87 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। नोएडा में 59 किमी, जबकि आगरा और बुलंदशहर में 57 किमी प्रति घंटे की रफ्तार दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक शुक्रवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्यांचल और बुंदेलखंड समेत लगभग पूरे प्रदेश में तेज हवाओं और गरज-चमक का असर रहेगा। करीब 27 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि इस बदलाव का असर तापमान पर भी दिखेगा और अगले दो दिनों में पारा 5 से 7 डिग्री तक लुढ़क सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक शुक्रवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्यांचल और बुंदेलखंड समेत लगभग पूरे प्रदेश में तेज हवाओं और गरज-चमक का असर रहेगा। करीब 27 जिलों में ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

## विदेश भेजने के नाम पर 3.90 लाख की ठगी

### लोगों को दिया फर्जी पासपोर्ट और जॉइनिंग लेटर

**अमेठी।** जिले में विदेश भेजने का झांसा देकर पांच लोगों से 3.90 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। फर्जी दस्तावेज तैयार करके पासपोर्ट तक बनवा दिया गया। पीड़ित ने अपने ही भाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। मोहनगंज थाना क्षेत्र के रस्तामऊ निवासी खुर्शीद खान ने बताया कि उनका भाई इजहार उर्फ मुंशीर लंबे समय से लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने का लालच देकर रुपये ऐंठ रहा है। उसके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोप है कि उसने आधार कार्ड में

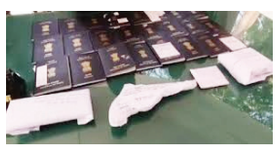

कूटरचना कर पता बदल लिया। रस्तामऊ के पते पर जारी पहचान पत्र में हेरफेर कर अयोध्या के सराय मनौली का पता दर्ज कराया। इसी आधार पर पासपोर्ट भी बनवा लिया। बताया गया कि आरोपी ने कई लोगों से रकम ली। पूरे भानी निवासी सुनील कुमार से 70 हजार रुपये, गुनैया निवासी राजू से 80 हजार रुपये, मरदानपुर निवासी रवि कुमार से 80 हजार रुपये, सिंदुरवा क्षेत्र के संजय से 80 हजार रुपये और दुलारीनगर निवासी राजेश से 80 हजार रुपये वसूले। इन सभी को दुबई स्थित एक पेट्रोलियम कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया गया। बाद में उन्हें जो जॉइनिंग लेटर दिए गए, वो फर्जी निकले। कहा कि रकम लेने के बाद आरोपी टालमटोल करता रहा। जब लोग पैसा मांगने पर गाली-गलौज कर धमकाया। बताया कि वह 2016 से दुबई में है। भाई इजहार ने उसके नाम का भी गलत इस्तेमाल किया। जानकारी मिलने पर विरोध किया तो उसे भी जान से मारने की धमकी दी। प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार आगे की पूछताछ की जा रही है।

## पति ने जान बचाने के लिए बॉयफ्रेंड को सौंपी पत्नी

**बुलंदशहर।** मेरठ का सौरभ हत्याकांड जिसके बारे में सोचकर रूह कांप जाती है। ऐसा ही कुछ मामला यूपी के बुलंदशहर से सामने आया है। एक व्यक्ति अपनी पत्नी के प्रेमी की फेसबुक पोस्ट देखकर दहशत में आ गया। इस पोस्ट में मेरठ की मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल का फोटो लगाकर कैप्शन में सीमेंट और नीला ड्रम लिखा गया था। इस खौफनाक कैप्शन ने पति को इस कदर डरा दिया कि उसने अपनी जान बचाने के लिए पत्नी को प्रेमी के साथ ही विदा कर दिया। मामला कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के निवासी एक युवक की शादी जिले की ही युवती से हुई थी। बताया कि युवक की पत्नी का पहले से ही किसी अन्य युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसके चलते पति-पत्नी के मध्य विवाद रहने लगा। मामला पुलिस में पहुंचा। मीडिएशन सैल में भी पत्नी कई आरोप लगाते हुए अपने प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। मीडिएशन सैल में महिला ने दो टूक शब्दों में कह दिया कि वह अपने प्रेमी के साथ ही जाएगी। उसी दौरान पति ने फेसबुक पर पत्नी के प्रेमी की एक पोस्ट मेरठ कांड की फोटो के साथ 'सीमेंट और नीला ड्रम' लिखा देखा कैप्शन को देखते ही पति और उसके परिजन दहशत में आ गए और पत्नी को उसके प्रेमी को सौंप दिया।

## साध्वी की नियुक्ति भाजपा की रणनीति का अहम हिस्सा

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरण हमेशा से चुनावी परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) का अध्यक्ष बनाए जाने का फैसला महज एक प्रशासनिक नियुक्ति नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की व्यापक राजनीतिक रणनीति का एक अहम हिस्सा है।

भाजपा के सूत्रों के मुताबिक, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह कदम 'सॉफ्ट हिंदुत्व' और गैर-यादव ओबीसी राजनीति के संयोजन को मजबूत करने के साथ ही अपने

सहयोगी दलों के विस्तार को रोकने की दिशा में उठाया गया है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ चुनावों में यह स्पष्ट हुआ है कि भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ बनाए रखना है, जो पारंपरिक रूप से उसके कोर वोटर नहीं रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को उत्तर प्रदेश में झटका लगा, जिसमें विपक्ष की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति का असर भी देखा गया।

सपा खासतौर पर गैर-यादव ओबीसी वर्गों को साधने की कोशिश तेज की है जिससे भाजपा के सामाजिक समीकरण प्रभावित हुए। साध्वी निरंजन ज्योति निषाद समुदाय से आती हैं, जिसकी प्रदेश की आबादी में 4 से 7 प्रतिशत हिस्सेदारी मानी जाती है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड के कई जिलों प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर, मिर्जापुर, हमीरपुर और फतेहपुर में इस समुदाय का प्रभाव निर्णायक माना जाता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा पिछले एक दशक से कुर्मी, निषाद, मौर्य, कश्यप और लोध जैसे गैर-यादव ओबीसी समूहों पर लगातार फोकस कर रही है। इसी रणनीति के तहत पार्टी सामाजिक प्रतिनिधित्व को संस्थागत रूप देने की कोशिश कर रही है। दरअसल, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग एक संवैधानिक निकाय है, जिसका दायित्व पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा और सरकार को सुझाव देना है। भले ही इसकी प्रत्यक्ष कार्यकारी शक्तियां सीमित हों, लेकिन इसका प्रतीकात्मक महत्व काफी बड़ा है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि आयोग के शीर्ष पद पर एक प्रभावशाली ओबीसी चेहरे को बैठाना यह संदेश देता है कि सरकार पिछड़े वर्गों की भागीदारी को लेकर गंभीर है।

## गाड़ियों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट होने पर ही अब मिलेगा पॉल्यूशन सर्टिफिकेट

**लखनऊ।** यूपी में वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट न होने पर अब प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। 15 अप्रैल से पूरे प्रदेश में इस व्यवस्था को सख्ती के साथ लागू किया जाएगा। ऐसे में प्रदूषण प्रमाण पत्र न होने पर चालान होने की स्थिति में 10 हजार जुर्माना भरना होगा। ऐसे में उन वाहन स्वामियों को जिन्होंने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगाई है, उनकी मुसीबत बढ़ सकती है।

वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की व्यवस्था एक अप्रैल 2019 से लागू की गई है। उससे पहले के पंजीकृत 2.75 करोड़ वाहनों पर यह

प्लेट लगाया जाना अनिवार्य है। अभी तक परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 30 प्रतिशत वाहनों पर यह प्लेट लगाई नहीं गई है। अभी तक करीब 70 प्रतिशत वाहनों पर ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाई गई है। ऐसे में एक अप्रैल वर्ष 2019 से पहले के पंजीकृत वाहन जिनकी संख्या 82.50 लाख है।

## एससी-एसटी एक्ट केस में जारी समन हाई कोर्ट ने किया निरस्त

**प्रयागराज।** इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कानपुर नगर के नौबस्ता थाने में दर्ज एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामले में अभियुक्त सौरभ पांडेय उर्फ छोटू पांडेय व अन्य की अपील आंशिक रूप से स्वीकार कर ली है।

न्यायमूर्ति अनिल कुमार (दशम) की एकलपीठ ने धारा 3(1)(द) के तहत अपराधों से संबंधित समन आदेश को निरस्त कर दिया है। भारतीय दंड संहिता व एससी एसटी एक्ट की अन्य धाराओं के तहत शेष अपराधों के संबंध में कार्यवाही विधि के अनुसार जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा

कि प्रथमदृष्टया आरोपों से यह प्रतीत नहीं होता कि अपीलार्थियों ने वादी मुकदमा पर हमला उसके अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय का सदस्य होने के कारण अपमानित करने या डराने के इरादे से किया था। याची के अधिवक्ता ने घटना को काल्पनिक और अविश्वसनीय बताया। कहा कि रात लगभग 11:30 बजे यह समझना कठिन है कि शिकायतकर्ता ने अपीलार्थियों की पहचान कैसे की? सरकारी वकील ने कहा कि शिकायतकर्ता के बयान में मामूली अंतर महत्वहीन है। वादी मुकदमा ने एफआइआर तथा धारा 161 सीआरपीसी के तहत अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि अपीलार्थियों ने जातिवादी अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उसे गाली दी। घटना स्थल गेस्ट हाउस है जहां अन्य लोग भी मौजूद थे।

## प्रथम नवरात्र पर प्रदेश की देवी शक्तिपीठों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

**मिर्जापुर/सहारनपुर।** चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, सहारनपुर, वाराणसी सहित अन्य स्थानों पर देवी के दर्शन को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मिर्जापुर के विंध्याचल में दर्शनार्थी रात से ही मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन करने के लिए लाइन में लग गए थे। लगभग 200 मीटर तक न्यू वीआईपी गेट के पास से लेकर मंदिर तक लाइन में लगकर मां का दर्शन पूजन करने के लिए अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ खड़े व बैठे रहे। वहीं काशी विश्वनाथ धाम में मुखनिर्मालिका गौरी और माता विशालाक्षी को बाबा दरबार से वस्त्र व श्रृंगार सामग्री अर्पित की गई। मंदिर के शास्त्रियों द्वारा विधिपूर्वक मां मुखनिर्मालिका गौरी और शक्तिपीठ माता विशालाक्षी को वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री अर्पित की गई। यह भेंट मां के धारण किए जाने हेतु उपहार स्वरूप भेजी गई। जबकि सहारनपु के शाकंभरी देवी धाम में श्रद्धालुओं ने परंपरा के अनुसार पहले बाबा भूरादेव को प्रसाद अर्पित किया, इसके बाद माता के दर्शन कर मन्नतें मांगीं। कुछ श्रद्धालु लेटकर भी माता के दरबार में पहुंचे। जयकारों से पूरी शिवालिक घाटी गूंज उठी और वातावरण भक्तिमय हो गया। मेला परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा भंडारों का आयोजन किया गया।

## दुकानदार के खाते में ऑनलाइन ली 90,000 रुपए की घूस, लाइन हाजिर

**चित्रकूट।** जिले में कानून व्यवस्था पर उठते सवालों और लगातार सामने आ रही वारदातों के बीच पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने सख्त कार्रवाई करते हुए कर्वी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल को लाइन हाजिर कर दिया है। यह कार्रवाई कर्वी क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर हुई कई घटनाओं और अवैध वसूली के आरोपों के बाद की गई है। जानकारी के मुताबिक, हाल ही में ओवरलोड ट्रकों को छोड़ने के नाम पर 90 हजार रुपये एक दुकानदार के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर कराने का

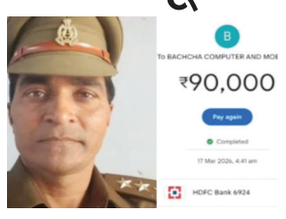


स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी ने जांच अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह को सौंपी थी। प्रारंभिक जांच में आरोप गंभीर पाए जाने के बाद तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक को लाइन हाजिर कर दिया गया। इसके अलावा, कर्वी कोतवाली क्षेत्र में हाल के दिनों में कई आपराधिक घटनाएं भी सामने आई थीं। करीब पांच दिन पहले बांदा जिले के तिंदवारा क्षेत्र के जमुनी पुरवा गांव से आए श्रद्धालुओं के साथ परिक्रमा मार्ग स्थित लक्ष्मण पहाड़ी के पास मारपीट कर लूट का प्रयास किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दो बाल अपचारियों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि कुछ अन्य अभी फरार हैं। इसी घटना के अगले दिन एक महिला से मंगलसूत्र छीनने की वारदात भी सामने आई थी।

# युद्ध में ड्रोन की बड़ी भूमिका : राजनाथ सिंह

## हमें आत्मनिर्भर ड्रोन इकोसिस्टम की जरूरत

**महानगर नेटवर्क**
**नई दिल्ली**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि आज जब पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन के साथ-साथ ईरान-इजरायल के बीच जारी संघर्ष को देख रही है, तो हम साफ देख सकते हैं कि फ्यूचर वॉरफेयर में ड्रोन्स और काउंटर-ड्रोन टेक्नोलॉजी की बहुत बड़ी भूमिका है।

रक्षा मंत्री ने बताया कि आज भारत में एक ऐसे ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के निर्माण की जरूरत है, जिसमें हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हों। यह आत्मनिर्भरता सिर्फ प्रोडक्ट के स्तर पर ही नहीं बल्कि कंपोनेंट के स्तर पर भी जरूरी है। यानी ड्रोन के मॉड्यूल से लेकर सॉफ्टवेयर, इंजन और और बैटरी सभी भारत में ही बने। यह काम आसान नहीं है क्योंकि अधिकांश देशों में जहां ड्रोन्स बनते हैं, वहां कई महत्वपूर्ण कंपोनेंट चीन से आयात किए जाते हैं।

नई दिल्ली में आयोजित नेशनल डिफेंस इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीतिक स्वायत्तता के लिए यह जरूरी है कि भारत ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग में पूरी तरह आत्मनिर्भर बने। उन्होंने यहां मौजूद एमएसएमई व अन्य लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि इस काम में देश को आप सभी की जरूरत है। सरकार की तरफ से आपको हर तरह का समर्थन प्राप्त होगा। हम सबको मिलकर मिशन मोड में काम करना होगा ताकि 2030 तक भारत, स्वदेशी ड्रोन निर्माण का ग्लोबल हब बन जाए।

### रक्षा मंत्रालय के नए भवन में प्रवेश

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह हम सबका राष्ट्र धर्म है। एक दशक में सरकार ने एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए, कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2014 के बाद प्रधानमंत्री ने इस सेक्टर के विस्तार पर लगातार ध्यान दिया है। एमएसएमई के पंजीकरण और पहचान को आसान बनाने के लिए, उद्यम पोर्टल और उद्यम अस्सिट पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स शुरू किए गए हैं। ताकि छोटे उद्योगों को, औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़कर, उनतक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।

राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी भी देश के डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम को बनाने में जहां पर बड़ी इंडस्ट्रीज, एमएसएमई, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स का हाथ होता है। वहीं, सरकार की तरफ से देश की रक्षा जरूरतों के अनुसार स्पष्ट पॉलिसी पुश का भी हाथ होता है। कई बार बड़ा परिवर्तन एक छोटे विचार और छोटे प्रयास से ही शुरू होता है। इसलिए जो अपने-अपने क्षेत्र में काम कर रहे हैं, यह मानकर चलिए कि आपकी आज की छोटी शुरुआत कल बड़ी सफलता में बदल सकती है।

आज भी भारत की जीडीपी में इंडस्ट्री का योगदान लगभग 15-16 प्रतिशत के आसपास है, जो यह दिखाता है कि एमएसएमई के आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। विशेष रूप से निर्माण क्षेत्र के विस्तार के माध्यम से, अर्थव्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकता है। अब इस दिशा में आगे बढ़ने की जिम्मेदारी उद्योग जगत और इनोवेटर्स पर है।

# गैस संकट के बीच केंद्र सरकार सख्त

**राज्यों को सप्लाई सुधारने का निर्देश, PNG पर फोकस**

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण भारत में LPG की सप्लाई पर असर पड़ा है, लेकिन सरकार हालात संभालने के लिए लगातार कदम उठा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है और साथ ही PNG को बढ़ावा देकर संकट कम करने की कोशिश की जा रही है। भारत में LPG सप्लाई का संकट अब तीसरे हफ्ते में पहुंच गया है। पश्चिम एशिया से होने वाले आयात, जो देश की कुल सप्लाई का करीब 60% है, प्रभावित होने के कारण दबाव बना हुआ है। ऐसे में केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का फैसला किया है ताकि आम लोगों को परेशानी कम हो।

सरकार ने यह भी कहा है कि जहां-जहां पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) की सुविधा उपलब्ध है, वहां लोगों को LPG की जगह PNG अपनाना चाहिए। इससे गैस की मांग को संतुलित करने में मदद मिलेगी और सप्लाई पर दबाव कम होगा। केंद्र सरकार ने उन राज्यों के लिए खास योजना बनाई है जो PNG नेटवर्क को तेजी से बढ़ाएंगे। ऐसे राज्यों को 10% अतिरिक्त कमर्शियल LPG दी जाएगी। इसके साथ ही राज्यों से कहा गया है कि वे मंजूरी प्रक्रिया तेज करें और चार्ज कम करें ताकि PNG का इस्तेमाल बढ़ सके।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में LPG की सप्लाई अभी स्थिर है और कहीं भी पूरी तरह से गैस खत्म होने की स्थिति नहीं है। ऑनलाइन बुकिंग 94% तक पहुंच गई है और घबराहट में बुकिंग करना अब कम हो गया है। बुधवार को 57 लाख से ज्यादा रिफिल बुकिंग दर्ज की गईं। सरकार ने यह भी कहा कि पिछले दो हफ्तों में करीब 1.25 लाख नए घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे सप्लाई सिस्टम मजबूत हुआ है।

# 'बिना सबूत महिला के चरित्र पर सवाल उठाना सामाजिक हिंसा'

**केरल HC ने रद्द की श्वेता मेनन के खिलाफ दर्ज FIR**

**महानगर नेटवर्क**
**नई दिल्ली**

केरल हाई कोर्ट ने कहा है कि बिना किसी आधार के किसी महिला के चरित्र पर लांछन लगाना "सामाजिक हिंसा का एक खतरनाक रूप" है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब कोई समाज किसी महिला की उपलब्धियों के बजाय उसकी इमेज पर ज्यादा ध्यान देता है, तो "इससे उसकी अपनी बौद्धिक दरिद्रता उजागर होती है।"जस्टिस सी.एस. डियास की ये टिप्पणियां तब आईं, जब उन्होंने मलयालम फिल्म अभिनेत्री श्वेता मेनन के खिलाफ दर्ज FIR को रद्द कर दिया। श्वेता पर आरोप था कि उन्होंने अपनी कुछ पुरानी फिल्मों और एड के अश्लील दृश्य पब्लिश और शेयर किए थे। हाई कोर्ट ने कहा कि उसे अभिनेत्री के इस दावे में दम नजर आता है कि यह शिकायत सिर्फ



उन्हें 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से रोकने के इरादे से की गई थी—और वह भी नामांकन वापस लेने की समय-सीमा से ठीक पहले। एफआईआर रद्द करने की उनकी याचिका को मंजूर करते हुए कोर्ट ने कहा, "शिकायत दर्ज करने का समय साफ तौर पर इसके दुर्भावनापूर्ण और परेशान करने वाले इरादे की ओर इशारा करता है।" कोर्ट ने यह भी माना कि शिकायत, एफआईआर, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और संबंधित कानूनों का विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि उन पर लगाए गए अपराध साबित नहीं होते हैं; बल्कि ये आरोप मेनन के नाम और प्रतिष्ठा को धूमिल करने के किसी छिपे हुए मकसद से लगाए गए थे।

अदालत ने अपने 11 मार्च के आदेश में कहा, "किसी महिला के चरित्र पर बिना किसी आधार या ठोस वजह के लांछन लगाना सामाजिक हिंसा का एक बहुत घातक रूप है; क्योंकि जहां एक ओर ऐसी बातें कहना बेहद आसान होता है, वहीं दूसरी ओर ये अपने पीछे जो कलंक छोड़ जाती हैं, वह अक्सर अमिट होता है।"आदेश में कहा गया, "अक्सर यह कहा जाता है कि जब कोई महिला सार्वजनिक जीवन में नाम, शोहरत और पहचान हासिल कर लेती है, तो उसे तर्क, लॉजिक या योग्यता के आधार पर हराने के प्रयास मुश्किल हो जाते हैं।

# बंगाल में भाजपा की 111 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट

## सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली तो शुभेंदु के भाई को भी टिकट

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी दूसरी उम्मीदवार सूची जारी कर दी है। इस सूची में कई बड़े और चौंकाने वाले नाम शामिल हैं। खास बात यह है कि सोनारपुर दक्षिण से रूपा गांगुली को टिकट



दिया गया है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भाई दिब्येंदु अधिकारी को भी उम्मीदवार बनाया गया है। इससे चुनावी माहौल और गरमा गया है। भाजपा ने दूसरी सूची में 111 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। इससे पहले पार्टी 144 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी थी। अब तक कुल 255 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है, जबकि 39 सीटों पर अभी भी फैसला बाकी है। इन नामों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की कई बैठकें हुईं, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की।

नई सूची में निसिथ प्रमाणिक को मथाभांगा, शंकर अधिकारी को चोपड़ा, कौस्तव बागची को बैरकपुर और अरूप चौधरी को कामरहाटी से टिकट मिला है। वहीं रेखा पात्रा को हिंगलगंज, रूपा गांगुली को सोनारपुर दक्षिण, प्रियंका टिबरेवाल को एंटली और तपस रॉय को मानिकतला से उम्मीदवार बनाया गया है।

### भाजपा ने असम में घोषित किए 88 उम्मीदवार

**गुवाहाटी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा 19 मार्च को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी ने कुल 88 उम्मीदवारों के नामों पर अपनी मुहर लगाई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को उनकी मौजूदा सीट जालुकबारी से ही मैदान में उतारा गया है।

हिमंत बिस्वा सरमा असम विधानसभा में जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे 2001 से लगातार इस सीट पर काबिज हैं और उन्होंने यहां से पांच चुनाव (2001, 2006, 2011, 2016 और 2021) जीते हैं। वे 10 मई, 2021 से असम के मुख्यमंत्री हैं। भाजपा ने भवानीपुर-सोरभोग से रंजीत कुमार दास और दिसपुर से प्रद्युत बोरदोलोई को मैदान में उतारा है। प्रद्युत बोरदोलोई हाल ही में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए हैं।


**सार्वजनिक सूचना**

मैं, सचिनकुमार दयाराम गुप्ता, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) पंजीकृत शोध विश्लेषक, पंजीकरण संख्या INH000021748 एवं बीएसई शोध विश्लेषक सूचीबद्धता संख्या BSE/RA/21082025/6642 द्वारा सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपना सेबी शोध विश्लेषक पंजीकरण प्रमाण-पत्र स्वेच्छा से समर्पित कर रहा हूँ। यदि किसी भी व्यक्ति को मेरे विरुद्ध कोई शिकायत अथवा आपत्ति हो तो वे scores.sebi.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

**बृहन्मुंबई महानगरपालिका**

**सार्वजनिक सूचना**

**क्र. एसीपीएन/ 6284 /एसआर / एईएम दिनांक 20/03/2026**

| | |
|---|---|
| विभाग | सहायक आयुक्त पी/नॉर्थ का कार्यालय, मलाड (पश्चिम), मुंबई - 400064. |
| अनुभाग | अनुरक्षण विभाग पी/एन |
| बोली क्र. | 2026_एमसीजीएम_1288011_1 |
| विषय : | मलाड (पश्चिम) में पी/नॉर्थ वॉर्ड कार्यालय भवन में कैंटीन के अनुबंध का आवंटन. |
| निविदा दिनांक | 20/03/2026 , 11.00 बजे से<br>28/03/2026 , 11.00 बजे तक |
| वेबसाइट | http://portal.mcgm.gov.in |
| संपर्क व्यक्ति | |
| ए) नाम :<br>बी) कार्यालय क्र.<br>सी) ई मेल आईडी | श्री. मनीष बी. साल्वे वॉर्ड कार्यकारी अभियंता पी/एन<br>9930879767 |

हस्ता./-
**सहायक आयुक्त पी/एन**

पीआरओ/ 3340/विज्ञा./2025-26

**जहां तक संभव हो घर पर तैयार ताजे खाद्य पदार्थ ही खायें**


# IAS रवि मित्तल को PMO में मिली अहम जिम्मेदारी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस रवि मित्तल को प्रतिनियुक्ति पर प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव नियुक्त किया गया है। वर्तमान में आईएएस रवि मित्तल जनसंपर्क आयुक्त की जिम्मेदारी संभाल रहे है।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। जारी आदेश में लिखा है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने रवि मित्तल, आईएएस (सीजी:2016), जो वर्तमान में इस कैडर में हैं, को प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से चार वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। डॉ रवि मित्तल 2016 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे हाल ही में जशपुर कलेक्टर के पद पर पदस्थ रहे। डॉ मित्तल ने महासमुंद, रायगढ़ व रायपुर में जिला पंचायत सीईओ के रूप में कार्य किया है। वे 2018 में बगीचा एसडीएम भी रह चुके हैं। डॉ रवि मित्तल ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली से एमबीबीएस किया और फिर वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में आये।

झारखंड के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की टीम ने

# छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा प्रकाशित 'रोजगार और नियोजन' की ली जानकारी

**महानगर नेटवर्क**
**रायपुर**

युवाओं को रोजगार संबंधी जानकारी सुलभ कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। आज झारखंड के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की टीम ने छत्तीसगढ जनसंपर्क की सहयोगी संस्था छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा प्रकाशित लोकप्रिय पत्रिका 'रोजगार और नियोजन' का अवलोकन कर जानकारी ली। टीम को साप्ताहिक पत्रिकारोजगार और नियोजन पत्रिका के संबंध में सहायक संपादक श्रीमती गीतांजली नेताम ने रोजगार और नियोजन पत्रिका की पाठ्य सामग्री, स्वरूप और युवाओं के लिए उपयोगी जानकारी दी। झारखंड



की टीम ने रोजगार और नियोजन पत्रिका की सराहना की। टीम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखंड के डिप्टी डायरेक्टर आनंद कुमार, विभाग की प्रतिनिधि श्रीमती सुनीता धान तथा विधि सलाहकार अमन कुमार शामिल रहे। झारखण्ड की टीम के अधिकारियों ने बताया कि झारखंड के युवाओं को भी इसी प्रकार की विश्वसनीय और संगठित रोजगार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में 'रोजगार और नियोजन' जैसी पत्रिका प्रकाशित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए वे इस प्रकाशन की प्रति लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी प्रस्तुत करेंगे। टीम के सदस्यों ने कहा कि इस प्रकार की पत्रिका प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें सरकारी नौकरियों, योजनाओं और कैरियर मार्गदर्शन से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होती है। इस पहल को लेकर टीम ने उम्मीद जताई जा रही है कि यदि यह योजना साकार होती है।


**न्यायालय में,**
**सब जज नं०-1, सीतामढ़ी।**

**हकियत वाद संख्या - 651/2022**

अशोक कुमार वर्मा वो०...... मुदईयान

बनाम्

विजय कुमार वर्मा वो० ...... मुदा०

**नोटिस बनाम्**

[1] पूनम श्रीवास्तव द्वारा स्व० अनिल कुमार श्रीवास्तव

टाईप [2] श्री प्लैट नं०-13, इन्कम टैक्स कोलोनी अकूर्डी रेलवे स्टेशन के पास पूणे, महाराष्ट्र।

यूँ, वजरीए पेपर प्रकाशन के आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वाद में न्यायालय से आपके उपर निबंधित कार्ड भेजा जा चुका है। के बावजूद इसके आप उपरोक्त वाद में हाजीर नहीं हो रही है। इसलिए इस पेपर प्रकाशन के माध्यम से आपको अंतिम बार आगाह किया जाता है कि आप दिनांक 06.04.2026 को पूर्वाहण 10.30 बजे मेरे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम उपस्थित होकर उपरोक्त वाद में उचित पैरवी करें, अन्यथा आपके खेलाफ एकपक्षीय सुनवाई कर मोकदमा में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसे ताकिद जानें।

**स्थान- सीतामढ़ी कोर्ट,**
**दिनांक-17.03.2026**

**हस्ताक्षर/-**
**सब जज नं०-1,**
**सीतामढ़ी।**

**महावितरण** महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित

**ई - निविदा सूचना**

अधीक्षक अभियंता, महावितरण पुणे ग्रामीण मंडल कार्यालयातर्फे मान्यताप्राप्त व नोंदणीकृत विद्युत ठेकेदारांना, पुणे ग्रामीण चाचणी विभागांतर्गत कार्यकारी अभियंता, चाचणी विभाग व **बॅच-1 ते बॅच-6 याकरिता 2026-27, 2027-28, 2028-29** या तीन वर्षांकरिता वाहन भाडेतत्वावर घेणेकरीता ई-निविदा मागवण्यात येत आहेत. (कार्यकारी अभियंता यांचेसाठी कार अथवा तत्सम व बॅच-1 ते बॅच-6 याकरिता टाटा सुमो अथवा तत्सम) **निविदा क्र. SE/PRC/T-14/2025-26 ते SE/PRC/T-20/2025-26**

वरील निविदा महावितरण कंपनीच्या **https://etender.mahadiscom.in/eatApp/** या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे. सदर निविदा विक्रीसाठी **दि. 20/03/2026 ते दि. 30.03.2026, 11.00 वाजेपर्यंत** उपलब्ध राहतील. सदर निविदा रक्कम प्रत्येकी **रु.14.76 लाख** आहे. निविदेमधील बदल, मुदतवाढ आदी महावितरणच्या संकेतस्थळावर प्रकाशित केला जाईल. अधिक माहितीसाठी **संपर्कः 7875767021** **यु. ज. जरग अधीक्षक अभियंता, पुणे ग्रामीण मंडल, पुणे**

**PRO/PZ/249/25-26**


# US वीजा के लिए देने होंगे 15 हजार डॉलर

**महानगर नेटवर्क**
**नई दिल्ली**




**12 और देशों का नाम लिस्ट में जुड़ा**

यूनाइटेड स्टेट्स के वीजा के आवेदन के लिए कुछ देशों को 15,000 US डॉलर तक के बॉन्ड जमा करने होते हैं। इस लिस्ट में अमेरिका ने 12 और देशों के नाम शामिल कर दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के नए नियम इन 12 देशों पर 2 अप्रैल से प्रभावी होंगे। यह जानकारी बुधवार को विदेश विभाग की वेबसाइट पर जारी एक नोटिस के अनुसार है।

अमेरिकी विदेश विभाग का कहना है कि वह उन देशों की सूची में 12 और देशों को जोड़ रहा है, जिनके नागरिकों को US वीजा के लिए आवेदन करने हेतु USD 15,000 तक के बॉन्ड जमा करने होंगे। इन 12 देशों की लिस्ट में कंबोडिया, इथियोपिया, जॉर्जिया, ग्रेनाडा, लेसोथो, मॉरीशस, मंगोलिया, मोजाम्बिक, निकारागुआ, पापुआ न्यू गिनी, सेशेल्स और ट्यूनीशिया का नाम शामिल है। इन देशों के पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड जमा करना होगा। अमेरिकी विदेश विभाग यह बॉन्ड तब वापस कर देगा, जब वीजा आवेदन अस्वीकार हो जाता है या यदि वीजा मिल जाता है, तो वह व्यक्ति वीजा की शर्तों का पालन करता है। अमेरिकी वीजा के लिए बॉन्ड जमा करने वाले देशों की लिस्ट में 2 अप्रैल के बाद अब 50 देश शामिल हो जाएंगे। ट्रंप प्रशासन ने इस शर्त को पिछले साल लागू किया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन को रोकने की दिशा में यह कदम उठाया था।

# 22 मार्च टीच फॉर इंडिया के फैलोशिप आवेदनों की अंतिम तिथि

**नई दिल्ली।** समानतापूर्ण शिक्षा के लिए समर्पित, टीच फॉर इंडिया ने घोषणा की है कि इसकी 2026 फैलोशिप की अंतिम तिथि 22 मार्च है। इस फैलोशिप के माध्यम से फैलोज़ को भारत में शिक्षा के भविष्य को आकार देने तथा बच्चों के जीवन में स्थायी परिवर्तन लाने का अवसर मिलेगा। फैलोशिप प्रोग्राम के अलावा, फैलोज़ को दो वर्षीय पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम (चार सेमेस्टर) करने का सुनहरा अवसर भी मिलेगा, जिसके बाद उन्हें मास्टर इन ट्रांसफॉर्मेशनल लर्निंग की डिग्री प्रदान की जाएगी। इस दौरान वो कम संसाधनों वाले स्कूलों में वेतन पाते हुए फुल-टाईम टीचिंग का अनुभव भी ले सकेंगे। चयनित फैलो किफायती प्राईवेट स्कूलों या इंग्लिश मीडियम सरकारी स्कूलों में फुल-टाईम टीचर के रूप में काम करेंगे। यहाँ पर वो भारत में मौजूद असमानता तथा शैक्षिक पिछड़ेपन के मूल कारणों पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।इस घोषणा के बारे में अश्वथ भरत, सीनियर डायरेक्टर, मूवमेंट बिल्डिंग, टीच फॉर इंडिया ने कहा, हम हर साल उन युवाओं के जोश से प्रेरणा पाते हैं, जो टीच फॉर इंडिया फैलोशिप द्वारा लीडर बनने की ओर पहला कदम उठाते हैं। यह साल बहुत खास है क्योंकि हम सफल पायलट फेज़ के बाद मास्टर्स डिग्री प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं।


**भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी**

**बांधकाम विभाग प्र.स.क्र. ०३**

**प्रथम ई निविदा सुचना क्रमांक २०५/२०२५-२६**

भिवंडी निजामपूर शहर महानगपालिकेच्या बांधकाम विभाग मार्फत मनपा निधी अंतर्गत खालिल नमुद कामांचे ई निविदा फॉर्म https://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर विक्रीस उपलब्ध आहेत. अधिक माहितीसाठी भि.नि.श.म.न.पा. नविन शासकीय इमारतीमधील ५ मजल्यावरील बांधकाम विभाग कार्यालयाशी संपर्क साधावा.

**निविदा विक्री दि. २०/०३/२०२६ ते दि. २७/०३/२०२६**
**सादरीकरण दि. २७/०३/२०२६**

| अ. क्र. | कामाचे नांव | अंदाजपत्रकीय रक्कम ₹ (इतर चार्जेस वगळून) | निविदा फॉर्म फी |
|---|---|---|---|
| १ | प्रभाग समिती क्र. ०३ च्या कार्यक्षेत्रात 40 एम. एम. खडी, ग्रीट व भाड्याने जे.सी.बी. पुरविणे. (वार्षीक निविदा सन २०२६-२७) | २२,७५,०९४/- | ५००/- + ९०/- |
| २ | प्रभाग समिती क्रं. ३ च्या कार्यक्षेत्रातील मुख्य व अंतर्गत रस्ते पेव्हर ब्लॉकने दुरुस्ती करणे. (वार्षिक निविदा २०२६-२७) | २४,६९,८८९/- | ५००/- + ९०/- |
| ३ | प्रभाग समिती क्र. ०३ च्या कार्यक्षेत्रात नाले व मुख्य गटारांवरील उघडे मॅनहोलवर लोखंडी व आर.सी.सी. कव्हर बसविणे. (वार्षीक निविदा सन २०२६-२७) | ४९,५४,७२८/- | ५००/- + ९०/- |
| ४ | प्रभाग समिती क्र. ३ च्या कार्यक्षेत्रातील मुख्य रस्त्यांची मास्टीक पध्दतीने दुरुस्ती करणे. | ४९,३६,४५७/- | ५००/- + ९०/- |
| ५ | प्रभाग समिती क्रं. ०३ च्या कार्यक्षेत्रात पावसाळ्यापुर्वी मुख्य व अंतर्गत रस्ते डांबरीकरणाने (पॅचवर्क पध्दतीने) दुरुस्ती करणे. (वार्षिक निविदा २०२६-२७) | ४९,१९,५३४/- | ५००/- + ९०/- |
| ६ | प्रभाग समिती क्रं. ०३ च्या कार्यक्षेत्रात पावसाळ्यानंतर मुख्य व अंतर्गत रस्ते डांबरीकरणाने (पॅचवर्क पध्दतीने) दुरुस्ती करणे. (वार्षिक निविदा २०२६-२७) | ९८,३५,२६२/- | १०००/- + १८०/- |

सही/-
(जमिल पटेल)
शहर अभियंता
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका


# ब्रेन-डेड पति का स्पर्म रख सकेगी पत्नी, हाईकोर्ट से मिली इजाजत

**कोझिकोड।** केरल हाईकोर्ट ने एक महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे अपने वेंटिलेटर सपोर्ट पर पड़े 'ब्रेन डेड' पति के स्पर्म यानी शुक्राणु सुरक्षित रखने की अंतरिम इजाजत दे दी है। कोर्ट ने कोझिकोड के संबंधित अस्पताल को आदेश दिया है कि वह एक मान्यता प्राप्त 'असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी' (ART) क्लिनिक के जरिए व्यक्ति के गैमीट्स यानी प्रजनन कोशिकाओं को निकालने और उन्हें जमाकर सुरक्षित रखने की प्रक्रिया पूरी करे। याचिकाकर्ता महिला के अनुसार, उसके पति को चिकन पॉक्स होने के दो हफ्ते बाद 'एक्सटेंसिव सेरेब्रल वीनस थ्रोम्बोसिस' (मस्तिष्क की नसों में थक्का जमना) की गंभीर समस्या हो गई। इसके कारण उनका ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया और वे फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं। महिला ने कोर्ट को बताया कि पति की स्थिति ऐसी नहीं है कि वे ART एक्ट की धारा 22 के तहत जरूरी लिखित सहमति दे सकें। महिला ने तर्क दिया कि यदि अब देरी हुई, तो उनके मां बनने और पति के पिता बनने की संभावना हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकेगी।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से नागरिकों की निकासी पर

# 'मिशन मोड' में काम कर रहे भारतीय मिशन

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत सरकार और विदेशों में स्थित भारतीय मिशन अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। भारतीयों को निकालने के लिए कई वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक करीब 2.44 लाख भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं।




युद्ध के बीच फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए एक ओर जहां भारत सरकार पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व के तमाम देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ संपर्क में है, वहीं दूसरी ओर विदेशों में स्थित भारतीय मिशन पूरी तरह से 'मिशन मोड' में काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 17 मार्च को एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि लगभग 700 भारतीय नागरिक ईरान से जमीनी रास्ते के जरिए आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंच चुके हैं, जहां से वे भारत लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान गए 284 तीर्थयात्री भी सफलतापूर्वक आर्मेनिया पहुंच गए हैं। इनमें से 130 तीर्थयात्री आज दिल्ली पहुंचेंगे। जायसवाल ने बताया कि विदेश मंत्रालय का कंट्रोल रूम पूरी तरह सक्रिय है और भारतीय नागरिकों की सहायता कर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले फोन और ईमेल की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

दोहा स्थित भारतीय दूतावास ने कतर एयरवेज़ की उड़ानों के जरिए 1,600 से अधिक भारतीयों की निकासी में सहायता की है।

# नवरात्रि की द्वितीय देवी मां ब्रह्मचारिणी की होती है पूजा

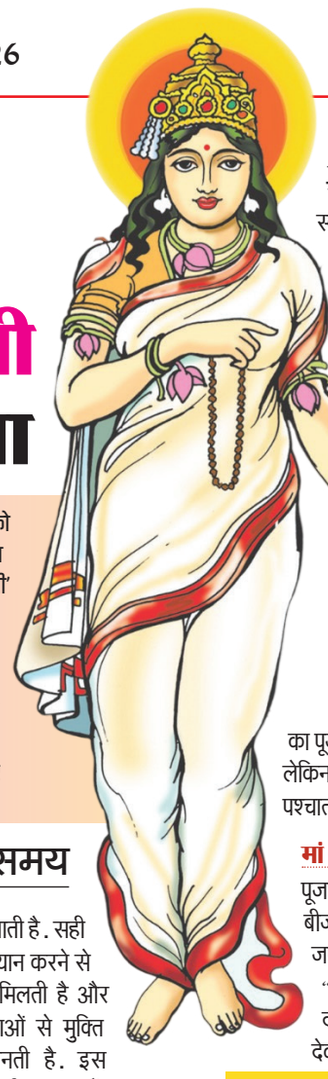

चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन, यानी 20 मार्च 2026 को मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है. 'ब्रह्म' का अर्थ है तपस्या और 'चारिणी' का अर्थ है आचरण करने वाली. मां का यह रूप हमें सिखाता है कि कठिन संघर्षों के समय भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए. इनकी उपासना करने से व्यक्ति के भीतर अटूट साहस और संयम आता है. यदि आपके व्यवसाय या जीवन के संचालन में बार-बार बाधाएं आने की आशंका बनी रहती है, तो मां ब्रह्मचारिणी की पूजा आपके आत्मविश्वास को नई दिशा देगी और आपकी बड़ी इच्छाएं पूरी करने का बल प्रदान करेगी.

## मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का शुभ समय

चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन पूजा के लिए सुबह का समय अत्यंत लाभकारी है. 20 मार्च 2026 को आप सूर्योदय के बाद अपनी सुविधा अनुसार पूजन कर सकते हैं. विशेष कार्यों की सिद्धि के लिए इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:05 से दोपहर 12:53 तक रहेगा. इस शुभ समय में की गई प्रार्थना विशेष फलदायी मानी जाती है. सही मुहूर्त में मां का ध्यान करने से मानसिक शांति मिलती है और भविष्य की चिंताओं से मुक्ति की संभावना बनती है. इस शुभ घड़ी में की गई पूजा घर में बरकत लाती है और परिवार के सदस्यों के बीच सहजता को बढ़ावा देती है.

## पूजा विधि:

**स्नान व शुद्धि:** प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर गंगाजल छिड़क कर उसे पवित्र करें।

**आवाहन व ध्यान:** सबसे पहले कलश देवता और गणेश जी की पूजा करें। इसके बाद हाथ में फूल और अक्षत लेकर माँ ब्रह्मचारिणी का ध्यान करें।

**पंचामृत स्नान:** माँ की प्रतिमा या चित्र को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, चीनी का मिश्रण) से प्रतीकात्मक स्नान कराएं।

**अर्पण:** माँ को गंध, अक्षत, पीले फूल और सिंदूर अर्पित करें।

**विशेष भोग:** माँ ब्रह्मचारिणी को शक्कर या मिश्री का भोग लगाएं। मान्यता है कि इससे लंबी आयु और सौभाग्य का वरदान मिलता है।

**कन्या भोज-** इस दिन ऐसी कन्याओं का पूजन किया जाता है कि जिनका विवाह तय हो गया है लेकिन अभी शादी नहीं हुई है। इन्हें अपने घर बुलाकर पूजन के पश्चात भोजन कराकर वस्त्र, पात्र आदि भेंट किए जाते हैं।

### मां ब्रह्मचारिणी की पूजा का मंत्र:

पूजा मंत्र: "ॐ देवी ब्रह्मचारिण्यै नमः॥
बीज मंत्र- ह्रीं श्री अम्बिकाये नमः।
जप मंत्र: ॐ ऐं ह्रीं क्लीं ब्रह्मचारिण्यै नमः।
"ध्यान मंत्र:
दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

*पूजा का समापन: अंत में माँ की आरती करें और अपनी भूल-चूक के लिए क्षमा प्रार्थना करें। आरती के बाद प्रसाद को परिवार के सभी सदस्यों में बांट दें।*

# नवरात्रि के दूसरे दिन कौन से रंग के कपड़े पहनने चाहिए?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि के प्रत्येक दिन का एक खास रंग होता है। जिसे धारण करने से माता रानी की खास कृपा प्राप्त होती है। 20 मार्च 2026 को चैत्र नवरात्रि का दूसरा दिन है। ऐसे में हर किसी के मन में ये सवाल है कि इस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनना शुभ रहेगा। अलग-अलग वेबसाइट पर नवरात्रि के रंगों से जुड़ी अलग-अलग जानकारी देखने को मिल रही है। ऐसे में ये कन्फ्यूजन काफी ज्यादा बढ़ गई है कि नवरात्रि में किस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनें। इसलिए हम आपके लिए लेकर आए हैं ये खास आर्टिकल, जिसमें हम आपको नवरात्रि के दूसरे दिन का शुभ रंग तो बताएंगे ही साथ ही अन्य दिनों के रंगों की भी जानकारी देंगे।

### नवरात्रि के दूसरे दिन का रंग

हरा - नवरात्रि के दूसरे दिन का रंग हरा है। ये रंग प्रकृति, विकास, शान्ति और स्थिरता का प्रतीक है। शुक्रवार को इस रंग का उपयोग करने से देवी की खास कृपा प्राप्त होगी। हरा रंग नई शुरुआत का भी प्रतीक होता है।

### नवरात्रि के अन्य दिनों के शुभ रंग

नवरात्रि के तीसरे दिन का रंग - स्लेटी
नवरात्रि के चौथे दिन का रंग - नारंगी
नवरात्रि के पांचवें दिन का रंग - सफेद
नवरात्रि के छठे दिन का रंग - लाल
नवरात्रि के सातवें दिन का रंग - गहरा नीला
नवरात्रि के आठवें दिन का रंग - गुलाबी
नवरात्रि के नौवें दिन का रंग - बैंगनी

# तेज धूप और गर्मी में ऐसे रखें त्वचा का ख्याल

मौसम चाहे कोई भी हो, अपनी त्वचा पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी है. गर्मियों के महीनों में अपनी त्वचा की देखभाल करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है. तेज गर्मी और पसीने के कारण त्वचा से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. हालांकि, विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि इस समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. अपनी त्वचा की सुंदरता बनाए रखने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है. इसी कारण, विशेषज्ञ ऐसी सावधानियां बरतने की सलाह देते हैं जो केवल सनस्क्रीन लोशन लगाने से कहीं बढ़कर हैं. तो आइए, जानते हैं कि आप गर्मियों के मौसम में हम अपनी त्वचा की देखभाल कैसे कर सकते हैं...

**वाटर बेस्ड सीरम का करे इस्तेमाल :-** विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों के मौसम में वाटर बेस्ड सीरम का इस्तेमाल करना (चाहे वह मेकअप रूटीन का हिस्सा हो या स्किनकेयर रूटीन का) बेहद फायदेमंद होता है. विशेषज्ञ बताते हैं कि ये सीरम न केवल त्वचा की गहरी परतों तक पहुंचते हैं, बल्कि उसे भरपूर पोषण भी देते हैं, जिससे स्किन हेल्दी और चमकदार नजर आती है. इसलिए, विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्किन को हाइड्रेटेड रखते हुए झुर्रियों और फाइन लाइन्स को रोकने में भी मदद करता है.

**स्क्रबिंग के लिए नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें :-**
तेज धूप के कारण लोगों को बहुत ज्यादा पसीना आता है. बहुत सी महिलाओं को लगता है कि सिर्फ चेहरा पोंछ लेने से ही डेड स्किन और गंदगी हट जाएगी, लेकिन, विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा नहीं होता है. विशेषज्ञ बताते हैं कि असल में पसीने की वजह से त्वचा पर और भी ज्यादा गंदगी और धूल जमा हो जाती है. इसलिए, समय-समय पर स्क्रबिंग करके त्वचा को साफ करते रहना चाहिए. साथ ही, इस काम के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्रोडक्ट्स के मामले में भी सावधानी बरतने चाहिए. बेहतर यही है कि जहां तक हो सके, नेचुरल चीजों का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

**सनस्क्रीन लगाना बेहद जरूरी है**
:-विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में किसी भी समय बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लोशन लगाना बहुत जरूरी होता है. आपको SPF वाला ऐसा सनस्क्रीन लोशन इस्तेमाल करना चाहिए जो आपकी त्वचा के प्रकार के लिए सही हो. अगर आपको धूप में ज्यादा समय बिताना पड़ता है, तो आपको हर दो घंटे में दोबारा सनस्क्रीन लगानी चाहिए.

**गर्मी के मौसम में लाइट मेकअप ही करें :-** विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में चाहे कोई भी अवसर हो, जितना हो सके उतना ही कम मेकअप करना अच्छा फेस के लिए फायदेमंद होता है. इसके साथ ही इस मौसम में ऑयली प्रोडक्ट से भी बचना चाहिए. फाउंडेशन लगाने की आदत रखने वालों को बेहतर फिनिशिंग के लिए फाउंडेशन के बाद थोड़ा पाउडर लगाने की सलाह दी जाती है. होंठों की सुरक्षा के लिए लिप बाम लगाने की भी सलाह दी जाती है. इसके अलावा, गर्मियों में हेवी आई मेकअप, कंसीलर और ब्लश से बचना चाहिए.

# सुबह खाली पेट कौन से फल नहीं खाने चाहिए

फल खाने के अपने कई फायदे हैं. हर व्यक्ति को किसी न किसी फल को अपनी डाइट में शामिल जरूर करना चाहिए. लेकिन ये ध्यान रखना भी जरूरी है कि फलों को कब और कैसे खाना चाहिए. कुछ लोग रात को भी फल खाते हैं तो कई लोग सुबह खाली पेट फल खाना हेल्दी मानते हैं, लेकिन क्या सुबह खाली पेट हर तरीके के फल खाएं जा सकते हैं? इस बारे में डायटिशियन से जानते हैं. सुबह खाली पेट फल खा सकते हैं, लेकिन कुछ ऐसे फल है जिनको कभी भी खाली पेट नहीं खाना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि ये फल फायदे की जगह नुकसान कर सकते हैं. इनको सुबह खाने से एसिडिटी, गैस की समस्या हो सकती है. कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी होने का रिस्क रहता है.

### सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचें

सुबह खाली पेट खट्टे फल खाने से बचना चाहिए. जैस संतरा, खट्टे फलों में सिट्रिक एसिड अधिक होता है. इससे पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे अपच से लेकर गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है. जिन लोगों को पहले से गैस्ट्रिक समस्या है, उन्हें खास सावधानी रखनी चाहिए. ऐसे लोगों में खट्टा फल खाने से पाचन की समस्या और भी बढ़ सकती है.

**केला -** वैसे तो केले में काफी एनर्जी होती है. इसको हमेशा खाने के कुछ घंटे बाद खाना चाहिए. कभी भी केला खाली पेट नहीं खाएं. ऐसा इसलिए क्योंकि खाली पेट खाने पर इसमें मौजूद मैग्नीशियम और प्राकृतिक शुगर शरीर में असंतुलन पैदा कर सकते हैं. केला खाने से शरीर में शुगर लेवल भी तेजी से बढ़ सकता है. इसी तरह आम को भी कभी खाली पेट नहीं खाना चाहिए.

# आज का राशिफल

**मेष राशि -** आज कानूनी मामलों के कारण तनाव रह सकता है. निवेश करने से पहले गंभीरता से सोचें. कुछ सहकर्मी आपकी कार्यशैली से नाखुश हो सकते हैं, लेकिन वे सीधे नहीं बताएंगे. नए विचार फायदेमंद साबित होंगे. कार्यक्षेत्र में नए विचार सफलता देंगे. योजनाबद्ध निवेश लाभदायक रहेगा. परिवार और मित्रों का सहयोग मिलेगा. तनाव से बचें, मानसिक शांति बनाए रखें.

**वृषभ राशि -** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा. सोचे हुए सभी काम पूरे होंगे. बिजनेस में निवेश लाभ देगा. किसी कन्या को कपड़े दान कर उनका आशीर्वाद लें. कार्य सफल होंगे, व्यर्थ के झगड़ों से बचें. निवेश लाभकारी रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा.

**मिथुन राशि -** आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप बेहतर महसूस करेंगे. अनुभवी लोगों की सलाह पर निवेश लाभकारी रहेगा. घरेलू मामलों पर ध्यान दें. साझेदारी के अच्छे अवसर हैं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं. खर्चों में सावधानी रखें. परिवार और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. मानसिक संतुलन बनाए रखें.

**कर्क राशि -** आज आपको अपना सच्चा प्यार मिलने की संभावना है. नौकरीपेशा लोगों के लिए बाहरी अवसर मिल सकते हैं. पैसों को लेकर सावधानी जरूरी है. कार्यक्षेत्र में शोहरत बढ़ेगी. वित्तीय मामलों में सतर्क रहें. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. चोट या स्वास्थ्य संबंधी सावधानी रखें.

**सिंह राशि -** आज मेहनत के जरिए परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे. बिजनेस या मीडिया से जुड़े लोग नए अवसर पा सकते हैं। नए काम की शुरुआत लाभकारी रहेगी. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. जीवनसाथी के साथ समय अच्छा बीतेगा. सामान्य रहेगी.

**कन्या राशि -** आज खाली समय का आनंद लें. वित्तीय लेन-देन में सावधानी जरूरी है. दफ़्तर का माहौल चुनौतीपूर्ण हो सकता है. कार्यक्षेत्र में सतर्कता रखें. आय-व्यय में संतुलन बनाए रखें. परिवार का सहयोग मिलेगा. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

**तुला राशि-**आज सभी कार्य सफल रहेंगे. पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है. कार्यक्षेत्र में सावधानी रखें. कार्य में सफलता और सम्मान मिलेगा. पैतृक लाभ संभव है. जीवनसाथी और परिवार का सहयोग मिलेगा.

**वृश्चिक राशि** - आज का दिन मिला-जुला रहेगा. जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद होगी. वित्तीय फैसले सोच-समझकर लें. कार्यालय में सतर्कता जरूरी है. बड़े फैसले सोचकर लें. परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा.

**धनु राशि**- आज अच्छा पैसा कमाने के अवसर मिलेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ेंगे. मित्र और रिश्तेदार मदद करेंगे. नई सोच लाभदायक रहेगी. बचत पर ध्यान दें. विवादित मुद्दों से बचें.सामान्य रहेगा.

**मकर राशि -** आज सफलता पाने के लिए मेहनत और सतर्कता जरूरी है. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों को पहचान मिलने के संकेत हैं. कार्यक्षेत्र में संघर्ष होगा, पर परिणाम अच्छे रहेंगे. आकस्मिक खर्चों से सतर्क रहें. परिवार का सहयोग मिलेगा.

**कुंभ राशि-** आज किस्मत आपके साथ है. व्यापारिक परेशानियां खत्म होंगी. क्रिएटिविटी से लोग प्रभावित होंगे. नए बिजनेस अवसर लाभदायक रहेंगे. आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा. शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें.

**मीन राशि-** आज आपकी रचनात्मकता लाभ दे सकती है. व्यापारिक क्षेत्र जैसे हीरा, कोयला, चूना आदि लाभ देंगे. अचानक आई जिम्मेदारी को संभालें, अवसरों का लाभ मिलेगा. वित्तीय स्थिति सामान्य रहेगी. दांपत्य जीवन संतुलित रहेगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दें.

**- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री**

# झटपट बनाएं ये स्वादिष्ट 'हरा भरा कबाब'

कबाब का नाम सुनते ही लोगों के मन में सबसे पहले नॉन वेज का ख्याल आता है, लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो भी इस डिश का स्वाद ले सकते हैं। वेज कबाब खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है और वेजिटेरियन्स को काफी पसंद भी है। चाहे किसी पार्टी में स्टार्ट की तरह सर्व करना हो या फिर घर पर स्नैक्स की तरह खाने हो, वेज कबाब हर मौके के लिए परफेक्ट है। खास बात यह है कि इन्हें बनाना भी काफी आसान है। आइए जानें घर पर कैसे बनाएं हरा भरा वेज कबाब।

**सामग्री**

2 मध्यम आकार के उबले हुए आलू, 1 कप कद्दूकस की हुई फूलगोभी, कप बारीक कटी बीन्स, कप उबले हुए मटर, 1 कप बारीक कटा हुआ पालक, बाइंडिंग के लिए- 3 बड़े चम्मच बेसन (भुना हुआ) या ब्रेड क्रम्ब्स, मसाले- 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच चाट मसाला, चम्मच गरम मसाला, चम्मच भुना जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक, बारीक कटा हरा धनिया, तलने के

**बनाने की विधि**

सबसे पहले पालक को उबलते पानी में 2 मिनट के लिए डालें और फिर तुरंत ठंडे पानी में डाल दें। फिर इसका पानी निचोड़कर बारीक काट लें। ध्यान रखें कि पालक का सारा पानी निकाल दें, वरना कबाब टूट सकते हैं। अब उबले हुए मटर को हल्का मैश कर लें और उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें ताकि कबाब में कोई गांठ न रहे। इसके बाद एक बड़े बाउल में मैश किए हुए आलू, मटर, कटा हुआ पालक, गोभी और बीन्स डालें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और सभी सूखे मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण में भुना हुआ बेसन या ब्रेड क्रम्ब्स डालें। बेसन नमी को सोख लेता है और कबाब को टूटने से बचाता है। इसे अच्छी तरह गूंथ लें जैसे आटा गूंथते हैं। अगर मिश्रण ज्यादा गीला लगे, तो थोड़ा और बेसन मिलाया जा सकता है। अब अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और मिश्रण का छोटा हिस्सा लेकर उसे गोल टिक्की का आकार दें। अब एक नॉन-स्टिक पैन में 2-3 चम्मच तेल गरम करें। कबाब को मध्यम आंच पर पैन में रखें। इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक सेकें। ध्यान रहे कि आंच तेज न हो, वरना कबाब बाहर से जल जाएंगे और अंदर से कच्चे रह जाएंगे। कबाब जब पक जाएं, तो इन्हें पुदीने की तीखी चटनी और लच्छेदार प्याज के साथ सर्व करें।

# रोज पिएं पुदीने के पत्तों का पानी

हरे रंग के ये पत्ते पुदीने के पत्ते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पुदीने के पत्ते आपकी सेहत के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकते हैं। अगर आप अपनी गट हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप पोषक तत्वों से भरपूर पुदीने के पत्तों का पानी पीना शुरू कर सकते हैं। आज हम आपको पुदीने के पत्तों का पानी पीने के कुछ जबरदस्त फायदे और सेहत के लिए वरदान इस नेचुरल ड्रिंक को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में बताएंगे।

**गैस-ब्लोटिंग से मिल सकती है राहत-** अगर आप अक्सर गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से परेशान रहते हैं, तो पुदीने के पत्तों का पानी आपके लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। मिंट वॉटर में मौजूद तत्व गैस, कब्ज, ब्लोटिंग और एसिडिटी से राहत दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। गर्मियों के मौसम में अक्सर ठंडी तासीर वाली इस ड्रिंक का सेवन करने की सलाह दी जाती है।

**पुदीने का पानी पीने के फायदे-** गर्मियों में शरीर के तापमान को संतुलित रखने के लिए और लू से बचाव के लिए पुदीने का पानी पी सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पुदीने का पानी आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में भी असरदार साबित हो सकता है। अगर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को तेज कर वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो पुदीने के पानी को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं।

**कैसे बनाएं औषधीय गुणों से भरपूर ड्रिंक-** सबसे पहले एक लीटर पानी निकाल लीजिए। अब इस पानी में 10-15 फ्रेश पुदीने की पत्तियां डालिए। पुदीने के पानी के टेस्ट को बढ़ाने के लिए आप इसमें थोड़ा सा नींबू का रस, अदरक या फिर काला नमक भी एड कर सकते हैं। कुछ घंटे के लिए या फिर रात भर के लिए पुदीने की पत्तियों को पानी में भीगा हुआ रहने दीजिए। अगले दिन आप इस पानी को थोड़ा-थोड़ा करके पी सकते हैं।

# वजन घटाने के लिए क्या रनिंग से बेहतर होती है वॉकिंग?

**कौन है ज्यादा असरदार**

वेट लॉस के लिए दो तरीके सबसे ज्यादा पॉपुलर हैं. वो है रनिंग और वॉकिंग. लेकिन सवाल ये है कि दोनों में से कौन सा तरीका जल्दी और अच्छा रिजल्ट देता है. अगर आप भी इस सवाल का जवाब चाहते हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए है. चलिए जानते हैं रनिंग और वॉकिंग में कौन है बेहतर?

**वजन घटाने के लिए रनिंग या वॉकिंग?**

जर्नल ऑफ ओबेसिटी अध्ययन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, रनिंग करने वाले लोगों में समान दूरी तय करने पर वॉकिंग करने वालों की तुलना में ज्यादा तेजी से वजन और बॉडी फैट कम होता है. यानी अगर आप कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करना चाहते हैं, तो रनिंग ज्यादा असरदार मानी जाती है. लेकिन दूसरी तरफ, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिपोर्ट के अनुसार, 70 किलो वजन वाला व्यक्ति 30 मिनट की रनिंग में लगभग 300 कैलोरी बर्न करता है, जबकि उसी समय की तेज वॉकिंग में करीब 140 से 160 कैलोरी ही बर्न होती है. इससे साफ है कि रनिंग की इंटेंसिटी ज्यादा होती है और यह जल्दी रिजल्ट दे सकती है.

**दोनों में कौन है ज्यादा असरदार?**

रनिंग और वॉकिंग में से वजन घटाने के लिए किसे चुना जाए ये कहना मुश्किल है, क्योंकि दोनों के अपने अलग फायदे और रिजल्ट हैं. जैसे कम समय में ज्यादा कैलोरी बर्न करनी है या फास्ट वेट लॉस चाहिए तो रनिंग एक बेहतर ऑप्शन है.

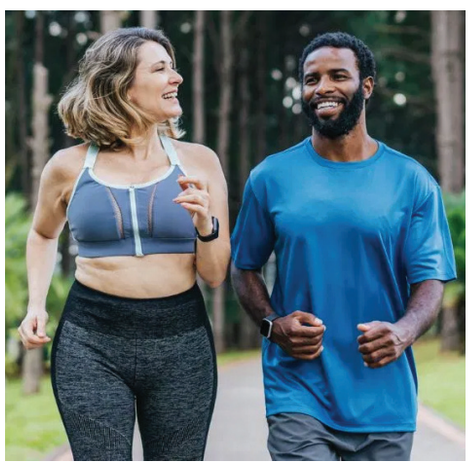

लेकिन वहीं अगर आप धीरे-धीरे वजन कम करना चाहते हैं और कंसटेंट रहना चाहते हैं तो वॉकिंग करना अच्छा है. यानी आपको कौन सा तरीका अपनाना है ये पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि आप आप कितनी नियमितता से और कितनी देर तक एक्सरसाइज करते. यानी अगर आप रोज 45 से 60 मिनट तेज वॉकिंग करते हैं, तो आप उतनी ही कैलोरी बर्न कर सकते हैं जितनी कम समय की रनिंग से होती है.

### अनिल कुंबले ने दिया संकेत

# CSK में संजू निभाएंगे यह अहम भूमिका

**नई दिल्ली।** संजू सैमसन के राजस्थान रॉयल्स को छोड़कर चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) में जाने के बाद से ही इस विकेटकीपर बल्लेबाजी भूमिका को लेकर प्रश्न सामने आ रहे थे। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 की नीलामी से पहले सैमसन की टीम में भूमिका पर सकेंत जारी किए हैं। कुंबले ने जियो स्टार पर कहा, 'एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक भारतीय क्रिकेट में कमान सौंपी गई है - सुनील गावस्कर से सचिन को, फिर विराट को, और MS धोनी भी उस दौर का हिस्सा रहे हैं।

MS धोनी और विराट कोहली के दौर से पहले राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ी थे, जो आज भी अपना जलवा बरकरार रखे हुए हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस लिहाज से सैमसन का टीम में आना CSK के लिए एक बेहतरीन कदम है। सोने पर सुहागा यह है कि IPL से ठीक पहले सैमसन जबरदस्त फॉर्म में हैं और उन्होंने लगातार तीन शानदार पारियां खेलकर भारत को वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि इससे फ्रेंचाइजी की फैन फॉलोइंग में निश्चित तौर पर इजाफा होगा। चेन्नई के नजरिए से देखें तो वह टीम की जरूरतों के हिसाब से एकदम सही हैं - उनका जन्म केरल में हुआ है और वह तमिल भी बोलते हैं, इसलिए टीम के साथ उनका एक स्वाभाविक जुड़ाव है। इसके अलावा वह एक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं, इसलिए वह MS धोनी की ही तरह की भूमिका निभा सकते हैं और उनका अनुभव CSK के लिए बेहद कीमती साबित होगा।' कुंबले का मानना है कि CSK में उप-कप्तान की भूमिका के लिए सैमसन एक बेहतरीन विकल्प हैं। कुंबले ने कहा, 'मुझे लगता है कि संजू के लिए यह एकदम सही भूमिका है, जिसमें वह लगभग एक उप-कप्तान की तरह जिम्मेदारियां संभालेंगे।' पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने लंबे समय तक राजस्थान की कप्तानी की है, इसलिए नेतृत्व की भूमिका निभाना उनके लिए स्वाभाविक है और CSK भी इसी चीज की तलाश में होगी। पिछले साल, जब रुतुराज घायल हो गए थे, तो MS को कप्तानी संभालनी पड़ी थी, और उससे पहले, जब रवींद्र जडेजा कप्तान थे, तब भी MS धोनी सीजन के बीच में ही कप्तान के तौर पर वापस आ गए थे। इसलिए, MS के बाद अगला कप्तान कौन होगा, यह तय करने में कुछ चुनौतियां रही हैं। रुतुराज को इस भूमिका के लिए चुना गया था और यह अच्छी बात है कि संजू के टीम में शामिल होने के बावजूद वह कप्तान बने हुए हैं।'

## दिल्ली कैपिटल्स को मिला फील्डिंग कोच

**नई दिल्ली।** दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 के आगामी सीजन से पहले आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को अपना नया फील्डिंग कोच बनाया है। वह दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी सपोर्ट स्टाफ में शामिल होंगे जिसमें हेमांग बदानी हेड कोच, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल (बॉलिंग कोच) और इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी इयान बेल (असिस्टेंट कोच) के तौर पर शामिल हैं। IPL 2026 में वेणुगोपाल राव टीम के डायरेक्टर हैं। मूनी के पास इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से लेवल 3, 2 और 1 के कोचिंग सर्टिफिकेट हैं, ने ज्ञानेश्वर राव और एंटोन रॉक्स की जगह ली है। ये दोनों 2025 सीजन के खत्म होने के बाद टीम से अलग हो गए थे। इस पूर्व आयरिश खिलाड़ी ने पहले 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के फील्डिंग कोच के तौर पर काम किया था, जब उन्होंने भारत में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने 2019 में वेस्ट इंडीज की पुरुष टीम के साथ भी काम किया था और इस साल जनवरी से आयरलैंड की महिला टीम के लिए टेम्पररी कोच के तौर पर काम कर रहे हैं।

### IPL 2026 से पहले बड़ा खुलासा

# चहल ने टीम को ट्रॉफी जिताने की खाई कसम

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

युजवेन्द्र चहल ने IPL 2026 से पहले अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव करते हुए शराब पूरी तरह छोड़ दी है। उन्होंने खुलासा किया कि पिछले 6 महीनों से उन्होंने शराब को हाथ तक नहीं लगाया है। 35 साल की उम्र में चहल अब अपनी फिटनेस को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज AB de Villiers के शो पर बातचीत करते हुए चहल ने यह बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि एक सीनियर खिलाड़ी होने के नाते वह चाहते हैं कि युवा खिलाड़ी उनसे सीख लें और टीम के लिए 150 प्रतिशत योगदान दे सकें। उनके इस फैसले की डिविलियर्स ने भी जमकर तारीफ की। Punjab Kings के लिए पिछला सीजन शानदार रहा, लेकिन फाइनल में Royal Challengers Bengaluru के खिलाफ 6 रन से हार ने टीम को बड़ा झटका दिया। चहल ने माना कि उस मैच में Marco Jansen की कमी टीम को भारी पड़ी। चहल ने पहली बार बताया कि पिछले सीजन में वह गंभीर चोट के बावजूद खेल रहे थे। Kolkata Knight Riders के खिलाफ मैच के बाद उनकी पसलियों में फ्रैक्चर हो गया था और बाद में उंगली में भी चोट आई। इसके बावजूद उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल खेला, लेकिन वह अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर सके। चहल का अब साफ लक्ष्य है कि वह Punjab Kings को पहला IPL खिताब दिलाएं। उन्होंने कहा कि इस बार वह अपनी फिटनेस और बॉडी का खास ध्यान रखेंगे ताकि पूरे सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। भले ही वह इस समय भारतीय टीम से बाहर हों, लेकिन IPL में चहल का रिकॉर्ड शानदार है। 174 मैचों में 221 विकेट के साथ वह लीग के सबसे सफल गेंदबाज हैं। इस सीजन वह अपने रिकॉर्ड को और बेहतर करने के साथ-साथ टीम को ट्रॉफी दिलाने पर फोकस करेंगे।

# अर्जुन के बल्ले का वजन सुनकर चौंके ऋषभ पंत

**महानगर नेटवर्क**

**नई दिल्ली**

Lucknow Super Giants के प्री-सीजन ट्रेनिंग सेशन के दौरान एक मजेदार पल देखने को मिला, जब Arjun Tendulkar ने अपने बैट को लेकर ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर कप्तान Rishabh Pant भी हैरान रह गए। IPL 2026 से पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच यह बातचीत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। बातचीत के दौरान अर्जुन ने बताया कि उनके बैट का वजन 1220 ग्राम है और वह 1200 ग्राम से हल्का बैट इस्तेमाल ही नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पिता Sachin Tendulkar 1310-1315 ग्राम का बैट इस्तेमाल करते थे। इस पर पंत ने हैरानी जताई और पूछा कि भारी बैट का फायदा क्या है।पंत के सवाल पर अर्जुन ने बेहद सरल जवाब दिया—"बस टच करो, हो जाता है।" उनका यह जवाब सुनकर पंत भी मुस्कुरा दिए। इस हल्की-फुल्की बातचीत ने दोनों खिलाड़ियों के बीच बढ़ती बॉन्डिंग को भी दिखाया, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।अर्जुन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने अपनी शादी के अगले ही दिन अभ्यास शुरू कर दिया था। वह लगातार Yuvraj Singh के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं। यह सुनकर पंत ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, "तू बहुत एंथू है भाई।" 26 साल के अर्जुन को IPL 2026 से पहले Mumbai Indians से ट्रेड कर Lucknow Super Giants में शामिल किया गया है। वह एक लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं और IPL 2023-24 में मुंबई के लिए कुछ मुकाबले खेल चुके हैं।

# मेस्सी ने 900वां गोल किया

● रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए

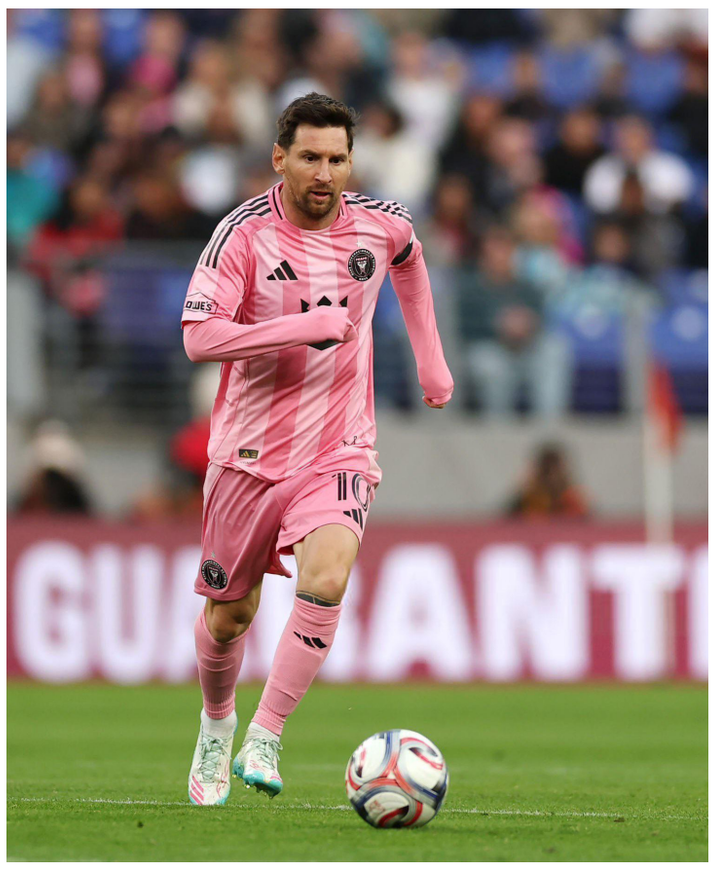

**फोर्ट लॉडरडेल।** स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया। मेस्सी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेस्सी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में अपने करियर के 900 गोल पूरे किए। उस समय उनकी उम्र 39 वर्ष थी जबकि मेस्सी जून में 39 वर्ष के होंगे। इस ऐतिहासिक गोल ने फुटबॉल जगत से बाहर के सितारों का भी ध्यान आकर्षित किया। बास्केटबॉल हॉल ऑफ फेमर मैजिक जॉनसन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेस्सी का 900 गोल तक पहुंचना 'अविश्वसनीय उपलब्धि है।' कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे। पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे। नैशविले ने हालांकि मेस्सी को इस उपलब्धि का जश्न नहीं मानने दिया क्योंकि उसने इंटर मियामी को 1-1 से ड्रॉ पर रोका और अपने प्रतिद्वंद्वी के घरेलू मैदान पर गोल करने के आधार पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिछले हफ्ते नैशविले में राउंड ऑफ 16 के पहले चरण में गोलरहित ड्रॉ खेला था। यह उपलब्धि मेस्सी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है। इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं।

# गंभीर की पहचान का हो रहा गलत इस्तेमाल

### हाईकोर्ट पहुंचे भारतीय मुख्य कोच

**नई दिल्ली।** दो बार के ICC व्हाइट-बॉल वर्ल्ड कप चैंपियन, अर्जुन अवॉर्ड विजेता, पद्म श्री से सम्मानित पूर्व सांसद और भारतीय पुरुष राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने दिल्ली हाई कोर्ट (C.S. (COMM.) OF 2026) में एक सिविल केस दायर किया है। इसमें उन्होंने डिजिटल रूप से किसी और की पहचान अपनाने, AI से बने डीपफेक और बिना इजाजत के कमर्शियल इस्तेमाल के एक सुनियोजित अभियान के खिलाफ अपने व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों की पूरी सुरक्षा की मांग की है। एक प्रेस रिलीज के मुताबिक 2025 के आखिर से गंभीर की लीगल टीम ने INSTAGRAM, X (पहले TWITTER), YOUTUBE और FACEBOOK पर मनगढ़ंत डिजिटल कंटेंट में अचानक और चिंताजनक बढ़ोतरी देखी। कई अकाउंट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, फेस-स्वैपिंग और वॉइस-क्लोनिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऐसे असली जैसे वीडियो बनाए जिनमें गलत तरीके से दिखाया गया कि गंभीर ऐसे बयान दे रहे हैं जो उन्होंने कभी नहीं दिए। इनमें एक फर्जी इस्तीफे का ऐलान भी शामिल है जिसे 29 लाख से ज्यादा बार देखा गया और एक मनगढ़ंत क्लिप जिसमें उन्हें सीनियर क्रिकेटरों के वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के बारे में टिप्पणी करते हुए दिखाया गया था, जिसे 17 लाख से ज़्यादा बार देखा गया। सोशल मीडिया के अलावा बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म भी बिना किसी इजाजत के उनके नाम और तस्वीर वाले पोस्टर और सामान बेचने में मदद कर रहे थे। यह केस 16 प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया है, जिनमें पहचाने गए सोशल मीडिया अकाउंट्स , ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म , प्लेटफॉर्म इंटरमीडियरीजऔर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और दूरसंचार विभाग शामिल हैं, जिन्हें कोर्ट के किसी भी आदेश को लागू करने में मदद के लिए प्रोफोर्मा पार्टी बनाया गया है। यह केस कॉपीराइट एक्ट 1957, ट्रेड मार्क्स एक्ट 1999 और कमर्शियल कोर्ट्स एक्ट 2015 का हवाला देता है और दिल्ली हाई कोर्ट के फैसलों के एक मजबूत आधार पर आधारित है जिसमें अमिताभ बच्चन बनाम रजत नागी, अनिल कपूर बनाम SIMPLY LIFE INDIA, और हाल ही में सुनील गावस्कर बनाम CRICKET TAK और अन्य के ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं, जो व्यक्तित्व अधिकारों को संपत्ति के रूप में, लागू करने योग्य अधिकारों के तौर पर मजबूती से स्थापित करते हैं, और जिनका विस्तार AI-आधारित दुरुपयोग तक है। 2.5 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग की गई है, साथ ही हिसाब-किताब पेश करने, स्थायी रोक लगाने और सभी उल्लंघनकारी सामग्री को हटाने की भी प्रार्थना की गई है।

# विराट कोहली को चेतावनी

### पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने बताई सबसे बड़ी चुनौती

**नई दिल्ली।** Virat Kohli एक बार फिर Indian Premier League 2026 में मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं और तैयारियों में जुट चुके हैं। हालांकि इस बार उनके सामने हालात थोड़े अलग हैं, क्योंकि लंबे समय से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे हैं। ऐसे में सीधे आईपीएल की तेज रफ्तार में खुद को ढालना उनके लिए आसान नहीं माना जा रहा। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर Irfan Pathan का मानना है कि कोहली के सामने सबसे बड़ी चुनौती टी20 के आक्रामक खेल में तुरंत वापसी करना होगी। उन्होंने कहा कि भले ही कोहली वनडे में शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन टी20 में अलग तरह की मानसिकता और अप्रोच की जरूरत होती है, जिसमें लगातार खेलना काफी अहम होता है। पठान के अनुसार, कोहली को इस सीजन में अपनी बल्लेबाजी शैली में बदलाव बनाए रखना होगा। पिछले सीजन में उन्होंने एंकर की भूमिका से आगे बढ़कर आक्रामक अंदाज अपनाया था, जो टीम की सफलता का बड़ा कारण बना। अब उसी टेम्पो को बरकरार रखना उनके लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

Virat Kohli और Royal Challengers Bengaluru का रिश्ता काफी मजबूत रहा है। कोहली पिछले कई सालों से इस फ्रेंचाइजी की पहचान बने हुए हैं और फैंस को हर सीजन उनसे बड़े प्रदर्शन की उम्मीद रहती है। इस बार भी टीम उन्हें अपने सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज के रूप में देख रही है।IPL 2025 में कोहली ने 657 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया था और टीम के टॉप स्कोरर रहे थे। Rajat Patidar की कप्तानी में टीम ने खिताब भी जीता था। ऐसे में कोहली के अनुभव और फॉर्म से टीम को इस बार भी काफी उम्मीदें हैं।

### अजित अगारकर की बड़ी मांग

# 2027 वर्ल्ड कप तक पद पर बने रहने की जताई इच्छा

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर Ajit Agarkar ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक अपने पद पर बने रहने की इच्छा जताई है। भारत के लगातार शानदार प्रदर्शन के बीच यह मांग ऐसे समय आई है, जब टीम एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब यह फैसला Board of Control for Cricket in India के लिए काफी अहम बन गया है। भारत अब 2027 वर्ल्ड कप के नए चक्र में प्रवेश कर रहा है, जहां टीम को नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है। ऐसे में सेलेक्शन कमेटी में निरंतरता बनाए रखना टीम के भविष्य के लिए अहम माना जा रहा है। पिछले कुछ सालों में ICC टूर्नामेंट्स में मिली सफलता ने अगारकर के पक्ष को और मजबूत किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड के भीतर इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। Board of Control for Cricket in India के सामने दो विकल्प हैं—या तो अगारकर के साथ निरंतरता बनाए रखें या फिर नए सेलेक्टर के साथ नई शुरुआत करें।जून 2023 में जिम्मेदारी संभालने के बाद Ajit Agarkar के कार्यकाल में भारत ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। टीम ने ICC Men's T20 World Cup 2024, ICC Champions Trophy 2025 और ICC Men's T20 World Cup 2026 जैसे बड़े खिताब जीते।

# अहमदाबाद में खुलेगी तेंदुलकर की वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स एकेडमी

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद में जमीनी स्तर के खेलों के विकास में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। सचिन तेंदुलकर द्वारा समर्थित SRT10 अल्टेवोल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी शुरू होने जा रही है जो एक हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग सेंटर है। 10 अप्रैल से शुरू होने वाली इस एकेडमी का लक्ष्य 5 साल और उससे अधिक उम्र के उभरते खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय क्रिकेट ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। हालांकि इसके लॉन्च की योजना पिछले साल ही बना ली गई थी, लेकिन अब यह एकेडमी तकनीक, फिटनेस और भविष्य की तैयारी पर केंद्रित ट्रेनिंग मॉड्यूल के साथ अपना कामकाज शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह विशाल 40,000 स्क्वायर यार्ड का स्पोर्ट्स कैंपस खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक संपूर्ण इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया गया है। यहां व्यवस्थित कोचिंग प्रोग्राम के साथ-साथ विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं, जिनमें प्रोफेशनल क्रिकेट नेट्स, मैच के लिए तैयार अपना निजी मैदान, हाई-परफॉरमेंस जिम और एक रनिंग ट्रैक शामिल है-ये ऐसी सुविधाएं हैं जो आमतौर पर केवल एलीट ट्रेनिंग सेंटर्स में ही देखने को मिलती हैं। अहमदाबाद में इसकी शुरुआत SRT10 के उस मजबूत आधार पर टिकी है, जिसकी पहचान नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में बनी इसकी मुख्य एसआरटी10 ग्लोबल एकेडमी से है। यह सेंटर पहले से ही खेल ट्रेनिंग के लिए एक बेहतरीन जगह बन चुका है। यहाँ

इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं और एक खास ट्रेनिंग कोर्स का मेल है, जिसका मकसद न केवल अच्छे खिलाड़ी तैयार करना है, बल्कि बच्चों का हर तरह से विकास करना भी है। यह विस्तार एसआरटी10 की उस बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत प्रोफेशनल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग को बड़े महानगरों से बाहर ले जाया जा रहा है। इसका मकसद भारत को खेलों की दुनिया में एक मजबूत देश बनाना है। यह नया सेंटर न केवल अहमदाबाद के युवाओं को, बल्कि आस-पास के इलाकों के उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी आकर्षित करेगा जो अच्छी और व्यवस्थित ट्रेनिंग की तलाश में हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बेहतरीन ट्रेनिंग सिस्टम के ज़रिए युवा प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें आगे बढ़ने के मौके देना है। एकेडमी का ट्रेनिंग प्रोग्राम सिफर् खेल की तकनीक पर ही नहीं, बल्कि अनुशासन, मैच की समझ, फिटनेस और मानसिक मज़बूती पर भी ध्यान देता है। टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और फस्टर्-क्लास क्रिकेटर्स इन युवा खिलाड़ियों को रास्ता दिखाएंगे। यहाँ के कोचों को खास तौर पर एसआरटी10 के तरीके से ट्रेनिंग दी गई है, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर की कोचिंग दे सकें। इस पूरे प्रोग्राम की कमान डॉ. अतुल गायकवाड़ के हाथों में है, जिन्हें क्रिकेट की हाई-परफॉरमेंस ट्रेनिंग का गहरा अनुभव है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए डॉ. गायकवाड़ ने कहा, 'सचिन सर के सफर से प्रेरित होकर, हम यहां सिर्फ एक कोचिंग सेंटर नहीं, बल्कि एक गंभीर ट्रेनिंग का माहौल तैयार कर रहे हैं।

# अफगान क्रिकेटरों ने की पीड़ितों से मुलाकात

**महानगर नेटवर्क**

**काबुल**

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) के अधिकारियों ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के साथ मिलकर काबुल के अस्पतालों का दौरा किया, ताकि पाकिस्तान द्वारा एक अस्पताल पर किए गए हमले में घायल हुए लोगों का हालचाल जान सकें। खिलाड़ियों ने पीड़ितों को अपना समर्थन दिया और उनके जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना की। अफगानिस्तान के वनडे और टेस्ट कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने अपने साथी खिलाड़ियों गुलबदीन नायब और कैस अहमद के साथ वजीर अकबर खान और काबुल इमरजेंसी अस्पतालों का दौरा किया जहां उन्होंने हमले में बचे लोगों से मुलाकात की और पीड़ितों व उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की।

यह दौरा ऐसे समय में हुआ जब काबुल में हवाई हमलों के कारण बड़ी संख्या में आम नागरिकों के मारे जाने की खबरों के बाद अफगानिस्तान के क्रिकेट समुदाय में भारी आक्रोश फैल रहा था। कई खिलाड़ियों ने सार्वजनिक रूप से इस हिंसा की निंदा की और इसके लिए जवाबदेही तय करने की मांग की। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार काबुल में नशे के इलाज के एक अस्पताल पर पाकिस्तान द्वारा किए गए घातक हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके साथ ही पिछले 24 घंटों के दौरान पाकिस्तानी सेना ने कुनार प्रांत के विभिन्न ज़िलों में 124 रॉकेट दागे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इस भयानक हवाई हमले की जांच कराने और इसके लिए जवाबदेही तय करने की मांग की है। कुनार सूचना और संस्कृति निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने प्रांत के कई इलाकों में रुक-रुककर रॉकेट हमले किए, हालांकि, इन हमलों में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

# IFFD 2026 में सजेगा सिनेमा का महाकुंभ

**भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली 2026 में सम्मानित किया जाएगा। 25 से 31 मार्च तक भारत मंडपम में आयोजित होने वाला यह भव्य फिल्म महोत्सव इस साल खासतौर पर चर्चा में है, जहां सिनेमा की विविधता और वैश्विक कहानियों का संगम देखने को मिलेगा।**

IFFD 2026 सिर्फ एक फिल्म फेस्टिवल नहीं, बल्कि सिनेमा प्रेमियों के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव है। इस साल 100 से अधिक देशों से 2,187 फिल्मों की एंट्री मिली है,जिनमें 1,372 अंतरराष्ट्रीय और 815 भारतीय फिल्में शामिल हैं। नई दिल्ली के मल्टीप्लेक्स, ओपन-एयर लोकेशंस और भारत मंडपम में इन फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। शर्मिला टैगोर का करियर भारतीय सिनेमा के सबसे समृद्ध अध्यायों में से एक है। उन्होंने अपने अभिनय की शुरुआत महान निर्देशक सत्यजीत रे की फिल्म अपूर संसार से की, जिसने उन्हें रातोंरात पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने हिंदी सिनेमा में कश्मीर की कली, आराधना और अमर प्रेम जैसी सुपरहिट फिल्मों से दर्शकों के दिलों पर राज किया। उनकी खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि उनकी अभिनय की गहराई और विविधता रही है। रोमांटिक किरदारों से लेकर गंभीर और सामाजिक विषयों पर आधारित फिल्मों तक, उन्होंने हर भूमिका में अपनी छाप छोड़ी।

# 'राजा शिवाजी' का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज

जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी अपनी महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' का दमदार फर्स्ट लुक टीजर को 'धुरंधरः द रिवेंज' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज कर दिया है। इस बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक को 'धुरंधर 2' के साथ जोड़ा गया है,जिसके पेड प्रीव्यू 18 मार्च से शुरू हो चुके हैं। इस भव्य फिल्म की पहली झलक सिर्फ थिएटर में ही दिखाई गई, जिससे दर्शकों को भारत के महान योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और उनकी विरासत की कहानी की पहली झलक मिली। इस फिल्म का निर्देशन और मुख्य भूमिका रितेश विलासराव देशमुख ने निभाई है। 'राजा शिवाजी' एक ऐसे बेटे की कहानी है, जिसने एक पवित्र संकल्प लिया और बड़ी ताकतों के खिलाफ खड़े होकर स्वराज्य की नींव रखी।

फिल्म में संगीत अजय–अतुल ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवन ने की है। निर्माता इस ऐतिहासिक कहानी को एक भव्य सिनेमाई अनुभव के रूप में पेश करना चाहते हैं, जो भाषाओं की सीमाओं को पार करते हुए भारत की समृद्ध विरासत को दुनिया के सामने लाए। इस फिल्म को जियो स्टूडियोज प्रस्तुत कर रहा है और ज्योति देशपांडे और जिनिलीया देशमुख ने मुंबई फिल्म कंपनी के तहत इसे प्रोड्यूस किया है। 'राजा शिवाजी' 1 मई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और यह साहस, सम्मान और स्वराज्य के जन्म को बड़े स्तर प र दिखाने का वादा करती है।

# शादी के 10 साल बाद मां बनने जा रहीं दिव्यांका त्रिपाठी

**टीवी की मशहूर अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी ने नवरात्रि के पहले दिन फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है। एक्ट्रेस शादी के 10 साल बाद मां बनने जा रही हैं। दिव्यांका ने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें भी शेयर की है। बीते काफी समय से दिव्यांका की प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाए जा रहे थे।**

दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग करते नजर आ रहे हैं। विवेक अपनी पत्नी का बेबी बंप पकड़ कर पोज दे रहे हैं। एक तस्वीर में विवेक दहिया को नन्हे बच्चे के जूते पकड़े देखा जा सकता है। दोनों के चेहरे पर पेरेंट्स बनने की खुशी देखी जा सकती है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कपल ने कैप्शन में लिखा, 10 साल बाद प्लॉट में ट्विस्ट। कुछ यात्राएं जल्दी में नहीं होतीं... वे साथ मिलकर तैयार होने के बारे में होती हैं। और जब आपको लगता है कि आपकी कहानी पूरी हो गई है... जिंदगी सबसे खूबसूरत अध्याय जोड़ देती है। अभी भी इस पल का आनंद ले रहे हैं। अभी भी बिना किसी कारण मुस्कुरा रहे हैं। हमारा दिल आभार से भर गया है। हम माता-पिता बनने वाले हैं। जैसे ही दिव्यांका ने यह खबर साझा की, सोशल मीडिया पर उनके दोस्तों और फैंस की ओर से बधाइयों की बाढ़ आ गई। श्रद्धा आर्य ने लिखा, 'वाह, आप जानते हैं कि मैं इस खबर को लेकर काफी समय से खुशी से झूम रही थीं।' माही विज ने लिखा, 'आप दोनों के लिए बहुत खुश हूं।'

# शहनाज गिल के नए गाने 'बंजे दारू' ने खींचा दर्शकों ध्यान

**जब कोई लोकप्रिय कलाकार किसी नए अंदाज में दर्शकों के सामने आता है तो फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ जाती है। आजकल सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर एक ऐसा ही गाना सुर्खियों में है। अभिनेत्री और सिंगर शहनाज गिल अपने नए गाने 'बंजे दारू' के साथ दर्शकों के बीच आई हैं, जिसने रिलीज होते ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।**

यह गाना यूट्यूब के लोकप्रिय चैनल हंबल म्यूजिक पर रिलीज किया गया है। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल ने इस गाने को प्रस्तुत किया है। इस ट्रैक को खुद शहनाज गिल ने अपनी आवाज दी है, जिससे यह गाना उनके फैंस के लिए और भी खास बन गया है। गाने का संगीत ब्लैक वायरस ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल कप्तान ने लिखे हैं। इसकी धुन काफी आसान और आकर्षक है, जिसे सुनते ही श्रोताओं का मन झूमने को करता है। यही कारण है कि यह गाना तेजी से लोगों के पसंदीदा ट्रैक्स की सूची में शामिल होता जा रहा है। गाने के म्यूजिक वीडियो में शहनाज गिल का अंदाज बेहद ग्लैमरस और स्टाइलिश नजर आता है। वीडियो में वह आकर्षक लुक और कॉन्फिडेंट अंदाज में दिखाई देती हैं,जो पूरे गाने को और भी दिलचस्प बनाता है। रंगीन सेट और पार्टी वाइब के साथ यह वीडियो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। अपने इस नए गाने को लेकर शहनाज गिल ने भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि यह गाना ऐसा हो जिसे सुनने के लिए किसी खास मौके की जरूरत न पड़े। उनके मुताबिक कई बार लोगों को सिर्फ अच्छा संगीत, सकारात्मक ऊर्जा और थोड़ी-सी मस्ती ही काफी होती है। यह गाना उसी भावना को दर्शाता है, जिसमें लोग बिना किसी खास वजह के भी खुश हो सकते हैं, नाच सकते हैं और जिंदगी के छोटे-छोटे पलों का आनंद ले सकते हैं। यह ट्रैक आत्मविश्वास और आजादी के उस एहसास को भी दिखाता है, जब इंसान बिना ज्यादा सोचे बस उस पल को जीना चाहता है। शहनाज ने यह भी बताया कि इस गाने पर काम करना उनके लिए बेहद यादगार अनुभव रहा।

# अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी ने 'भूत बंगला' के सेट पर जीता सबका दिल

जब से 'भूत बंगला' का टीजर आया है, सोशल मीडिया पर इसे लेकर ज़बरदस्त क्रेज बना हुआ है। पूरे 14 साल बाद अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन की जोड़ी वापस लौट रही है,जो दर्शकों को डरावनी मस्ती और ज़बरदस्त कॉमेडी का डोज देने के लिए तैयार है। फिल्म की शूटिंग अभी चल रही है,और इसी बीच एक गाने की शूटिंग के दौरान का एक दिलचस्प वाकया सामने आया है। शूटिंग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक,एक्ट्रेस वामिका गब्बी ने एक ट्रेन का बहुत ही अहम सीन शूट किया है,जिसमें उन्हें ट्रेन के किनारे पर खड़ा होना था। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ तालमेल और सही टाइमिंग की बहुत ज़रूरत थी।सेट पर मौजूद लोगों का कहना है कि वामिका और अक्षय के बीच का भरोसा और ताल मेल इतना शानदार था कि उन्होंने इस मुश्किल सीन को बहुत ही आसानी से पूरा कर लिया। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, "वामिका ने इस सीन के लिए अक्षय पर पूरा भरोसा किया और बिना किसी बाहरी सपोर्ट के इसे आराम से पूरा कर लिया। कैमरे पर दोनों का तालमेल एकदम कुदरती और शानदार दिख रहा था।" सेट पर मौजूद क्रू मेंबर्स भी वामिका के आत्मविश्वास और अक्षय के साथ उनकी जबरदस्त ट्यूनिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक हिस्सा) और केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर आ रही 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तबू और राजपाल यादव जैसे मंझे हुए कलाकार नज़र आएंगे। प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# सलमान खान ने फैंस को दी ईदी

**बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सलमान खान दर्शकों को पहली झलक से उत्साहित करने के बाद, अपने फैंस के लिए ईद का तोहफा लेकर आए हैं। सलमान खान फिल्म्स ने अब 'मातृभूमि' सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया पूरा गाना 'चांद देख लेना' रिलीज कर दिया है।**

ईद के मौके पर रिलीज हुआ यह गाना चांद के इमोशनल महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का ही एक बड़ा हिस्सा है। जहां ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतज़ार और भरोसे को दिखाता है। "चांद देख लेना" इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है। फिल्म के टाइटल ट्रैक "मातृभूमि" को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिले। फिर वेलेंटाइन डे पर 'मैं हूं' गाना आया और अब इस नए गाने 'चांद देख लेना' ने फिल्म की कहानी और इसके म्यूज़िक को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है।हिमेश रेशमिया के संगीत से सजा यह गाना बॉलीवुड के पुराने और सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह गाना एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच के इमोशनल सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। वीडियो में चित्रांगदा सिंह का किरदार एक फौजी की पत्नी की हिम्मत और सब्र को दिखाता है, जो सरहद पर तैनात अपने पति का घर लौटने का इंतज़ार करती हैं। यह गाना उन परिवारों की ताकत को सलाम करता है जो देश की रक्षा करने वालों के पीछे चट्टान बनकर खड़े रहते हैं।

# यामी गौतम, तमन्ना भाटिया ने ढाया कहर, बॉबी देओल भी आए नजर

अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में एक इवेंट का आयोजन किया, जिसमें साल 2026 में रिलीज होने वाली नई वेब सीरीज और फिल्मों की लिस्ट जारी हुई है। एक्शन से लेकर सस्पेंस तक, इस साला दर्शकों को कुछ नया और शानदार देखने को मिल सकता है। इसी बीच सभी शोज के फर्स्ट लुक को भी रिलीज हुआ है, जिसके कलाकार इस इवेंट में शामिल हुए है। इसी बीच आइए देखते हैं कि किन सेलेब्स की कौन सी वेब सीरीज इस साल दस्तक देने वाली है। ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर अपनी आने वाली सीरीज 'सिस्टम' के लिए इस इवेंट में अपने कास्ट के साथ पहुंचे। साथ ही इसमें सोनाक्षी सिन्हा भी लीड रोल में नजर आने वाली है। अमेजन प्राइम की 'वेलकम टू खोया महल' सीरीज के लिए अदिति राव स्टाइलिश अंदाज पहुंची।

साथ ही बरुण सोबती, अपर्णा सेन और हरीश खन्ना भी इस इवेंट में नजर आए। विजय वर्मा, गुलशन ग्रोवर और कृतिका कामरा अपनी टीम के साथ आने वाली सीरीज 'मटका किंग' के लिए इवेंट में दिखे। एक्ट्रेस यामी गौतम भी अपनी आने वाली फिल्म 'नई नवेली' को लेकर इस इवेंट में पहुंची. बताया जा रहा है कि इसमें उनका किरदार बहुत हटके होने वाला है.

एक्ट्रेस यामी गौतम भी अपनी आने वाली फिल्म 'नई नवेली' को लेकर इस इवेंट में पहुंची. बताया जा रहा है कि इसमें उनका किरदार बहुत हटके होने वाला है.

# फिल्म दोस्ताना नहीं भूले अमिताभ

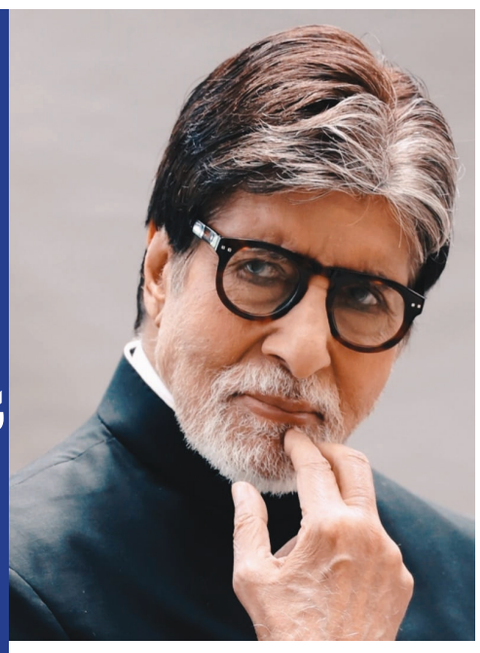

**अमिताभ बच्चन अपने साथी कलाकारों का कितना ख्याल रखते हैं, इसका एक उदाहरण हाल ही में देखने मिला। अमिताभ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके प्रेम चोपड़ा ने एक्टर से जुड़ी एक दिलचस्प बात साझा की है। उनका कहना है कि जबसे वो बीमार पड़े थे, तबसे अमिताभ हर रोज उन्हें मैसेज करके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं।**

प्रेम चोपड़ा नवंबर 2025 में अचानक मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुए थे। उस वक्त ये कहा गया कि उन्हें वायरल फीवर है और कुछ उम्र से जुड़ी तकलीफ भी है। हालांकि उनके दामाद एक्टर शरमन जोशी ने इंस्टाग्राम पर बताया कि प्रेम चोपड़ा को दिल से संबंधित एक गंभीर बीमारी हुई थी, लेकिन डॉक्टर्स ने उनका सही ट्रीटमेंट करके उन्हें वापस स्वस्थ कर दिया था। अस्पताल में रहने के कुछ दिनों बाद, प्रेम चोपड़ा वापस घर भी लौट आए थे। अब एक्टर ने बताया कि जबसे उनकी तबीयत बिगड़ी है, तबसे अमिताभ उन्हें मैसेज कर रहे हैं। वो अब ठीक हो चुके हैं, तब भी लगातार उनकी अच्छी सेहत के लिए मैसेज कर रहे हैं। प्रेम चोपड़ा ने कहा, 'जब से मैं बीमार पड़ा हूं, हर सुबह व्हॉट्स ऐप पर उनका (अमिताभ) एक मैसेज आता है कि जल्द ठीक हो जाओ, प्रेम। तुम्हारे लिए प्रार्थना करता हूं। मैंने बोला कि यार मैं ठीक हो गया हूं। लेकिन वो मीठी-मीठी बातें करते रहते हैं।' प्रेम चोपड़ा और अमिताभ ने 70-80 के दशक में कई हिट फिल्में- नसीब, मर्द, दो अंजाने में काम किया है। उन अधिक्तर फिल्मों में अमिताभ हीरो, तो प्रेम चोपड़ा विलेन बने। इसी दौरान उनकी दोस्ती भी काफी बढ़ी थी। फिल्म इंडस्ट्री में भी प्रेम चोपड़ा की छवि एक खूंखार विलेन के तौर पर बनी। 'कटी पतंग', 'बॉबी' जैसी फिल्मों में उनके काम को काफी पसंद किया गया। हालांकि अब प्रेम चोपड़ा को काफी कम देखा जाता है। उन्हें आखिरी बार रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' में देखा गया, जिसमें उनका छोटा रोल था।

# रश्मिका मंदाना ने 'थामा' में खुद किए स्टंट्स

**सोनी मैक्स पर 21 मार्च को वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर**

भारत का अग्रणी हिंदी फिल्म चैनल और ब्लॉकबस्टर कार्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध सोनी मैक्स अपनी प्रतिष्ठित सिनेमा परंपरा और सांस्कृतिक रूप से प्रभावशाली कहानी कहने की विरासत को लगातार आगे बढ़ा रहा है। सोनी मैक्स की पहचान फिल्मों को ऐसे खास पलों में बदलने की है, जिनका दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं और जिन्हें लंबे समय तक याद रखते हैं। 'थामा' जैसे हाई-एनर्जी और अलग जॉनर की फिल्म के साथ यह परंपरा और भी मजबूत हो रही है। इसी समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाते हुए चैनल इस साल की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक कॉमेडी-हॉरर फिल्म 'थामा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर शनिवार, 21 मार्च को रात 8 बजे प्रस्तुत करने जा रहा है। सोनी मैक्स पर विशेष रूप से प्रीमियर होने वाली 'थामा' दर्शकों के लिए एक यादगार वीकेंड एंटरटेनमेंट साबित होने वाली है। अपनी जीवंत कहानी और जॉनर-बेंडिंग प्रस्तुति के कारण यह फिल्म देशभर के परिवारों के लिए मनोरंजन, हास्य और रोमांच का बेहतरीन मिश्रण लेकर आएगी। इससे सोनी मैक्स एक प्रीमियम और खास फिल्म अनुभव देने वाले प्रमुख मंच के रूप में और भी मजबूत होगा। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना शहर में रहने वाले पत्रकार आलोक गोयल की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी साधारण जिंदगी एक रहस्यमयी लड़की से प्यार होने के बाद अचानक बदल जाती है। इस रहस्यमयी लड़की 'तड़का' उर्फ तारिका की भूमिका रश्मिका मंदाना ने निभाई है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार की इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेश रावल और सत्यराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे फिल्म की सबसे चर्चित बात यह है कि रश्मिका मंदाना ने बिना किसी बॉडी डबल का इस्तेमाल किए सभी स्टंट खुद किए हैं।